आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	35°C	20°C

इनसाइड न्यूज

व्यावसायिक गैस सिलिंडर की किल्लत से बाजार होगा बेजार...

उत्तर प्रदेश पेज : 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

बुधवार 11 मार्च, 2026 | पेज : 12 | मूल्य : ₹ 3.00/- लखनऊ | वर्ष : 17, अंक : 148 | www.janexpresslive.com/epaper

अगर तेल रोका तो 20 गुना ज्यादा ताकत... 12

हॉर्मुज में संकट, चूल्हों पर आफत

देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' लागू, कॉमर्शियल गैस पर ताला

- हॉर्मुज की जंग का असर अब भारतीय रसोइयों और रेस्टोरेंट्स पर
- आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू, होटलों में गैस की किल्लत शुरू

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू कर दिया है। हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते होने वाली गैस सप्लाई ठप होने के बाद सरकार ने ये कदम उठाया है। गैस किल्लत को देखते हुए दिल्ली मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। इस रोक की वजह से रेस्टोरेंट्स और होटलों के बंद होने की नौबत आ गई है। छोटे होटल और भोजनालय चलाने वालों ने सरकार से कहा है कि सप्लाई बहाल की जाए।

कमोडिटी एक्ट लागू होने के बाद 4 कैटेगरी में गैस बंटेगी

- **पहली कैटेगरी (पूरी सप्लाई):** इसमें आपके घर की रसोई गैस और गाड़ियों में डलने वाली सीएनजी आती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी।
- **दूसरी कैटेगरी (खाद कारखाने):** खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70% गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है।
- **तीसरी कैटेगरी (बड़े उद्योग):** नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80% गैस मिलेगी।
- **चौथी कैटेगरी (छोटे बिजनेस और होटल):** शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80% गैस दी जाएगी।

क्या है आवश्यक वस्तु अधिनियम?

एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 एक ऐसा कानून है, जो सरकार को यह ताकत देता है कि वह किसी भी जरूरी चीज जैसे- अनाज, दालें, खाने का तेल, दवाइयां या ईंधन की सप्लाई और कीमतों को कंट्रोल कर सके। इसे आसान भाषा में 'जमाखोरी रोकने वाला कानून' कह सकते हैं। कभी किसी चीज की कमी होने लगती है या उसकी कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ने लगती हैं, तो सरकार इस कानून को लागू कर देती है। इसके तहत व्यापारियों के लिए स्टॉक की एक लिमिट तय कर दी जाती है कि वे एक सीमा से ज्यादा सामान गोदामों में नहीं भर सकते।

सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाए

सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की एलपीजी गैस अब 913 रुपए की मिल रही है। पहले यह 853 रुपए की थी। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 1 फरवरी को 115 रुपए बढ़ाए गए थे। यह अब 1883 रुपए का मिल रहा है।

इन राज्यों में सप्लाई पर सबसे ज्यादा असर

- **उत्तर प्रदेश:** बुकिंग के 4-5 दिन बाद भी डिलीवरी नहीं: कॉमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई पर अघोषित रोक से होटल-रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कंपनियों ने एजेंसियों को पूरा फोकस सिर्फ घरेलू गैस पर रखने को कहा है, लेकिन इसके बावजूद आम लोगों में घबराहट का माहौल है। लखनऊ, कानपुर और वाराणसी जैसे शहरों में बुकिंग के 4-5 दिन बाद भी डिलीवरी नहीं हो पा रही है।
- **महाराष्ट्र:** मुंबई में करीब 20% हटल और रेस्टोरेंट बंद: मुंबई, पुणे और नागपुर में कॉमर्शियल गैस की भारी कटौती की गई है। पुणे में तो हालात इतने खराब हैं कि नगर निगम ने गैस शवदाह गृह अस्थायी रूप से बंद कर दिए हैं। राज्य के करीब 9,000 रेस्टोरेंट्स और बार पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। मुंबई में कॉमर्शियल गैस सप्लाई की किल्लत की वजह से अब तक करीब 20% होटल और रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं। होटल एसोसिएशन 'आहार' ने चेतावनी दी है कि अगर सप्लाई नहीं सुधरी, तो अगले दो दिनों में आधे से ज्यादा यानी 50% होटलों पर ताले लग सकते हैं।
- **मध्य प्रदेश:** कीमत बढ़ने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा: होटल संचालकों का कहना है कि कीमत बढ़ने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। आखिर शादी के सीजन के बीच सिलेंडर की सप्लाई रोकने का फैसला क्यों लिया गया। भोपाल में करीब 2000 से ज्यादा मझोले और बड़े होटल-रेस्त्रां हैं, जहां कॉमर्शियल सिलेंडर का इस्तेमाल होता है।
- **राजस्थान:** होटल-रेस्टोरेंट, मैरिज गार्डन से जुड़े लोगों को परेशानी: यहां होटल और रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि गैस का हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। ऐसे में हर तरह के होटल-रेस्टोरेंट, मैरिज गार्डन और अन्य उद्योगों से जुड़े लोगों को बड़ी परेशानी होनी तय है। तेल कंपनियों का अचानक लिया गया फैसला परेशान करने वाला है।
- **कर्नाटक:** होटल भी 'जरूरी सेवा', बंद होने से बुजुर्गों-छात्रों को दिक्कत: बेंगलुरु होटल एसोसिएशन का कहना है कि अगर सप्लाई बहाल नहीं हुई होटल बंद करने पड़ेंगे। एसोसिएशन के मुताबिक, होटल इंडस्ट्री 'जरूरी सेवाओं' में आती है। सीनियर सिटीजन, छात्र और मरीज खाने के लिए होटलों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में आम लोगों को भारी दिक्कत होगी।

कब तक सुधरेंगे हालात? इंडियन ऑयल के मुख्य महाप्रबंधक केएम ठाकुर का कहना है कि ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है और पैनिक बुकिंग न करें। सरकार अब अमेरिका जैसे देशों से वैकल्पिक मार्गों मंगाने पर विचार कर रही है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जी7 देश अपने इमरजेंसी तेल भंडार से सप्लाई जारी करने पर चर्चा कर रहे हैं, ताकि ग्लोबल मार्केट में ऊर्जा संकट को कम किया जा सके। रूस और अल्जीरिया से भी अतिरिक्त कच्चा तेल आने की उम्मीद है।

संकट से निपटने सरकार ने 5 जरूरी कदम उठाए

1. **हाई-लेवल कमेटी बनाई:** संकट को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय ने तीन ते कंपनियों के कार्यकारी निदेशकों की एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है, जो सप्लाई की समीक्षा करेगी।
2. **एसेंशियल कमोडिटी एक्ट लागू:** गैस की सप्लाई को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने देशभर में 'एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955' लागू कर दिया है।
3. **25 दिन बाद होगी एलपीजी बुकिंग:** घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 25 दिन बाद ही बुक होगा।
4. **ओटीपी और बायोमेट्रिक अनिवार्य:** गैस की जमाखोरी रोकने के लिए डिलीवरी एजेंट ओटीपी या बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का सख्ती से इस्तेमाल कर रहे हैं।
5. **एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश:** सरकार ने सभी ऑयल रिफाइनरीज को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है। इस एक्स्ट्रा उत्पादन का इस्तेमाल घरेलू गैस के लिए होगा।

सप्लाई संकट की 2 वजह

- **'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' का लगभग बंद होना:** भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।
- **प्लांट पर ड्रोन हमले से एलएनजी का प्रोडक्शन रुका:** पिछले हफ्ते अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक की थी। इसके जवाब में ईरान ने यूएई, कतर, कुवैत और सऊदी जैसे देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाले सबसे बड़े देश कतर ने अपने एलएनजी प्लांट का प्रोडक्शन रोक दिया है। इससे भारत में गैस की सप्लाई घट गई है। भारत अपनी जरूरत की 40% एलएनजी (करीब 2.7 करोड़ टन सालाना) कतर से ही आयात करता है।

यूपी कैबिनेट बैठक : 30 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

अब खतौनी से होगा नाम का मिलान, कई गांवों को पहली बार मिलेगी बस सेवा

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। 31 प्रस्तावों पर चर्चा हुई, जिनमें से 30 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई, जबकि तीन प्रस्तावों को होल्ड पर रखा गया। बैठक में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। अब किसी भी संपत्ति को बेचने से पहले विक्रेता का नाम खतौनी से मिलान किया जाएगा। यदि नाम अलग पाया जाता है तो रजिस्ट्रेशन विभाग इनकारी जारी करेगा। सरकार ने सर्किल रेट पर एक प्रतिशत शुल्क और विकास शुल्क के दो प्रतिशत अतिरिक्त स्टांप शुल्क से जुड़े प्रावधानों में भी बदलाव किया है। पहले यह राशि यूपी जारी होने के बाद निकायों को दी जाती थी, जिसे अब छमाही आधार पर जारी किया जाएगा। परिवहन विभाग से जुड़े प्रस्ताव के तहत सीएम ग्राम परिवहन योजना 2026 को स्वीकृति दी गई है। योजना के तहत 59,163 ग्राम सभाओं को बस सेवा से जोड़ा जाएगा। जिन 12,200 गांवों में अब तक बस सेवा नहीं थी, वहां भी 28 सीटर बसें चलाई जाएंगी। बस सेवा टैक्स फ्री होगी और निजी क्षेत्र को भी संचालन की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा अयोध्या में खेल परिसर के लिए 2500 वर्गमीटर भूमि नगर निगम को हस्तांतरित करने, कई जिलों में समग्र शहरी योजना लागू करने, कानपुर ट्रांस गंगा सिटी के लिए चार लेन पुल बनाने तथा बुंदेलखंड क्षेत्र में बांदा और झांसी के डेयरी संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने जैसे प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

शहरी आवास की सीमा बढ़ी, कर्मचारियों के निवेश नियम सख्त

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 22 वर्गमीटर तक के आवास की लागत सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 9 लाख रुपये कर दी गई है। अब 30 वर्गमीटर तक मकान का निर्माण किया जा सकेगा। इसमें 1 लाख रुपये राज्य सरकार और 1.5 लाख रुपये केंद्र सरकार की ओर से सहायता दी जाएगी। सरकार ने कांशीराम आवास योजना के खाली पड़े मकानों की मरम्मत और रंगाई-पुताई कराकर उन्हें दलित परिवारों को देने का फैसला किया है। वहीं सरकारी कर्मचारियों की सेवा नियमावली में संशोधन करते हुए यह अनिवार्य किया गया है कि छह माह के मूल वेतन से अधिक निवेश की जानकारी देनी होगी और हर वर्ष अपनी अचल संपत्ति की घोषणा करनी होगी।

संचालन का अनुबंध 10 वर्ष का होगा

ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत बसों की औसत आयु 15 वर्ष तय की गई है, जबकि संचालन का अनुबंध 10 वर्ष का होगा। योजना के तहत बस सेवा को पहली बार परमिट, अनुबंध और टैक्स से मुक्त रखा जाएगा। सरकार के अनुसार करीब 5000 ऐसे गांव हैं जहां अब तक कभी बस नहीं पहुंची। शुरुआत में हर रूट पर दो बसें चलाई जाएंगी। वहीं मोटर व्हीकल कानून में संशोधन कर केंद्र सरकार के नियमों को अपनाया जाएगा। इसके तहत ह्वाइट और ड्राइवर जैसे एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म को राज्य में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ड्राइवरों की फिटनेस जांच, मेडिकल टेस्ट और पुलिस वेरिफिकेशन भी जरूरी किया जाएगा। एग्रीगेटर के लिए आवेदन शुल्क 25 हजार रुपये और लाइसेंस फीस 5 लाख रुपये तय की गई है। लाइसेंस का नवीनीकरण हर पांच साल में 5 हजार रुपये शुल्क के साथ होगा। सरकार खुद का परिवहन ऐप भी विकसित करेगी, जिसमें ड्राइवरों की पूरी जानकारी उपलब्ध रहेगी और उनकी ट्रेनिंग भी कराई जाएगी।

शिक्षकों को मिलेगा कैशलेस इलाज

उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यवस्था में बदलाव का फैसला किया है। अब अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही इस योजना में कर्मचारियों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे बड़ी संख्या में लाभार्थियों को फायदा मिलेगा। योजना के तहत प्रति शिक्षक लगभग 2479 रुपये का प्रीमियम खर्च आएगा। इस व्यवस्था से प्रदेश के 1.28 लाख से अधिक शिक्षकों को सीधा लाभ मिलने का अनुमान है। इसके लिए राज्य सरकार पर करीब 31.92 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। सरकार की इस पहल के तहत निजी अस्पतालों को भी योजना से जोड़ा जाएगा, ताकि शिक्षकों और कर्मचारियों को इलाज के लिए अधिक विकल्प मिल सकें और जल्द समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

एटा के सीडीओ पर रिश्वत मांगने का आरोप, वायरल वीडियो के बाद निलंबन

- डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर कार्रवाई, भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की दोहराई नीति

जन एक्सप्रेस। लखनऊ/एटा

जनपद एटा में तैनात मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) नागेंद्र नारायण मिश्रा के खिलाफ रिश्वत मांगने से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शासन ने सख्त कार्रवाई की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश सरकार ने उन्हें निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी है।

डिप्टी सीएम ने दिए कठोर कार्रवाई के निर्देश

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस प्रकरण पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

प्रारंभिक जांच में आरोप गंभीर

शासन की प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया आरोपों की गंभीरता को देखते हुए सीडीओ नागेंद्र नारायण मिश्रा के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली के नियम-7 के तहत विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की गई है। इसके साथ ही उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की नीति पर काम कर रही है और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पारदर्शिता और ईमानदारी पर जोर

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में तैनात अधिकारी और कर्मचारी सरकार की योजनाओं को पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ लागू करें, ताकि आम जनता को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने पद का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

समयबद्ध और निष्पक्ष जांच के निर्देश

डिप्टी सीएम ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराई जाए। यदि जांच में आरोप सिद्ध होते हैं तो नियमानुसार आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

'यूसीसीलागू करने का सही समय'

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को समान नागरिक संहिता पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में अब इस विषय पर लंबित से विचार करने का समय आ गया है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शरीयत कानून की धाराओं को रद्द करने जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम फैसला लेना विधायिका का अधिकार क्षेत्र है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की, जिसमें जॉयमाल्या बागची और आर. महादेवन भी शामिल थे। पीठ 1937 के मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इन्हें मुस्लिम महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया गया है।

मुस्लिम महिलाओं के लिए कही ये बात

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि न्यायालय शरियत कानून के उत्तराधिकार संबंधी प्रावधानों को रद्द कर देता है, तो इससे एक कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है, क्योंकि मुस्लिम उत्तराधिकार को नियंत्रित करने वाला कोई अन्य स्पष्ट कानून मौजूद नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण से कहा कि सुधार की जल्दबाजी में ऐसा कदम उठाना उचित नहीं होगा जिससे महिलाओं को वर्तमान से भी कम अधिकार मिल जाएं। उन्होंने पूछा कि यदि 1937 का शरियत कानून समाप्त हो जाता है तो उसके स्थान पर क्या व्यवस्था लागू होगी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने भी कहा कि याचिका में भेदभाव का मुद्दा मजबूत है, लेकिन इस विषय पर निर्णय लेना संसद के लिए अधिक उपयुक्त होगा, क्योंकि संविधान के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में समान नागरिक संहिता लागू करने का दायित्व विधायिका को दिया गया है।

भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम लागू किया जा सकता है

अदालत ने यह भी कहा कि पहले भी कई बार न्यायालय संसद से समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार करने की सिफारिश कर चुका है। पीठ के अनुसार, सामाजिक और व्यक्तिगत कानूनों में व्यापक सुधार के लिए विधायी प्रक्रिया ही सबसे उपयुक्त रास्ता है। इस दौरान अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि अदालत यह घोषणा कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बराबर उत्तराधिकार अधिकार मिलना चाहिए। उनका तर्क था कि यदि शरियत कानून की विवादित धाराएं हटाई जाती हैं तो ऐसे मामलों में भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम लागू किया जा सकता है।

गैस सिलिंडरों की आपूर्ति प्रभावित, मेरठ, बिजनौर, शामली, बागपत और सहारनपुर में परेशानी

जन एक्सप्रेस। मेरठ

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के चलते मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, बिजनौर, सहारनपुर और शामली में तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हो रही है। पेट्रोलियम उत्पाद, गैस और कच्चे माल के दाम दोगुना हो गए हैं। ऐसे में घर की रसोई से लेकर इन जिलों के लाखों उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। होटल, रेस्टोरेंट, विवाह आयोजनों में भी गैस की किल्लत बनी हुई है।

मेरठ में गैस सिलिंडर आपूर्ति बाधित, उद्योगों पर भी असर

मेरठ में गृहिणी सुनीता ने बताया कि बुकिंग कराने के बाद भी गैस मिलने में दिक्कत हो रही है। इसके अलावा मेरठ की गढ़ रोड समेत कई एजेंसियों पर गैस के लिए लोग परेशान दिखे। ब्रेबुरा होटल के संचालक शेखर भल्ला ने बताया कि जिन होटलों में पीएनजी है, वहां भी लाइव स्टॉल लगाने के लिए सिलेंडर नहीं हैं। होटल, रेस्टोरेंट के अलावा सर्वाधिक दिक्कत कैटरिंग वालों के सामने आ रही है। मेरठ होटेलियर्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के महामंत्री विपुल सिंघल ने बताया कि सिलेंडर की कमी के चलते पकौड़ी की दुकान से लेकर बड़े होटलों तक में दिक्कत हो रही है। सरकार ने घरेलू गैस सिलिंडर के दाम तो बढ़ा दिए हैं, इसके साथ ही कमर्शियल सिलिंडर के दाम भी बढ़े हैं। सहारनपुर में होटल एवं रेस्टोरेंट में पाइप के जरिए सप्लाई होने वाली गैस आपूर्ति को बंद कर दिया गया है। बता दें, कि जिले में 8.33 लाख गैस उपभोक्ता हैं। हर दिन औसतन 17 हजार गैस सिलिंडर की बुकिंग की जाती है। जनपद में गैस एजेंसी की 61 शाखाएं हैं। सरकार ने 21 दिन की अवधि को बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है।

मुजफ्फरनगर में फिलहाल गैस आपूर्ति सामान्य

मुजफ्फरनगर जिले में करीब छह लाख घरेलू गैस उपभोक्ता हैं। फिलहाल गैस आपूर्ति की कोई दिक्कत नहीं है। आईजीएल की ओर से पीएनजी सप्लाई की जाती है, लेकिन यह सप्लाई भी कम हो रही है।

आबकारी नीति मामला: सीबीआई के बाद अब ईडी भी पहुंची दिल्ली हाईकोर्ट, 19 मार्च को होगी सुनवाई

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय भी ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्णय में की गई कुछ टिप्पणियों को हटाने की मांग को लेकर लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मांग की है कि 27 फरवरी के आदेश में उसके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने का निर्देश दिया जाए। इस मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया समेत सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया है। ईडी की अर्जी पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने सुनवाई की। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट के जज ने जिस मामले में एजेंसी के खिलाफ टिप्पणियां की हैं उस मामले में प्रवर्तन निदेशालय का कोई कंसर्न नहीं है। न्यायाधीश ने बिना एजेंसी को सुने टिप्पणियां की हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियां करनी भी नहीं थीं, तो अदालत को पहले एजेंसी का पक्ष सुनना चाहिए था। दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी की याचिका पर सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया है, जिनमें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व मनीष सिसोदिया भी शामिल हैं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को तय की है।

बरेली में अग्निवीर भर्ती रैली आज से

सुरक्षा के लिए दो प्लाटून पीएसी, 15 स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती

जन एक्सप्रेस। बरेली

बरेली में अग्निवीर सेना भर्ती रैली और एसआई भर्ती परीक्षा के लिए पुलिस-प्रशासन के साथ रेलवे, रोडवेज, नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुटा हुआ है। सुरक्षा की दृष्टि से रैली और परीक्षा दौरान दो प्लाटून पीएसी तैनात रहेंगी। विभिन्न रूटों पर 150 रोडवेज बसों को लगाया जाएगा। शहर में 15 स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी, ताकि जाम की समस्या न हो और अभ्यर्थी आसानी से अपने केंद्रों तक पहुंच सकें। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से सभी बंदोबस्त किए जा रहे हैं। अग्निवीर भर्ती रैली के दौरान रात में नकटिया से ट्रैफिक भी वन-वे किया जाएगा। भर्ती रैली 13 दिन चलेगी। रोजाना औसतन एक हजार अभ्यर्थी आएंगे। दो दिन एसआई भर्ती परीक्षा के दौरान 38 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी आएंगे। रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर अतिरिक्त काउंटर खोले जाएंगे ताकि दूसरे जिलों से आने वाले अभ्यर्थियों को आसानी से परीक्षा केंद्रों की जानकारी मिल सके। ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे स्थानों को चिह्नित कर लिया है, जहां अतिरिक्त भीड़ के कारण जाम की समस्या हो सकती है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 25 ई-बसों को भी लगाया जाएगा। बरेली में सेना भर्ती कार्यालय की ओर से वर्ष 2025-26 में अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 11 से 19 मार्च तक किया जाएगा। इस दौरान बरेली समेत 13 जिलों के चयनित करीब दस हजार अभ्यर्थियों का परीक्षण होगा। इसके लिए जाट रेजिमेंट सेंटर में तैयारी पूरी हो चुकी है। भर्ती कार्यालय की ओर से अभ्यर्थियों के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। इसमें कहा गया कि जिन अभ्यर्थियों ने अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं किया है, वह समय से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड करें।

किस जिले की होगी भर्ती

- 11 मार्च- अग्निवीर (टेक्निकल) (सभी 12 जिले के अभ्यर्थियों के लिए)।
- 12 मार्च- अग्निवीर (ट्रेड्समेन 8वीं, 10वीं) (सभी 12 जिले के अभ्यर्थियों के लिए और अग्निवीर (क्लर्क/एसकेटी)
- 13 मार्च- अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी।
- 14 मार्च- अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) शाहजहांपुर, सीतापुर।
- 15 मार्च- अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) संभल और पीलीभीत।
- 16 मार्च- अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) हरदोई।
- 17 मार्च- अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) फर्रुखाबाद।
- 18 मार्च- अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बदायूं।
- 19 मार्च- अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बरेली।

स्कूलों की अवैध वसूली के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस | बांदा

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला अधिकारी को प्रमुख कांग्रेसियों के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने मीडिया से रूबरू होते हुए बतलाया कि जनपद ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में शिक्षा माफिया से मिली भगत कर प्राइवेट स्कूल संचालक असीमित फीस वसूली प्रत्येक वर्ष पाठ्यक्रम परिवर्तित किए जाने के नाम पर भारी पैमाने पर अभिभावकों से कापी किताबें, मोजे, जूते आदि सामग्रियों के नाम पर वसूली की जा रही है।जिससे जनमानस में आक्रोश व्याप्त है।वहीं दूसरी ओर रमजान का पवित्र महीना चल रहा है एवं 19 मार्च से नवरात्रि पर्व प्रारम्भ होने जा रही है लेकिन जल संस्थान शहर के अंदर कैंप लगाकर लाखों रुपए की वसूली करने में मगन है।जबकि शहर के अंदर नलों में कीचड़ युक्त पानी मात्र 30 मिनट सप्लाई देकर शहर वासियों को सुलभ कराया जा रहा है।जिससे अनेकों की संख्या में लोग बीमार पड़ रहे हैं और अस्पतालों की शरण लेनी पड़ रही है पानी की सप्लाई में ब्लीचिंग पाउडर का इस्तेमाल न कर करोड़ों का घोटाला किया जा रहा है।जो जांच का विषय है।जांच कर कर दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई कर शहर वासियों को कम से कम दोनों मीटिंग एक-एक घंटा स्वच्छ जल सुलभ कराया जाए।जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा खान ने बताया प्रदेश और देश में बैठी हुई भाजपा सरकार युद्ध का बहाना बनाकर घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों पर 60 रुपए से लेकर 115 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है जो न्याय संगत नहीं है।इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है की सरकार और गैस एजेंसियों की मिली भगत से यह बढ़ोतरी लाभ पहुंचाने की दृष्टिकोण से की गई है इसका सीधा असर महिलाओं की रसोई पर पड़ रहा है।गरीब तबके की महिलाएं परेशान हैं गैस एजेंसियों में उपभोक्ता जब गैस लेने जाता है तो कहा जाता है कि गैस नहीं है और पर्ची कटवाओ तभी गैस मिलेगी वहीं दूसरी ओर दलालों के माध्यम से 1500 से 2000 रुपए में गैस सिलेंडर सुलभ कराए जाने का काम किया जा रहा है संबंधित अधिकारी औचक निरीक्षण कर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करें और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए इस अवसर पर प्रमुख रूप से निम्नलिखित व्यक्ति शामिल रहे जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष द्वारिकेश सिंह यादव मंडेला एडवोकेट,बल्देव वर्मा एडवोकेट,जिला महामंत्री/मीडिया प्रभारी सत्यप्रकाश द्विवेदी एडवोकेट,शोएब रिजवी, जितेन्द्र गौरव,अमित तिवारी,बाबूराम निषाद पूर्व सभासद,जिला सचिव रामकुमार सिंह, हेमन्त कुमार वर्मा,कालीचरण साहू,सीमा बाबी,सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदी, जिला वक्ता राजेश कुमार गुप्ता पप्पू,राजबहादुर गुप्ता,रामशंकर सिंह लाला,अशोक वर्धन कर्ण,महुआ ब्लॉक अध्यक्ष शक्ति प्रताप सिंह,इस्लाम मौजूद रहे।

गरीब को पीटकर दबंगों ने किया अधमरा मरा समझ फेंक दिया जंगल में

लगाई डीआईजी से न्याय की गुहार लगाया थानेदार पर आरोपी को सह देने का आरोप

जन एक्सप्रेस | बांदा

दिन मंगलवार को पीड़ित अंजली पत्नी श्रीराम निवासी ग्राम-गड़रिया, थाना-जसपुरा जनपद का मूल निवासिनी है। पीड़ित ने बताया कि दिनांक 05 मार्च को समय सुबह दस बजे देवर गोविन्दा पुत्र बाबूलाल अपने खेत से मटर उखाड़कर घर आ रहा था।तभी गांव के ही हरिप्रसाद पुत्र भालू व छोटू पुत्र हरिप्रसाद व होरी पुत्र हरिप्रसाद व बुधुवा पुत्र शिवबचना व सत्यनरायन पुत्र हन्नू व सत्यम पुत्र धनीराम आदि लोगों ने सभी लोग एकराह होकर गोविंदा को घेरकर गंदी-गंदी गाली-गलौज किया और कहा तू बड़ा गुण्डा बनता है।तो गोविन्दा ने गाली-गलौज करने का विरोध किया तथा मना किया तो सभी लोग लाठी कुल्हाड़ी व फरसा से मारपीट करने लगे और दूसरे मोहल्ले में जंगल के रास्ते में मरा समझ कर फेंक दिया।जैसे ही घायल की भाभी अंजली पत्नी श्रीपाल को गांव के लोगों ने बताया।तुरन्त घर वालों को फोन किया और घर वाले जब खेत से आ गये।तब 1076 नम्बर पर फोन किया, फिर 108 नम्बर एम्बुलेंस बुलाया और एम्बुलेंस में जसपुरा सरकारी अस्पताल ले गये और तुरन्त गम्भीर हालात होने के कारण से जिला अस्पताल रिफर किया गया और गोविन्दा की हालत गम्भीर है।वह बोल भी नहीं पा रहा है।और इसके बाद थाना जसपुरा की पुलिस गई और अभियुक्तों से कुछ नहीं कहा परन्तु दबंगई के बल पर हमारी बहू अंजली को थाने लिवा ले गये।और आरोपी राजनितिक पहुंच वाले व्यक्ति हैं।इसलिये मुकदमा तक दर्ज नहीं हुआ।और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी की गई।क्योंकि थाने में उनकी पहचान बनी है।जिस कारण आरोपी का थाने के दरोगा व्यवहार चलता है।वे लोग जिस व्यक्ति के ऊपर मुकदमा लिखाना चाहते हैं।तो तुरन्त लिख जाता है और हमेशा पुलिस से बाबूलाल व संजय निषाद हमेशा दबाव बनाये रहते है।हमेशा रंजिशन के कारण उनको व उनके लड़कों को रंजिशन कई केसों में फंसाये हैं।अभी भी गोविंद जिला चिकित्सालय अस्पताल भर्ती है। पीड़ित ने यह भी बताया कि डीआईजी साहब नहीं मिले एक दीवान जी मिले थे और प्रार्थना पत्र ले लिया है और कार्यवाही का आश्वासन दे।घायल का ईलाज कराने के लिए कहा है।

अलग बुंदेलखंड राज्य निर्माण की यात्रा का ओरन में हुआ जोरदार स्वागत

जन एक्सप्रेस | बांदा

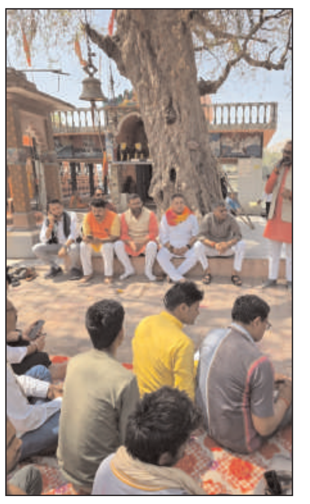

बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में निकाली जा रही 'गांव-गांव, पांव-पांव' पदयात्रा को नगर में व्यापक जनसमर्थन मिला है। बुन्देलखण्ड के युवाओं को उनके घर के पास ही रोजगार उपलब्ध कराने, पलायन रोकने और बुंदेलखंड के समग्र विकास के लिए स्वायत्त राज्य की मांग को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह पदयात्रा निकाली जा रही है।पदयात्रा का नेतृत्व फिल्म अभिनेता एवं बुंदेलखंड राज्य आंदोलन के प्रमुख चेहरा राजा बुंदेला कर रहे हैं।यात्रा के चौथे दिन पदयात्रा नगर के सभी प्रमुख मार्गो से गुजर कर प्रसिद्ध तिलहर देवी मंदिर परिसर पहुंची जहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और युवाओं की उपस्थिति देखने को मिली।जन सभा को सम्बोधित करते हुए बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय ने बुंदेलखंड के भविष्य के लिए अब हर गांव और हर घर तक राज्य निर्माण की आवाज पहुंचानी होगी।यदि बुंदेलखंड को अलग राज्य का दर्जा मिलता है तो यहां के प्राकृतिक संसाधनों और रोजगार के अवसरों का लाभ स्थानीय युवाओं को मिलेगा।जनसभा को संबोधित करते हुए राजा बुंदेला ने जोश भरते हुए नारा दिया कि ÷बुंदेलखंड की धरती हो, बुंदेलखंड में भर्ती हो÷ उन्होंने कहा कि अलग राज्य बनने से विकास की गति तेज होगी और युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे प्रदेशों में भटकना नहीं पड़ेगा। जनपद यात्रा संयोजक जयराम सिंह 'बछेउरा' ने बताया कि इस पदयात्रा का उद्देश्य जनपद के हर गांव और हर घर तक पहुंचकर लोगों से संवाद करना और उन्हें बुंदेलखंड राज्य आंदोलन से जोड़ना है।उन्होंने कहा कि यह यात्रा जनपद के सभी आठ ब्लाकों से होकर गुजरेगी और जनता के व्यापक समर्थन के साथ एक बड़े जनआंदोलन का रूप लेगी।अंत में यात्रा प्रबंधक नीरज निगम ने बताया कि विभिन्न गांवों से गुजरती हुई यह पदयात्रा 15 मार्च को जनपद के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में पहुंचेगी,जहां एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी।इस मौके पर राकेश बाजपेई,दीपू सिंह, रसिक शिवहरे,पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश शिवहरे,मोहम्मद फहीम,शिव प्रसाद तिवारी,भोला प्रसाद कोटार्य, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

माराचन्द्रा में चैपाल लगाकर डीएम ने सुनी पाठावासियों की समस्याएं

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

मंगलवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग द्वारा ग्राम पंचायत माराचन्द्रा में आयोजित ग्राम चैपाल में ग्राम वासियों की समस्याओं को सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए गए। चैपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा पशु चिकित्सालय खोले जाने की मांग की गई, इसके संबंध में नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी को दिए।जिलाधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित उप जिलाधिकारी मानिकपुर को निर्देश दिए की प्रधानमंत्री आवास योजना में जिनको आवास प्राप्त हुए हैं तथा वह ग्राम समाज की भूमि पर कई वर्षों से निवास कर रहे हैं उनको नियमानुसार आवासीय पट्टा उपलब्ध कराया जाए जिससे वह प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कर सकें। ग्राम में सी.एस.सी. सेंटर तथा अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कराया जा रहा है ग्रामीणों द्वारा यह भी मांग की गई कि ग्राम में उपकेंद्र का निर्माण कराया जाए। जिससे आसपास के ग्रामीणों को समुचित इलाज प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि इस संबंध में नियमानुसार शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा ग्रामीणों को अवगत कराया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरैंया में शीघ्र ही अतिरिक्त तीन ए.एन.एम. की तैनाती कर गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे यहां की गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के लिए जनपद मुख्यालय ना जाना पड़े।
इसके अतिरिक्त कम्पोजिट विद्यालय माराचन्द्रा, विकासखण्ड मानिकपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मानिकपुर, खण्ड विकास अधिकारी मानिकपुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। विद्यालय में नामांकित 301 छात्रों के सापेक्ष 144 छात्र उपस्थित पाए गए। कक्षा शिक्षण का अवलोकन करते हुए बच्चों से प्रश्न पूछे गए, जिनका संतोषजनक उत्तर बच्चों द्वारा दिया गया।

सी.डी.ओ. ने किया रामनगर ब्लाक का औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस | रामनगर/चित्रकूट

मंगलवार के दिन मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल ने रामनगर ब्लाक मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शौचालय में टूटे हुए दरवाजों को बदलने तथा साफ-सफाई नियमित करने का निर्देश दिया। ब्लाक परिसर में ही स्थित पशु चिकित्सालय में स्टोर रूम तथा वेटनरी का निरक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी राजेश तिवारी प्रभारी ए.डी.ओ. पंचायत अनुराग पांडेय आदि अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे।
औचक निरीक्षण के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य अंकुर चैधरी ने नेशनल हाईवे से ब्लाक मुख्यालय तथा समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को जोड़ने वाली सड़क को जल्द से जल्द बनवाने का मांग पत्र देकर बनवाने की गुहार लगाई साथ ही साथ उखड़ीं हुए सड़क से आम?जनमानस को होने वाली समस्याओं से अवगत कराया तथा समाजसेवी ब्रजेश पांडेय ने ब्लाक मुख्यालय में पेयजल की समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया की ब्लाक मुख्यालय में रोज तीन दर्जन से अधिक फरियादी अपनी फरियाद लेकर आते हैं, लेकिन पेय जलापूर्ति सुचारू रूप से न संचालित होने के कारण फरियादीयों को पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है, वहीं पेय जल के लिए खुले छत के ऊपर रखी पानी की टंकी तेज धूप में गर्म हो जाती है।

सरकार की नीतियों से किसान आत्महत्या करने पर हो रहा मजबूर - राजेंद्र यादव

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

रविवार को प्रदेश किसान सभा जिला कमेटी के अंतर्गत ग्राम पंचायत भैसौंधा के ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। जिसमें अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व विधायक राजेंद्र यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि इस देश में किसान घाटे की खेती कर रहा है, जिसके चलते आए दिन किसान आत्महत्या करने के लिए बेबस है, इसलिए के कृषि उत्पादन व फैक्ट्री उत्पादन के मूल्यों में सामंजस्य नहीं है। फैक्ट्री उत्पादन में किसानों के उपयोग की सामग्री का दाम सन 1976 से अब तक 100 गुना से अधिक बढ़ गया है जबकि कृषि उत्पादन में फसलों का दाम 25 गुना तक ही बढ़ा है। इस प्रदेश और देश में राज्य कर्मचारियों और केंद्रीय कर्मचारियों का 8 वां वेतन आयोग लागू हो गया है, जबकि इस देश में आजादी के बाद एक मात्र आयोग स्वामी नाथन आयोग बना जिसको आज तक लागू नहीं किया गया। स्वामीनाथन आयोग के मुताबिक सी 2 प्लस 50 एम.एस.पी. की गारंटी जब तक नहीं दी जाएगी तब तक किसानों की हालत नहीं सुधरेगी। किसान जागरण कार्यक्रम के तहत 9 व 10 मार्च को बांदा में किसान पंचायत होगी। कार्यक्रम में किसान सभा के प्रदेश प्रभारी व भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र सरस, भाकपा के जिला मंत्री अमित यादव, गाजीपुर के किसान सभा के जिला अध्यक्ष राजदेव यादव, शारदा प्रसाद एडवोकेट, चरण सिंह यादव, अजय मिश्रा जिला उपाध्यक्ष नौजवान सभा एवं ब्लाक मंत्री सदर किसान सभा गाजीपुर, मुलायम यादव व केशव प्रसाद ने संबोधित किया।

हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम के तहत नोडल शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के बीच समन्वय पर दिया जोर

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में किए गए प्रावधानों के अनुरूप पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए एक मजबूत एवं आदर्श बाल वाटिका का संचालन किया जाना आवश्यक है। बाल वाटिका के समुचित संचालन एवं उसके उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि केंद्र पर कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्री को सशक्त व सक्रिय बनाया जाए। उन्हें बाल वाटिका का संचालन, इसके उद्देश्यों और बच्चे की शिक्षा में बाल वाटिका की भूमिका के संबंध में समुचित जानकारी दी जाए। प्राथमिक विद्यालयों में स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम के नोडल शिक्षकों तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के बीच में एक बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। इसी उद्देश्य से राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त निर्देश के अनुपालन में मंगलवार को विकासखंड रामनगर में हमारा आंगन- हमारे बच्चे कार्यक्रम का आयोजन टाउन एरिया परिसर राजापुर में किया गया। जिसमें कुल 40 को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्यकत्रियों तथा उस विद्यालय में स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम के नोडल शिक्षकों, सभी पांच न्याय पंचायत के नोडल शिक्षक संकुल, एसआरजी, समस्त एआरपी, सभी न्याय पंचायतों से को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में अध्यनरत पांच-पांच मेधावी छात्र-छात्राओं व ब्लॉक एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

14 मार्च को लगेगी लोक अदालत,ज्यादा से ज्यादा मामलों का किया जायेगा निस्तारण

जन एक्सप्रेस | हमीरपुर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि 14 मार्च 26 को जिला जजी मीटिंग हाल में लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जिसमे बैंक सहित सभी विभागों को लोक अदालत में निपटारे के लिये चिन्हित मामलों का निपटारा किया जायेगा। उनहोंने बताया कि आने वाली लोक अदालत की समीक्षा में पाया कि, कुछ विभागों ने लोक अदालत के लिये अच्छी तादाद में मामलों को चिन्हित कर लिया है। जबकि कुछ विभागों ने लोक अदालत में निस्तारित किये जाने के लिये बहुत कम मामलो को चिन्हित किया गया है। सचिव ने सभी अधिकारियों से लोक अदालत में निस्तारण करने के लिये ज्यादा से ज्यादा से ज्यादा तादाद में मामलों को चिन्हित करने के निर्देशित किया गया, साथ ही जिला मुख्यालय के साथ ही अलग अलग तहसीलों में ऐसी जगह जहां आमलोगों की ज्यादा से ज्यादा तादाद मौजूद हो। अदालत, कलेक्ट्रेट, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, हाट बाजार तहसील मुख्यालय सहित बैंक आदि जगहों पर लोक अदालत की बडी कामयाबी तय किये जाने के लिये प्रचार-प्रसार के लिये कोशिश करे, साथ ही आमलोगों की हिस्सेदारी तय करने के लिये अनुरोध किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि, एसडीएम, लीड बैंक मैनेजर , परिवहन विभाग से वरिष्ठ सहायक, प्रभारी तहसीलदार राठ, टेलीकॉम से अमर महरोत्रा सहित बडी तादाद में जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहे।

सी.डी.ओ. ने किया तिलौली ग्राम पंचायत की गौशाला का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल ने विकास खंड मऊ की ग्राम पंचायत तिलौली गौशाला एवं ग्राम पंचायत सेसासुबकरा के मजरा पटोरी में संचालित टी.एच.आर. प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय ओमप्रकाश यादव खण्ड विकास अधिकारी, मऊ एवं उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व बालगोविन्द ग्राम पंचायत सचिव उपरिथात रहे।
निरीक्षण के समय गौशाला में 4 केयरटेकर लगे हुए पाए गये व लगभग 181 गौवंश संरक्षित मिले। जिनके लिए 1 भूसा घर बना हुआ पाया गया, जिसमें भूसा कम मात्रा में पाया गया। इस लापरवाही पर ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत सचिव को पृथक से नोटिस जारी करने को कहा गया। गौशाला में गोबर का ढेर लगा हुआ है जिसे नियमानुसार नीलाम किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। गौवंश हेतु 5 बोरी पशु आहार, 8 बोरी नमक, 50 किलो गुड़, 5 बोरी खरी उपलब्ध मिली। गौवंशो के लिए 2 टीन शेड, 3 भूसा चरही, 1 पेयजल चरही बनी मिली। गौवंशों के पेयजल के लिए एक सोलर समरसेवल से पानी की सप्लाई की जा रही है। गौशाला में सोलर लाइटें लगी हुयी हैं, साथ ही पशुओं की निरंतर निगरानी के लिए 4 कैमरे लगे हुये हैं। मौके पर उपस्थित ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया कि गौवंशों को नियमित संतुलित आहर खिलाया जाए, साथ ही गौवंशों को गर्मी से बचाय के लिए टीनशेड के नीचे कुश घास का छप्पर लगाया जाए। साथ ही निर्देशित किया गया कि गौशाला परिसर में प्रतिदिन साफ सफाई करवाया जाए।
ग्राम पंचायत सेसासुबकरा के मजरा पटौरी में संचालित टी.एच.आर. प्लांट का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय अध्यक्ष मंजू देवी, सचिव गिरजा देवी, शबा अख्तर, सरोज देवी, रिजवाना, गुडिया, कुन्ती देवी, आकांक्षा देवी आदि मौजूद रहे।
टी.एच.आर. प्लांट में उपलब्ध अभिलेख व डेली प्रोडक्शन रजिस्टर वितरण रजिस्टर, तैयार रेसीपी रजिस्टर का अवलोकन किया गया एवं प्लांट में क्रियाशील मशीनों का भी निरीक्षण किया गया। मौके पर पुष्टाहार तैयार किया जा रहा था। बी.एम.एम. ने बताया गया कि टी.एच.आर. प्लांट में उत्पादित सामग्री के रखरखाय के लिए एक गोदाम निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया है। खण्ड विकास अधिकारी मऊ को निर्देशित किया गया कि सामाग्री के रख-रखाव के लिए गोदाम के निर्माण की अद्यतन स्थिति से अवगत कराएं।

14 और 15 को होगी उप निरीक्षक की परीक्षा

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व चंद्रशेखर ने बताया कि पुलिस उप महानिरीक्षक, अपर सचिव भर्ती, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अनुसार उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती 2025 की लिखित परीक्षा 14 मार्च एवं 15 मार्च को विभिन्न जनपदों में आयोजित होगी। यह परीक्षा जनपद के 7 चयनित परीक्षा केन्द्रों पर प्रत्येक दिन दो पाली में होनी है। परीक्षा को सभी व्यवस्थाओं सहित शांतिपूर्ण ढंग से से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए भर्ती बोर्ड से प्राप्त निर्देश के अन्तर्गत कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने व कर्फ्यू लगे होने की स्थिति में परीक्षार्थियों के प्रवेशपत्र एवं परीक्षा केन्द्रों के परीक्षा से जुड़े स्टॉफ के ड्यूटी कार्ड को ही कर्फ्यू पास की मान्यता दिये जाने के आदेश पारित करने के निर्देश प्रदान किये गये हैं, जिससे परीक्षार्थी एवं स्टाफ को परीक्षा केन्द्र तक पहुँचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह भी उल्लेखनीय है कि अराजक तत्वों पर प्रभावी नियन्त्रण के लिए बी.एन.एस. की धारा-163 सी.आर.पी.सी. की धारा-144 इस जनपद में प्रभावी है।

दो करोड़ की बीमा राशि के लिए निर्दोष की जान लेने वाले की जमानत खारिज

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

दो करोड़ रुपये के बीमा धन को हासिल करने के लालच में निर्दोष व्यक्ति को जलाकर मारने के मामले में हत्यारोपी की जमानत सत्र न्यायाधीश शेषमणि ने खारिज कर दी है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि बीती 2 जुलाई 2025 को कंधवनियां गांव के निवासी गिरजाशरण सिंह ने राजापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वादी के अनुसार सोशल मीडिया के जरिए उन्हें जानकारी मिली थी कि सिकरी अमान गांव के पास एक कार पूरी तरह से जल गई है। जिसमें एक शव भी बरामद हुआ है। जली हुई गाड़ी उनके साले के नाम थी। जिसे उनके दामाद मध्य प्रदेश के रींवा जिले के कनपुरा निवासी सुनील सिंह चलाते थे। इस घटना के बाद उनकी बेटी हेमा सिंह ने बताया था कि सुनील सिंह अकेले कार लेकर सुल्तानपुर गए थे। जिसके बाद गाड़ी में बरामद मोबाइल के आधार पर शव की शिनाख्त परिजनों ने सुनील सिंह के रूप में की थी। हालांकि उन्होंने यह भी आशंका जाहिर की थी कि उनके दामाद सुनील सिंह की किन्ही अज्ञात लोगों द्वारा हत्या करके गाड़ी में आग लगाए जाने की भी संभावना है। जिसके बाद परिजनों ने सुनील सिंह को मृतक मानकर अंतिम संस्कार भी कर दिया था। पुलिस ने इस मामले की विवेचना शुरु की, जिसके बाद पूरा मामला बीमा धन के लालच में साजिश के तहत की गई हत्या का निकला। जांच में सामने आया की दो करोड़ रुपये के बीमा धन के लालच में सुनील सिंह ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर यह षड़यंत्र रचा था।

हीट वेव से बचाव के लिए डीएम ने जिले में लागू की एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस | बांदा

जनपद में हीट वेव को लेकर जिलाधिकारी जे0रिभा ने एडवाइजरी जारी की है।डीएम ने जनपद में हीट वेव एक्शन प्लान को जनपद में तत्काल लागू करने के निर्देश दिए है।आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान सम्भावित हीट वेव (लू) की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए राहत आयुक्त उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जनपद में एडवाइजरी जारी की गई।जिलाधिकारी ने जनपद में मार्च के प्रथम सप्ताह में ताप में यकायक बृद्धि को देखते हुए अपर जिलाधिकारी कुमार धर्मेन्द्र सहित जनपद के विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर हीट वेव से जन धन की क्षति को न्यूनतम लाने हेतु विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं।जिलाधिकारी ने जनपद में हीट वेव एक्शन प्लान को जनपद में तत्काल लागू करने के निर्देश दिए।कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से जनपद के समस्त उत्तरदायी विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए नगर पालिका परिषदों,नगर निकायों,पंचायतों के मध्य समन्वय स्थापित कर कार्य योजना तैयार की जाएगी।उन्होंने कहा कि हीट वेव के लक्षण होने पर तुरत अस्पताल जाएं।मेडिकल विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जिला अस्पताल,सीएचसी एवं पीएचसी में हीट स्टोक प्रभावित व्यक्तियों के लिए बेड चिन्हित किए जाएंगे।पर्याप्त मात्रा में ओआरएस,दवा,पेयजल,बर्फ एवं पर्याप्त प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की जाऐगी।एम्बुलेंस सेवाओं को सतर्क रखा जाए।चिकित्सा कर्मिकों को हीट वेव के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।डीएम ने सूचना विभाग,शिक्षा विभाग, एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से हीट वेव से बचाव एवं उपचारों का प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिए।सोशल मीडिया,फेसबुक, यू ट्यूब,ट्विटर,पोस्टर बैनर के माध्यम से जन जागरूकता की जाएगी।वहीं विद्यालय में छात्रों के माध्यम से एवं सार्वजनिक स्थलों में लू से बचाव सम्बन्धी सलाह दी जाएगी।नगर पालिका नगर पंचायतों, ग्राम पंचायतों द्वारा सार्बजनिक स्थलों,भीड भाड वाले स्थानों में पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए।स्थाई,छायादार स्थल या शेड की ब्यवस्था की जाए।इसके अलावा जलसंस्थान एवं जल निगम पेयजल की निरंतर निगरानी करेंगे।श्रम विभाग को निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों के कार्य समय में आवश्यकता अनुसार परिवर्तन किये जाने का जिम्मा सौंपा है।आमजन मानस से अपील करते हुए डीएम जे रीभा ने कहा अत्यधिक ताप में दोपहर में श्रम कार्य सीमित भीड किए जाएंगे।भीड भाड वाले स्थलों,चौराहों,आदि पर आवश्यकतानुसार निकायों से तथा गैर सरकारी संगठनों से प्याऊ वा प्रातः 9-00 से शायं 5-00 बजे तक प्रति दिन कोल्ड रूम की ब्यवस्था कराई जायेगी।जिला आपदा प्रबंधन समस्त जनपद वासियों को गर्मी, (हीट वेव) के प्रभाव से बचाने हेतु संकल्प बद्ध है।डा.प्रभाकर सिंह,जिला आपदा विशेषज्ञ ने जनमानस से अपील की है।कि जनपद में किसी भी आपदा पर मदद पाने हेतु हमारे आपदा कन्ट्रोल रूम पर काल कर मदद पा सकते हैं। जिसके नंबर-05102 285260 वा टोल फ्री न0-1077 है।

लखनऊ एक्सप्रेस
हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive
लखनऊ, बुधवार, 11 मार्च, 2026

चीन समेत पड़ोसी देशों के लिए एफडीआई...

केंद्र सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, चीन सहित भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक... पढ़ें पेज 12 पर...

व्यावसायिक गैस सिलिंडर की किल्लत से बाजार होगा बेजार, सड़क पर आ जाएंगे पटरी दुकानदार

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

राजधानी लखनऊ में घरेलू व व्यावसायिक गैस सिलिंडर के दाम में 115 रुपये तक की बढ़ोतरी के बाद सोमवार को व्यावसायिक सिलिंडर की आपूर्ति पर रोक लग गई है। सोमवार को जैसे ही लोगों को इसकी जानकारी हुई, नए सिलिंडर बुक कराने वालों की होड़ मच गई। जिला आपूर्ति अधिकारी ने दावा किया कि सोमवार को भी व्यावसायिक गैस सिलिंडर की आपूर्ति की गई है। दूसरी ओर, आपूर्ति रुकने के साथ ही मुनाफाखोर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने 1900 रुपये वाले व्यावसायिक सिलिंडर के लिए 3200 से 3500 रुपये का रेट तय कर दिया है। खानपान से जुड़े कारोबारियों के अनुसार, व्यावसायिक सिलिंडर की आपूर्ति रुकने से खानपान का बाजार बेहद खराब हालत में पहुंचना तय है। इसका असर बड़ी आबादी पर होगा। पटरी व्यवसायी हो या बड़े होटल, सभी पर बड़ा असर पड़ेगा।

आवक का संकट, आपूर्ति पर रोक नहीं

जिला आपूर्ति अधिकारी विजय प्रकाश ने बताया कि रीफिलिंग प्लांट से व्यावसायिक गैस सिलिंडर की आवक का संकट है, मगर आपूर्ति को रोका नहीं गया है। अब बुकिंग करने वालों को सख्त निगरानी के साथ सिलिंडर की आपूर्ति होगी। यदि कोई सिलिंडर का भंडारण करते पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। व्यावसायिक गैस सिलिंडर की आपूर्ति रोकने के आदेश की जानकारी के बाद कैटरर्स की नींद उड़ गई है। कैटरर रितिक जायसवाल ने बताया कि 15 मार्च तक सहालग होने के कारण उनके पेशे से जुड़े 500 से ज्यादा लोगों के पास खानपान के इंतजाम का बयाना है। 11 मार्च को सबसे बड़ी सहालग है, जिसमें करीब 2000 शादियां व पार्टियां हैं। जबकि 15 मार्च तक करीब 3000 पार्टियों के होने का अनुमान है। व्यावसायिक सिलिंडर न मिलने पर खानपान कैसे तैयार होगा, यह बड़ी समस्या है।

कारोबारियों के सामने अब तीन विकल्प

- व्यावसायिक सिलिंडर न मिलने पर अपना होटल, रेस्टोरेंट, खानपान की दुकान या ठेला-खोमचा बंद कर दें। इससे उन लोगों की रोजी-रोटी पर भी असर होगा, जो इन प्रतिष्ठानों में काम करते हैं।
- लगभग दोगुने दाम पर ब्लैक में सिलिंडर लेकर काम करें और खानपान की चीजों के दाम बढ़ा दें। इसका नुकसान ग्राहकों को खानपान की महंगी चीजों के रूप में उठाना पड़ेगा।
- कारोबारी चोरी-छिपे घरेलू सिलिंडर का इस्तेमाल कर अपना धंधा करते रहें, क्योंकि अभी घरेलू सिलिंडर की आपूर्ति पर रोक का आदेश नहीं है। इससे घरेलू सिलिंडर का संकट बढ़ सकता है। इससे घर-घर के लोग प्रभावित होंगे।

कच्चा माल हो जाएगा खराब

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के रेस्टोरेंट सेल के प्रभारी दिनेश शर्मा बताते हैं कि हमारी भूतनाथ मार्केट में मिठाई की दुकान है। रविवार तक सिलिंडर मिला था, लेकिन अब नहीं मिल पा रहा है। बहुत खींचकर दो दिन तक स्टॉक वाले सिलिंडर चल जाएंगे। उसके बाद सिलिंडर नहीं मिला तो कारखाने में रखा कच्चा माल भी खराब जाएगा। असली समस्या यह है कि किसी भी कीमत पर सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं।

कैटरिंग कारोबारियों के सामने साख बचाने की चुनौती

कैटरिंग कारोबार से जुड़े व्यापारी महेश शर्मा, जितेंद्र वर्मा, राजू चौधरी बताते हैं कि सहालग के समय में अप्रत्याशित रूप से बढ़ी सिलिंडरों की कीमत से उनके लिए बड़ा संकट पैदा हो गया है। क्योंकि, सारी बुकिंग पहले ही हो गई है। रेट भी तय हो गए हैं। 13 मार्च तक सहालग हैं। 1900 रुपये वाला सिलिंडर 3200-3500 रुपये में मिल रहा है। आपूर्ति थमने से हमने जो कैटरिंग बुक की है उसका क्या होगा? ग्राहक तो पैसा भी नहीं देगा।

छोटे कारोबारियों को लगेगा बड़ा झटका

टेंट कैटरिंग एंड डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कुमार बताते हैं कि अगर वह ब्लैक में सिलिंडर लेकर कैटरिंग का काम करते हैं तो उनका एक बुकिंग पर 15-20 हजार तक का नुकसान है। बड़े कैटरर्स को तो बहुत फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन छोटे कारोबारियों को बड़ा झटका लगेगा।

बुधवार को दुकान बंद करने की आएगी नौबत

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व इंदिरानगर में मिठाई की दुकान चलाने वाले अविनाश त्रिपाठी बताते हैं कि व्यावसायिक सिलिंडर रोज-रोज आते हैं। किसी के पास भी एक दिन से ज्यादा का स्टॉक नहीं होता है। अधिकतम मंगलवार तक काम चल सकता है, लेकिन उसके बाद दुकान बंद करने की नौबत होगी। बड़ी समस्या यह है कि शादी के सीजन में तमाम ऑर्डर लगे हैं, वह कैसे पूरे होंगे।

राज्य निर्यात पुरस्कार: चर्म उत्पाद श्रेणी में गुप्ता एच.सी. ओवरसीज़ को मिला प्रथम पुरस्कार

- लखनऊ में आयोजित समारोह में प्रदेश सरकार के उद्योग मंत्री नन्द गोपाल नंदी ने किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

राज्य निर्यात पुरस्कार योजना के अंतर्गत आयोजित समारोह में साल 2023-24 के लिए चर्म एवं चर्म उत्पाद श्रेणी में गुप्ता एच.सी. ओवरसीज़ को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समूह के प्रबंध निदेशक एवं एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने ग्रहण किया। इसी श्रेणी में साल 2024-25 के लिए नोवा शूज़ को भी सम्मानित किया गया, जबकि द्वितीय पुरस्कार आर.एन. बजाज ओवरसीज़, आगरा को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त आगरा की शर्मा आर्टिस्टिक स्टोन गैलरी को मार्बल एवं पत्थर के उत्पादों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार दिया गया। यह सम्मान समारोह लखनऊ स्थित होटल क्लार्क अवध में आयोजित किया गया, जहां प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग के मंत्री नन्द गोपाल नंदी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव अलोक कुमार, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स के डायरेक्टर जनरल एवं सीईओ डॉ. अजय सहाय तथा फियो उत्तर प्रदेश के प्रमुख आलोक श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े निर्यातकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

लखनऊ में नगर आयुक्त कार्यालय की कुर्की

कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई, जुर्माना राशि का नहीं किया था भुगतान

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

नगर निगम कार्यालय में शुक्रवार को नगर आयुक्त कार्यालय की कुर्की करने के लिए एक टीम पहुंची। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश के तहत की गई। कुर्की करने आए वकील ने बताया कि नगर निगम पर एक संस्था को काम आवंटित करने के विवाद में जुर्माना लगाया गया था। जुर्माने की राशि का भुगतान न होने के कारण कोर्ट ने अब नगर निगम की संपत्ति कुर्क करने का आदेश पारित किया है। कुर्की की यह कार्रवाई नगर निगम में वित्तीय मामलों की निगरानी और कोर्ट के आदेशों को लागू कराने के तहत की गई। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि कोर्ट के निर्देशों के अनुसार जुर्माने की राशि की वसूली की प्रक्रिया जारी है और संबंधित संपत्ति की कुर्की इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।

ग्रीन कारीडोर निर्माण मामला: हाईकोर्ट ने ला मार्टिनियर कालेज की जमीन पर कारवाई पर 13 तक लगाई रोक

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने ग्रीन कारीडोर निर्माण मामले में राजधानी के ला मार्टिनियर कालेज की जमीन पर एल डी ए को 13 मार्च तक कोई कारवाई करने पर रोक लगा दी है। मामला ला मार्टिनियर कालेज की जमीन को बिना उचित प्रक्रिया के अधिग्रहण करने के प्रयास के आरोपों से संबंधित है। कोर्ट ने इस मामले में जिलाधिकारी लखनऊ को मंगलवार को कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया था, जो अदालत में पेश हुए। कोर्ट ने डी एम से कालेज की जमीन को लेकर प्रक्रिया न अपनाने के संबंध में सख्त सवाल किए। राज्य सरकार के मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि कालेज में पड़ने वाली जमीन के चिन्हीकरण(डीमार्केशन) का जारी तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने इसके बाद, इसकी रिपोर्ट भी कोर्ट के समक्ष पेश करने की बात कही। उधर एल डी ए के अधिवक्ता रत्नेश चंद्रा भी पेश हुए। कोर्ट ने उनसे भी कई सवाल पूछे। याची कालेज की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जय दीप नारायण माथुर ने कालेज की जमीन पर राज्य सरकार और एल डी ए की कारवाई पर सख्त आपत्ति उठाई। कोर्ट ने पूर्व में जमीन की पैमाइश का आदेश दिया था, जिसका अनुपालन न होने पर यह निर्देश जारी किया गया। मामले की अगली सुनवाई 13 मार्च को होगी। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने मंगलवार को यह आदेश ला मार्टिनियर कॉलेज की याचिका पर दिया। याचिका में बताया गया है कि कोठी मार्टिन साहब, गणेशगंज स्टेशन स्थित कॉलेज की जमीनें हैं, जहां से ग्रीन कॉरिडोर प्रोजेक्ट के तहत सड़क और फ्लाईओवर का निर्माण करने की सरकारी योजना है। कॉलेज ने आरोप लगाया कि यह निर्माण संस्थान के मालिकाना हक वाली जमीनों पर किया जा रहा है, जबकि लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए), जिला प्रशासन या राज्य सरकार ने न तो संस्थान की सहमति ली है और न ही कोई अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू की है। याचिका पर सुनवाई करते हुए, हाईकोर्ट ने बीती 27 फरवरी को संबंधित जमीनों की पैमाइश का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार के अधिकारियों और संस्थान के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उप जिलाधिकारी, सदर पैमाइश कर रिपोर्ट न्यायालय को सौंपेंगे। 10 मार्च को मामले की सुनवाई के दौरान, संस्थान की ओर से एलडीए उपाध्यक्ष द्वारा मुख्य सचिव (जो लखनऊ ला मार्टिनियर चैरिटीज के पदेन वरिष्ठ ट्रस्टी भी हैं) को 27 फरवरी को भेजा गया एक पत्र प्रस्तुत किया गया। इस पत्र में संस्थान की जमीनों पर नौ पिलर के निर्माण के लिए सहमति मांगी गई थी। कालेज ने आरोप लगाया कि बिना प्रक्रिया का पालन किए उसकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। जब न्यायालय ने राज्य सरकार के अधिवक्ता से पैमाइश के संबंध में पूछा, तो उन्होंने बताया कि अभी तक पैमाइश की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है।इस पर कोर्ट ने जिलाधिकारी को आदेश दिया था कि वे खुद उपस्थित होकर आदेश का अनुपालन न करने पर स्पष्टीकरण दें।

शुरू होगी इको टूरिज्म वैन सेवा

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम यूपीएसटीडीसी जल्द ही पर्यटन को नई दिशा देने वाली अनूठी पहल शुरू करने जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए इको टूरिज्म वैन सेवा शुरू की जाएगी। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इस क्रम में पहले चरण में मथुरा, वाराणसी और लखनऊ में इस सेवा की शुरुआत होगी। इन शहरों के फीडबैक के आधार पर इको टूरिज्म वैन सेवा को राज्य के अन्य जिलों में भी विस्तारित किया जाएगा। यूपीएसटीडीसी की इको टूरिज्म वैन सेवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सतत पर्यटन की अवधारणा को साकार करेगी। इससे एक ओर पर्यटकों को अनोखा अनुभव मिलेगा, तो वहीं दूसरी ओर यह सेवा कार्बन फुटप्रिंट कम करने की दिशा में भी सार्थक कदम साबित होगी।यूपीएसटीडीसी पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इको टूरिज्म वैन सेवा की शुरुआत कर रहा है। यह पर्यटकों को सुविधा प्रदान करने के साथ पर्यटन यात्रा का अनोखा अनुभव भी प्रदान करेगी।

युद्ध ने रोकी हरी सब्जियों के निर्यात की राह, उड़ानें-समुद्री मार्ग बाधित, करीब 50 फीसदी कारोबार प्रभावित

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच युद्ध के कारण खाड़ी देशों को हरी सब्जियों का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उड़ानें और समुद्री मार्ग बाधित होने से परेशान निर्यातकों ने घरेलू बाजार में ही नए अवसर तलाशने शुरू कर दिए हैं। केचअप बनाने वाली कंपनियों को टमाटर व फ्रोजन मटर का काम करने वाली कंपनियों को हरी मटर बेची जा रही है। खाड़ी देश भारत से लौकी, हरी मिर्च, हरी मटर, परवल, भिंडी, टमाटर समेत कई सब्जियों का निर्यात करते हैं। सब्जियां पहले दुबई पहुंचाई जाती हैं, जहां से कतर, बहरीन और ओमान जैसे खाड़ी देशों में आपूर्ति होती है। राजधानी लखनऊ निवासी अकरम बेग बताते हैं कि आम तौर पर लौकी, हरी मिर्च, परवल, भिंडी और हरी मटर फ्लाइट से भेजी जाती हैं। टमाटर का निर्यात कंटेनर से होता है। इन दिनों कारोबारी निजी कंपनियों को टमाटर और हरी मटर बेच रहे हैं। टमाटर के दाम एक रुपये प्रति किलो तक कम हुए हैं। अकरम का कहना है कि युद्ध के कारण करीब 50 फीसदी कारोबार ही बचा है।

15 दिन बाद पहुंच रहा माल

लखनऊ, बाराबंकी और आसपास के जिलों से चिकनकारी, जरदोजी और शॉल जैसे हैंडीक्राफ्ट उत्पादों के निर्यात से जुड़े कारोबारी नितेश अग्रवाल बताते हैं कि 15 दिन से एयरलाइन कंपनियों के पास माल अटका है। ओमान भेजा गया शिपमेंट 13 दिन तक रास्ते में फंसा रहा। 15वें दिन खरीदार का फोन आया कि माल पहुंच गया है। दक्षिण अफ्रीका भेजा गया माल भी 15 दिन बाद तक नहीं पहुंच सका। कारोबारी भविष्य को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि एयरलाइन को माल सौंपते समय तय शर्तों के तहत देरी होने पर निर्यातक और खरीदार दोनों पर जुर्माने का जोखिम रहता है।

यमुना एक्सप्रेसवे मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिए भूमि सब्सिडी

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

योगी कैबिनेट ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस निर्माण इकाई स्थापित करने से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। टीआई मेडिकल्स प्रा लि को भूमि सब्सिडी प्रदान करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।कंपनी गौतमबुद्ध नगर स्थित यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी यीडा के मेडिकल डिवाइस पार्क क्षेत्र में 4.48 हेक्टेयर भूमि पर करीब 215.20 करोड़ रुपये के निवेश से चिकित्सा उपकरण निर्माण इकाई स्थापित करेगी। यह परियोजना उत्तर प्रदेश की एफडीआई, एफसीआई और फॉर्च्यून इंडिया-500 निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 के तहत प्रस्तावित है। कंपनी को अनुमन्य सब्सिडी के तहत 14.77 करोड़ रुपये की राशि प्रतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जाएगी। राशि केंद्र सरकार की मेडिकल डिवाइस पार्क योजना के अंतर्गत पहले से प्राप्त सब्सिडी को समायोजित करने के बाद दी जाएगी। निवेश से प्रदेश में मेडिकल डिवाइस निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उत्तर प्रदेश की एफडीआई, एफसीआई एवं फॉर्च्यून ग्लोबल 500,फॉर्च्यून इंडिया 500 निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 के तहत प्राधिकृत समिति की 5 जुलाई 2024 को हुई बैठक में परियोजना को मंजूरी दी गई थी और कंपनी को 22 जुलाई 2024 को पात्रता प्रमाणपत्र भी जारी किया गया।

व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोक, पांच लाख से ज्यादा आबादी के सामने पैदा होगा खाने का संकट

- राजधानी में बड़ी संख्या में बाहर से आने वाले और नौकरीपेशा लोग है
- 1800 विद्यार्थियों के भोजन पर भी कॉमर्शियल सिलिंडर की आपूर्ति पर रोक का असर पड़ सकता है
- सिलिंडर की आपूर्ति रुकने से खानपान से जुड़े लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट भी आ सकता है

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है। राजधानी लखनऊ में इसका सबसे ज्यादा असर स्ट्रीट फूड वेंडरों, छोटे रेस्टोरेंटों और ढाबा संचालकों पर पड़ेगा। इनके पास रिजर्व रखने के लिए सिलिंडरों की संख्या कम होती है। यहां एक-दो दिन में गैस खत्म हो सकती है। ऐसे में इन पर निर्भर करीब पांच लाख की आबादी के सामने खाने-पीने का संकट पैदा हो सकता है। राजधानी में बड़ी संख्या में बाहर से आने वाले और नौकरीपेशा लोग हैं। इनके अलावा 25 हजार से ज्यादा विद्यार्थी बाहर से आकर यहां रहते हैं। ये सभी स्ट्रीट फूड वेंडरों, छोटे रेस्टोरेंटों, ढाबा और टिफिन सर्विस पर निर्भर हैं। होटल, रेस्टोरेंट कारोबार से जुड़े चारबाग के अनिल विरमानी बताते हैं कि शहर में शौकिया तौर पर बड़े होटल-रेस्टोरेंट में खाने वालों की बात छोड़ भी दें तो बड़ी संख्या में मजदूरों, कामगारों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों के सामने खाने का संकट पैदा हो सकता है। सिलिंडर न मिलने से बड़ी आबादी के भोजन पर बुरा असर पड़ेगा। इसके अलावा व्याव्यायिक सिलिंडर की आपूर्ति रुकने से खानपान से जुड़े लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट भी आ सकता है।

लविवि के छात्रावासों की मेस में सात दिन का गैस रिजर्व

व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोके जाने का असर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रहने वाले दो हजार छात्र-छात्राओं पर पड़ने की आशंका है। इनके रोजाना के भोजन की व्यवस्था मेस पर निर्भर है। फिलहाल मेस में गैस का भंडार सीमित है और ज्यादा से ज्यादा सात दिन तक काम चल सकता है। लविवि के मुख्य परिसर और जानकीपुरम स्थित नए परिसर को मिलाकर कुल 18 छात्रावास हैं। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में युद्ध का गैस आपूर्ति पर इतना असर पड़ेगा, इसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। दोनों परिसरों के छात्रावासों में लगभग दो हजार छात्र-छात्राएं मेस में नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन करते हैं।

युद्ध लंबा खिंचा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

प्रो. अनूप कुमार ने बताया कि युद्ध खिंचा और गैस आपूर्ति चालू नहीं की गई तो मेस संचालन में दिक्कतें बढ़ सकती हैं। हालांकि, विद्यार्थियों को भूखा नहीं रहने दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अन्य व्यवस्था की जाएगी।

यहां भी 1800 विद्यार्थियों के खाने पर संकट के बादल

गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विवि, अटल आवासीय विद्यालय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के छात्रावासों में रहने वाले करीब 1800 विद्यार्थियों के भोजन पर भी कॉमर्शियल सिलिंडर की आपूर्ति पर रोक का असर पड़ सकता है। ये सभी छात्र-छात्राएं खाने के लिए परिसर की मेस पर ही निर्भर है। केंद्रीय संस्कृत विवि के निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा ने बताया कि छात्रावास में रोजाना करीब 10 सिलिंडर की खपत है। सोमवार को केवल तीन सिलिंडर ही मिल पाए। अटल आवासीय विद्यालय के प्रधानाचार्य सुखवीर सिंह ने बताया कि टेंडर के जरिये विद्यार्थियों को खाना मिलता है। व्यावसायिक सिलिंडर पर रोक का इनके खाने पर प्रभाव पड़ सकता है। कस्तूरबा विद्यालय के प्रबंधन के अनुसार सोमवार को सिलिंडर नहीं मिला। अगली तारीख पर सिलिंडर देने की बात कही गई है।

बीबीएयू-पुनर्वास विवि में 12 दिन तक नहीं होगी किल्लत

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय और डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की कैंटीन व छात्रावासों की मेस में 12 दिन तक सिलिंडर का इंतजाम है। बीबीएयू के प्रवक्ता डॉ. रचना गंगवार ने बताया कि ठेकेदारों की ओर से यह व्यवस्था की जाती है। पुनर्वास विवि के प्रवक्ता डॉ. यशवंत वीरोदय ने कहा कि कैंटीन संचालकों से गैस संकट पर बात की तो उन्होंने बताया कि अभी कोई दिक्कत नहीं है। युद्ध लंबा खिंचा तो परेशानी आएगी।

आईजीआरएस की फरवरी की रिपोर्ट में रामपुर ने मारी बाजी

- शाहजहांपुर और बाराबंकी को दूसरा, जालौन को तीसरा स्थान

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पिछले नौ वर्षों से समग्र विकास की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी के सपनों को साकार करने में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली आईजीआरएस अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। आईजीआरएस से जनसुनवाई, जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्व कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है, जिससे जिलों को बेहतर प्रशासनिक मानक स्थापित करने में मदद मिल रही है। आईजीआरएस की फरवरी की रिपोर्ट में प्रदेशभर में रामपुर ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि शाहजहांपुर और बाराबंकी ने बराबर अंक प्राप्त कर दूसरा तो जालौन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। आईजीआरएस हर माह जिलों के राजस्व कार्यों, विकास कार्यों और जन शिकायत की सुनवाई की रिपोर्ट जारी करता है। आईजीआरएस प्रदेशभर के जिलों में 49 विभागों के 109 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों के आधार पर समीक्षा करता है। इसके बाद जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। आईजीआरएस की फरवरी की रिपोर्ट के अनुसार रामपुर ने मानक पूर्णांक 140 में पूरे 140 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि आईजीआरएस की रिपोर्ट उन जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों और राजस्व प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप रामपुर में विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। यही वजह है कि रामपुर ने आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड की रिपोर्ट में पहला स्थान प्राप्त किया है। शाहजहांपुर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिले में विकास परियोजनाओं के गुणवत्तापूर्ण और तय समय सीमा में पूरा करने के लिए हर हफ्ते अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की जाती है। शाहजहांपुर पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप आगे भी लगातार प्रयास रहेगा कि आम जनमानस की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। शाहजहांपुर ने 137 अंक, बाराबंकी ने भी 137 अंक हासिल कर दूसरा, जालौन ने 136 अंक प्राप्त कर तीसरा और बरेली के साथ श्रावस्ती और हाथरस ने बराबर-बराबर 135 अंक हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया है। बलिया, आजमगढ़, भदोही बराबर-बराबर 134 अंक हासिल कर पांचवें पायदान पर हैं। टॉप टेन जिलों में अंबेडकरनगर, प्रयागराज, कन्नौज, पीलीभीत और हमीरपुर ने जगह बनाई है।

नए शहरों के विकास को रफ्तार, 8 शहरों को पहले चरण के लिए 425 करोड़

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। योगी कैबिनेट ने मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण,नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदेश के आठ शहरों के विकास के लिए 425 करोड़ रूपये कीधनराशि स्वीकृत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य तेजी से बढ़ रही शहरी आबादी को ध्यान में रखते हुए नए शहरों का सुनियोजित और सुव्यवस्थित विकास करना तथा लोगों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बरेली, वाराणसी, उरई, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, गाजीपुर और मऊ में नए शहरों के समग्र विकास के लिए सीड कैपिटल के रूप में यह धनराशि जारी की जाएगी। योजना के तहत भूमि अर्जन में आने वाले खर्च का अधिकतम 50 प्रतिशत तक राज्य सरकार सीड कैपिटल के रूप में उपलब्ध कराती है, जिसे अधिकतम 20 वर्ष की अवधि के लिए दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के लिए कुल 3000 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसमें से पहले चरण में 425 करोड़ रूपये जारी किए जाएंगे।

आज होगा 308 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह

जन एक्सप्रेस । अमेठी

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जनपद में मंगलवार को सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा।यह कार्यक्रम राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई गौरीगंज के पीछे स्थित मैदान में सम्पन्न होगा।इस आयोजन को लेकर जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग की ओर से व्यापक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।जिला समाज कल्याण अधिकारी शेर बहादुर ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार इस समारोह में जनपद के विभिन्न विकास खंडों और नगर क्षेत्रों से आए कुल 308 पात्र जोड़े पूर्ण विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ वैवाहिक बंधन में बंधेंगे।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानजनक ढंग से सम्पन्न कराना तथा समाज में सामूहिकता और समानता की भावना को बढ़ावा देना है।उन्होंने बताया कि समारोह में शामिल होने वाले सभी पात्र जोड़ों का बायोमैट्रिक ऑथेंटिकेशन सुबह सात बजे से निर्धारित स्थल पर किया जाएगा।इसके बाद विधिवत कार्यक्रम की शुरुआत होगी।और वैदिक मंत्रोच्चार तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह सम्पन्न कराए जाएंगे।आयोजन स्थल पर जोड़ों और उनके परिजनों के लिए बैठने,भोजन,पेयजल तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों की टीमें तैनात की गई हैं। सुरक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं और यातायात व्यवस्था को भी ध्यान में रखते हुए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।जिला समाज कल्याण अधिकारी ने सभी चयनित जोड़ों से अपील की है,कि वे समय से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर बायोमैट्रिक प्रक्रिया पूर्ण कराएं, ताकि समारोह को सुचारु रूप से सम्पन्न कराया जा सके।

नीलगाय से टकराई बाइक,दो युवक घायल ;एक को एम्स रायबरेली रेफर

अमेठी। जनपद के तिलोई तहसील क्षेत्र में बीती रात गौरा गांव के निकट एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।बताया जा रहा है,कि दोनों युवक बहेलिया का पुरवा बारात से लौटकर अपने घर जा रहे थे, तभी रास्ते में अचानक सामने आई नीलगाय से उनकी बाइक टकरा गई।घटना बीती रात करीब एक बजे तिलोई-सेमरौता मार्ग के गौरा गांव के पास हुई।अचानक सड़क पर आई नीलगाय से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई,जिससे बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए।हादसे के बाद आसपास मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को तुरंत तिलोई स्थित 200 बेड अस्पताल पहुंचाया।अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया।चिकित्सकों के अनुसार एक युवक को हल्की चोटें आई थीं,इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया।वहीं दूसरे युवक की हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए एम्स रायबरेली रेफर कर दिया गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि तिलोई-सेमरौता मार्ग पर अक्सर नीलगाय और अन्य जंगली जानवर अचानक सड़क पर आ जाते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है,ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

नलकूप की दीवार से टकराई तेज रफ्तार बाइक, इकलौते सहारे की बुझ गई जिंदगी

जन एक्सप्रेस । सिंहपुर,अमेठी

शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के फूला- जुगराजपुर मार्ग पर सोमवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने नलकूप ट्यूबवेल भवन की दीवार से जा टकराई, जिससे यह भीषण हादसा हुआ।जानकारी के अनुसार, फूला गांव निवासी अनूप उर्फ गौरव 25 वर्ष सोमवार शाम अपने साथी अमन के साथ बाइक से घर लौट रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गांव के पास पहुंचते ही बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सीधे सड़क किनारे बने नलकूप की दीवार से जा भिड़ी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर दौड़े और दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा। हालांकि,अनूप की चोटें इतनी गंभीर थीं कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं घायल अमन का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है, जहां डॉक्टर उसकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं।इकलौते सहारे की मौत से गांव में मातम पसरा है।मृतक अनूप के जीवन की कहानी बेहद मार्मिक है।परिजनों के अनुसार उसके माता-पिता का साया पहले ही सिर से उठ चुका था।और वह परिवार का इकलौता सहारा था।उसकी असमय मौत की खबर मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई।और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

घटना के संबंध में थानाध्यक्ष दयाशंकर मिश्र ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी।प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ना हादसे की वजह माना जा रहा है।फिलहाल परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है,लेकिन पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पांच साल से झुका ट्रांसफार्मर का खंभा,बड़े हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन

जन एक्सप्रेस । तिलोई,अमेठी

तिलोई तहसील क्षेत्र में लापरवाही की एक खतरनाक तस्वीर सामने आई है। टिकरी के गदुआपुर के पास सेमरौता-हैदरगढ़ मार्ग पर सड़क किनारे लगा बिजली का ट्रांसफार्मर और उसका खंभा पिछले करीब पांच वर्षों से झुकी हुई हालत में खड़ा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक इसे ठीक कराने की जहमत नहीं उठा सका। यह खंभा किसी भी समय गिरकर बड़े हादसे को न्योता दे सकता है, फिर भी संबंधित विभाग आंखें मूंदे बैठा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों वाहन और ग्रामीणों की आवाजाही होती है। सड़क के बिल्कुल किनारे खड़ा यह झुका हुआ ट्रांसफार्मर और खंभा हर गुजरने वाले के लिए खतरे की घंटी बन चुका है। कई बार ग्रामीणों ने बिजली विभाग को इसकी जानकारी दी, लेकिन हर बार शिकायत को नजरअंदाज कर दिया गया।ग्रामीणों का आरोप है कि अगर किसी दिन यह खंभा अचानक गिर गया तो न सिर्फ बिजली आपूर्ति बाधित होगी, बल्कि किसी बड़े सड़क हादसे की आशंका भी बनी हुई है। खासकर रात के समय यह खतरा और बढ़ जाता है, जब वाहन चालक अंधेरे में इस झुके हुए खंभे को समय पर देख नहीं पाते।लोगों का कहना है कि पांच वर्षों से यह खंभा इसी तरह झुका हुआ खड़ा है, मानो किसी अनहोनी का इंतजार कर रहा हो। ग्रामीणों में इस बात को लेकर रोष है कि बार-बार शिकायत के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग और प्रशासन से मांग की है कि सेमरौता-हैदरगढ़ मार्ग पर टिकरी के गदुआपुर के पास लगे इस खतरनाक ट्रांसफार्मर और खंभे को तत्काल ठीक कराया जाए,ताकि किसी संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी।

नि :शुल्क दिव्यांग सहायतार्थ शिविर का आयोजन

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर द्वारा दिव्यांगजनों हेतु तीन दिवसीय निःशुल्क दिव्यांग सहायतार्थ शिविर का आयोजन दिनांक 14, 15 व 16 मार्च 2026 दिन व समय शनिवार, रविवार व सोमवार को प्रातः 09ः00 बजे से सायं 05ः00 बजे तक स्थान मदर टेरेसा इण्टर कालेज, जवाहर विहार रायबरेली में किया जाएगा।

उक्त शिविर में कृत्रिम पैर, हाथ, कैलीपर, ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, कान की मशीन, छड़ी व बैशाखी का वितरण किया जाएगा, सभी जरुरतमंद, पात्र दिव्यांगजनों को अपने साथ आधार कार्ड, विकलांग प्रमाण-पत्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रदत्त और आय प्रमाण पत्र की मूल प्रति के साथ एक-एक छायाप्रति लाना आवश्यक है, सभी जरुरतमंद, पात्र दिव्यांगजन उक्त कार्यक्रम में पहुंचकर लाभ प्राप्त कर सकते है।

एसपी कार्यालय पर किसानों का धरना, हत्या मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जनपद में कथित हत्या के एक मामले को लेकर मंगलवार को किसानों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतना शुक्ला की मौत के मामले में नामजद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ समय के लिए किसानों और पुलिस के बीच नोकझोंक की स्थिति भी बन गई। हालांकि बाद में अधिकारियों के समझाने पर मामला शांत हो गया।जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले चेतना शुक्ला की वाशिंग मशीन में करंट आने से मौत हो गई थी।मायके पक्ष ने इसे हादसा न मानते हुए ससुराल पक्ष के चार लोगों पर करंट लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया था।पुलिस ने मामले की जांच के बाद मृतका के पति उमाकांत शुक्ला को मुख्य आरोपी मानते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है,जबकि अन्य तीन आरोपियों के संबंध में जांच जारी है।धरने के दौरान मौजूद अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने प्रदर्शन कर रहे किसानों से कहा कि पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही है। और बिना पर्याप्त साक्ष्य के किसी को भी दबाव में आकर गिरफ्तार नहीं किया जा सकता।उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।वहीं थाना प्रभारी अरुण कुमार मिश्रा भी मौके पर मौजूद रहे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास करते रहे।इसी बीच भारतीय किसान यूनियन भानू ने भी जिले में अवैध कटान,अवैध खनन और नशीली दवाओं के कारोबार के विरोध में आवाज उठाई।संगठन के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ मिश्र ने डीएम को ज्ञापन सौंपते हुए इन अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की।उन्होंने आरोप लगाया कि अट्ठाइस फरवरी को भी इस संबंध में ज्ञापन दिया गया था।लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

मृतका चेतना शुक्ला की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है।उनकी शादी वर्ष 2014 में उमाकांत शुक्ला से हुई थी।और उनका एक छह वर्षीय बेटा भी है। परिजनों का आरोप है कि पति के एक शिक्षामित्र महिला से संबंध थे, जिसका चेतना ने विरोध किया था। इसके बाद कथित रूप से बिजली का करंट देकर उसकी हत्या कर दी गई।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के दूसरे दिन चला स्वच्छता अभियान

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के एमएलके पीजी कालेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया ।

जानकारी के अनुसार 10 मार्च को प्राचार्य प्रो जनार्दन प्रसाद पाण्डेय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के सरोजनी नायडू इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रमेश शुक्ल तथा कल्पना चावला इकाई के पदाधिकारी डॉ अनामिका सिंह के संयोजकत्व में प्राथमिक विद्यालय (बिजलीपुर प्रथम में) 09 मार्च से चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन प्रथम सत्र में बिजलीपुर मंदिर परिसर, बिजलीपुर गाँव, धर्मपुर, लपटेनपुरवा गांवों की साफ- सफाई की गई तथा स्वच्छता रैली निकालकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया । कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा स्वयं सेविकाओं को स्वच्छता के प्रति तथा महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलने की शपथ दिलाई गई । शिविर के द्वितीय सत्र में स्वच्छता का हमारे जीवन मे महत्व नामक शीर्षक पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के पूर्व डीन फैसिलिटी ऑफ एजुकेशन प्रोफेसर ए के सिंह रहे । विशिष्ट अतिथि के रूप मे डॉ ए के दीक्षित, डॉ डी के तिवारी, अखिलेश्वर तिवारी तथा वेद प्रकाश मिश्रा रहे ।कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंगलाचरण , दीप प्रज्वलन तथा मा सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। सरस्वती वंदना मानसी तथा स्नेहा ने प्रस्तुत किया । स्वागत गीत रिया तथा रोशनी ने प्रस्तुत किया । लक्ष्य गीत काजल यादव तथा खुशी शुक्ला ने प्रस्तुत किया, वहीं रिपोर्ट काजल यादव ने प्रस्तुत किया। भाषण प्रतियोगिता में बीएससी द्वितीय वर्ष की काजल यादव को प्रथम स्थान, बीएससी द्वितीय वर्ष की ही खुशी शुक्ला को द्वितीय स्थान तथा बीएससी तृतीय वर्ष की प्रियांशी शुक्ला व बीएससी द्वितीय वर्ष की सलोनी विश्वकर्मा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्रदान किया गया । कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रमेश कुमार शुक्ल ने मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों का परंपरागत ढंग से स्वागत किया । डॉ शुक्ला ने स्वयंसेवक तथा स्वयं सेविकाओं से कहा कि वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के परोपकार की भावना एवं जनहित के पथ पर आगे बढ़ें । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिलेश्वर तिवारी ने छात्र छात्राओं से अपने कार्य के प्रति जागरूक एवं सजक रहने के लिए सलाह दी । उन्होंने बताया कि स्वच्छता एवं अहिंसा हमारी संस्कृति का एक अंग है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ ए के दीक्षित तथा डॉ डी के तिवारी ने छात्र छात्राओं को समय प्रबन्धन के बारे में टिप्स दिए । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर ए के सिंह ने छात्र छात्राओं को धर्म, राष्ट्र एवं गुरु के महत्व को बताते हुए राष्ट्र सर्वोपरि के मंत्र को जीवन में धारण करने की प्रेरणा दी । उन्होंने बताया कि हमें हमेशा अपने सोच को किसी भी परिस्थिति में सकारात्मक रखना चाहिए। कार्यक्रम के तृतीय सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना का हमारे जीवन मे महत्व नामक विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

नालियों की सफाई न होने से ग्रामीणों को परेशानी

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

रायबरेली जिले के डीह क्षेत्र के मऊ गांव और पूरे कल्लू के पुरवा में सड़कों के किनारे नालियों के अभाव में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान सरिता पासी ने इस संबंध में बताया कि बरसात से पहले नालियों का निर्माण करा दिया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। प्रधान के इस आश्वासन पर ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त किया। रमेश, सोनू, शिव शंकर, घनश्याम, फिरोज, सलमान, सुरेश और राकेश सहित कई स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया। ग्रामीणों का कहना है कि नालियां न होने के कारण घरों का गंदा पानी सड़कों पर जमा हो जाता है, जिससे न केवल गंदगी फैलती है बल्कि बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

रायबरेली में बैनामा लेखक का शव पेड़ से लटका मिला परिजनों हत्या की आशंका जताई, पुलिस ने शुरू की जांच

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

रायबरेली के गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक बैनामा लेखक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए गहन जांच की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के पूरे कोइली मजरे बास निवासी बैनामा लेखक रंजन लोधी के पुत्र राजू उर्फ राघवेंद्र लोधी सोमवार रात करीब 9 बजे रायबरेली से अपने घर के लिए निकले थे। हालांकि, वह अपने पैतृक निवास तक नहीं पहुंच सके। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे गांव के लोगों ने गांव के किनारे एक चिलवल के पेड़ पर रस्सी के फंदे से लटका हुआ युवक का शव देखा। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही गुरबक्शगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों में गहरा शोक है। मृतक के परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए थाने में तहरीर दी है।मृतक के परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए थाने में तहरीर दी है। उन्होंने पुलिस से मामले की गहन जांच करने की मांग की। गुरबक्शगंज थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

ब्लॉक गेट पर 'पावर वॉर'! बैठक के बीच भिड़े नेता, गरमाया माहौल

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

रायबरेली के ऊंचाहार ब्लॉक परिसर में कार्य योजना की बैठक उस वक्त हंगामे में बदल गई, जब कुछ क्षेत्र पंचायत सदस्यों को गेट पर रोकने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। बताया जाता है कि मनीष कौशल गेट पर खड़े होकर कुछ सदस्यों को अंदर जाने से रोक रहे थे, जिस पर ब्लॉक प्रमुख के पुत्र अंकित मौर्य ने कड़ा विरोध जताया। विरोध बढ़ते ही दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक और कहासुनी शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस दौरान गाली-गलौज भी हुई, जिससे माहौल और ज्यादा गरमा गया। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के पहुंचने पर मामला शांत हुआ, हालांकि घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

रायबरेली में चोरी की साइकिल, सरिया बरामद एक चोर गिरफ्तार, मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

रायबरेली के मिलएरिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने चोरी की एक साइकिल और लगभग 50 किलोग्राम लोहे की सरिया बरामद की है। इस मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की। पुलिस के अनुसार, गणेशनगर निवासी दीपेंद्र कुमार सिंह ने 7 मार्च 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनके परिवार के घर से बाहर होने पर किसी अज्ञात चोर ने साइकिल और लोहे की सरिया चोरी कर ली थी। इस संबंध में मिलएरिया थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा संख्या 0078/2026, धारा 305 बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देश पर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, 9 मार्च 2026 की देर शाम मिलएरिया पुलिस टीम ने सारस ओवरब्रिज के पास से इरफान उर्फ जेबू पुत्र मोहम्मद उमर को गिरफ्तार किया। इरफान कहारों का अड्डा, कोतवाली नगर, रायबरेली का निवासी है।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त इरफान ने स्वीकार किया कि उसने 7 मार्च 2026 की रात को गणेशनगर स्थित एक घर के बाहर से साइकिल और लगभग 50 किलोग्राम लोहे की सरिया चोरी की थी। उसने बताया कि उसने कुछ सरिया एक कबाड़ी को 800 रुपये में बेच दी थी, जिसमें से 600 रुपये खर्च हो चुके थे।

पुलिस ने इरफान के पास से चोरी के 200 रुपये बरामद किए हैं। उसने यह भी बताया कि शेष बची हुई सरिया और साइकिल उसने रेलवे पटरी के पास छिपाकर रखी थी। पुलिस ने उसे तब पकड़ा जब वह यह सामान लेने के बाद घर ले जा रहा था। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317 (2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। अभियुक्त के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बीसीएम ने किया वर्तमान पेराई सत्र में 3 मार्च तक का गन्ना मूल्य भुगतान

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर की बलरामपुर चीनी मिल्स लि0 ईकाई बलरामपुर द्वारा नये पेराई सत्र 2025-2026 का 26 फरवरी 2026 से 3 मार्च 2026 तक (6 दिन) खरीदे गये गन्ने का गन्ना मूल्य भुगतान 3044.08 लाख रूपये आज दिनांक 10 मार्च 2026 को गन्ना किसानों के बैंक खातों में भेज दिया गया है । चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष केके बाजपेई ने 10 मार्च को बताया कि बलरामपुर चीनी मिल्स लि0, ईकाई बलरामपुर किसानों की खुशहाली के लिये सदैव प्रतिबद्ध है । उन्होंने बताया कि वर्तमान पेराई सत्र 2025 26 में 03 मार्च 2026 तक खरीदे गए गन्ना मूल्य का भुगतान 3044.08 लाख रुपए किसानों के बैंक खातों में भेज दिया गया है । उन्होंने कहा कि गन्ना मूल्य भुगतान में हमारी चीनी मिल गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रदेश में अग्रणी रहेगी । उन्होंने गन्ना किसानों से अच्छी पेड़ी के खेतों में को0-15023, को0-0118 एवं को0लख0-14201 प्रजाति की द्वितीय पेड़ी अवश्य रखे, जिससे आपको कम लागत में अच्छी फसल व पैदावार प्राप्त हो । उन्होंने आशा व्यक्त किया कि वह चीनी मिल को साफ-सुथरा, जड़-पत्ती, अगोला रहित एवं ताजा गन्ना ही आपूर्ति करें तथा अपनी पर्ची की बैधता तिथि में ही गन्ना आपूर्ति कर अपने बेसिक कोटा में वृद्धि करें।

मनरेगा में फर्जीवाड़े का आरोप, कौर तालाब खुदाई में मास्टर रोल पर दर्ज मजदूरों पर उठे सवाल

एक ही फोटो को अलग-अलग मस्टर रोल पर अपलोड किए जाने का मामला, जांच टीम गठित

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकरनगर

जनपद के अकबरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत नसीरपुर कैथी में मनरेगा योजना के तहत कराए जा रहे कार्यों में अनियमितता और फर्जीवाड़े के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कौर तालाब की खुदाई के कार्य में फर्जी मजदूरों के नाम दर्ज कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। मामले में ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव की मिलीभगत होने की भी चर्चा है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत नसीरपुर कैथी में 18 फरवरी से मनरेगा योजना के अंतर्गत कौर तालाब की खुदाई का कार्य शुरू कराया गया। मनरेगा पोर्टल पर पांच मास्टर रोल में कुल 42 मजदूरों को कार्यरत दर्शाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पोर्टल पर मजदूरों की एक ही फोटो को कई बार अलग-अलग मस्टर रोल संख्या पर अपलोड किया गया है, जिससे कार्य की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक मास्टर रोल में जिन मजदूरों के नाम दर्ज हैं, उनमें से कई लोग वास्तव में तालाब खुदाई के कार्य में शामिल ही नहीं हुए। आरोप है कि कुछ लोग दूसरे राज्यों में नौकरी करते हैं, जबकि कुछ लोग गांव में अन्य कार्यों में लगे हुए हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि मास्टर रोल में दर्ज बृजेश वर्मा दूसरे राज्य में नौकरी करते हैं, जबकि मुंशी रजा के परिजन बाहर रहकर नौकरी करते हैं और उनका मनरेगा कार्य से कोई संबंध नहीं है। इसके बावजूद उनके नाम मजदूरों की सूची में दर्ज किए जाने की बात सामने आई है। इसी तरह विनोद कुमार, जो ऑटो चालक बताए जाते हैं, शिवकुमार जो दूसरे राज्य में नौकरी करते हैं तथा हौशीला प्रसाद, जो चलने-फिरने में असमर्थ बताए जाते हैं, उनके नाम भी मजदूरों की सूची में दर्ज किए जाने का आरोप है।

इसके अलावा राजू, जो मुंबई में नौकरी करते हैं, शिवकुमार जो ट्रक पर काम करते हैं, फूलचंद जो शहजादपुर स्थित आरा मशीन पर लकड़ी काटने का कार्य करते हैं तथा सुरेश कुमार, जो पेशे से राजमिस्त्री हैं और प्रतिदिन बाहर काम करने जाते हैं, उनके नाम भी मास्टर रोल में दर्ज होने की बात ग्रामीणों ने कही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा अपने चहेते लोगों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मनमाने तरीके से मास्टर रोल में नाम दर्ज कर मजदूरी का भुगतान कराया गया है। इससे मनरेगा योजना की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाती है तो मनरेगा कार्य में हुए फर्जीवाड़े की सच्चाई सामने आ सकती है।

इस संबंध में अकबरपुर खंड विकास अधिकारी राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने बताया कि मनरेगा में एक ही फोटो को अलग-अलग मास्टर रोल में अपलोड किए जाने का मामला संज्ञान में आया है। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी गई है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मुझसे शादी करोगी... घुटनों पर बैठ एल्विश यादव ने

जिया शंकर

को शादी के लिए किया प्रपोज, वायरल हुआ वीडियो

सोशल मीडिया की दुनिया में अक्सर कुछ ऐसे पल सामने आ जाते हैं जो देखते ही देखते वायरल हो जाते हैं. इन दिनों भी एक ऐसा ही वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है, जिसमें एल्विश यादव और जिया शंकर का रोमांटिक अंदाज लोगों का ध्यान खींच रहा है. इस वीडियो में एल्विश यादव घुटनों के बल बैठकर जिया शंकर को प्रपोज करते नजर आ रहे हैं, जिसके बाद जिया का जवाब सुनकर फैंस भी हैरान रह गए.एल्विश यादव और जिया शंकर कुछ वक्त पहले तक रिश्ते में होने को लेकर चर्चा में थे, लेकिन बाद में क्लियर हुआ कि ये सभी अफवाह एक शो के लिए थी. लेकिन, अब एक बार फिर से दोनों को लेकर चर्चा होने लगी है, जिसकी वजह उनका वायरल हो रहा वीडियो है. दरअसल, ये वीडियो डेटिंग रियलिटी शो एंगेज्ड सीजन 2 के दूसरे सीजन का है, जिसे एल्विश यादव और जिया शंकर होस्ट कर रहे हैं. हाल ही में सामने आए एक क्लिप में एल्विश ने जिया को शादी के लिए प्रपोज किया है.

शादी के लिए किया प्रपोज

वीडियो में एल्विश लाल गुलाब लेकर जिया के सामने घुटनों पर बैठ जाते हैं और उनसे पूछते हैं, 'क्या तुम मुझसे शादी करोगी'? ये पल देखते ही शो में मौजूद लोग भी हैरान रह जाते हैं. सबसे दिलचस्प बात तब होती है जब जिया शंकर मुस्कुराते हुए जवाब देती हैं, 'आई लव यू और मैं तुमसे शादी करूंगी'. उनका यह जवाब सुनते ही वहां मौजूद लोग तालियां बजाने लगते हैं, जबकि सोशल मीडिया पर भी इस वीडियो ने तेजी से लोगों का ध्यान खींच लिया. कई फैंस इसे बेहद क्यूट मोमेंट बता रहे हैं, तो कुछ लोग इसे शो का मजेदार ट्विस्ट मान रहे हैं.

क्या है इसकी सच्चाई ?

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं. कुछ यूजर्स को लगा कि शायद एल्विश यादव और जिया शंकर सच में रिलेशनशिप में हैं और यह प्रपोजल असली है. वहीं कई लोगों का मानना है कि यह सब शो के कॉन्सेप्ट का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि डेटिंग रियलिटी शो में अक्सर ऐसे रोमांटिक या ड्रामेटिक मोमेंट्स देखने को मिलते हैं. दिलचस्प बात यह भी है कि जिया शंकर पहले एक इंटरव्यू में बता चुकी हैं कि उनकी पर्सनल लाइफ में कोई खास है.

दीपिका पादुकोण

के सपोर्ट में करीना कपूर और अनन्या पांडे, 8 घंटे शिफ्ट वाले बयान पर कही ये बात

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक दीपिका पादुकोण ने हाल ही में एक ऐसा बयान दे डाला, जिसने काफी सुर्खियां बटोरीं. दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे वर्क शिफ्ट को लेकर ऐसी बात कह दी, जिससे पूरी फिल्म इंस्ट्री में हलचल मच गई. कुछ सितारे दीपिका के इस बयान के सपोर्ट में बोलते हुए नजर आए, तो कुछ सेलेब्स ने इसे गलत भी बताया. इसी बीच अब करीना कपूर खान और अनन्या पांडे ने दीपिका पादुकोण के इस बयान का सपोर्ट किया है. करीना और अनन्या ने दीपिका के 8 घंटे वर्क शिफ्ट वाले बयान का समरर्थन करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है.

दीपिका के सपोर्ट में करीना-अनन्या

दीपिका पादुकोण ने कुछ वक्त पहले एक्टर्स की 8 घंटे की वर्क शिफ्ट को लेकर बात रखी, जिसने बॉलीवुड में एक नई बहस छेड़ दी. ये मामला तब सुर्खियों में आया जब एक्ट्रेस ने संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 ए़डी' के सीक्वल के लिए 8 घंटे काम करने की मांग रखी. इस पूरे विवाद के बीच अब करीना कपूर खान और अनन्या पांडे ने दीपिका की मांग का बचाव करते हुए कहा है कि फिल्म शुरू होने से पहले प्रोड्यूसर्स से बात करना ठीक है.

करीना कपूर ने क्या कहा ?

एक हालिया बातचीत के दौरान करीना कपूर ने दीपिका के बयान पर कहा, मुझे लगता है कि अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे हैं और एक औरत होने के नाते, अगर आप वो टाइम नहीं देना चाहतीं, तो आपको ये कहने में काबिल होना चाहिए कि मुझे ये चाहिए. मैं इतने घंटे काम कर सकती हूं. मुझे लगता है कि फिल्म शुरू होने से पहले अपनी बात रखना बिल्कुल ठीक है. आपको ईमानदार होना होगा. बेशक, कुछ दिन गड़बड़ हो सकती है क्योंकि ऐसा कोई तरीका नहीं है कि कुछ दिन कुछ गलत न हो. आपको वो खुलापन रखना होगा. कुछ प्लान के मुताबिक नहीं हो सकता. इसलिए इतनी फ्लेक्सिबिलिटी होनी चाहिए, नहीं तो ये बहुत मुश्किल है.

क्या बोलीं अनन्या पांडे ?

अनन्या पांडे ने भी दीपिका का बचाव करते हुए कहा, मैंने दीपिका के साथ काम किया है और मां बनने से पहले ऐसा कुछ नहीं था. वो काम कर रही थीं, वर्कशॉप के लिए आ रही थीं, कोई शिकायत नहीं थी और कुछ भी नहीं मांग रही थीं. अब वो एक मां हैं, उन्हें अपने बच्चे के विकास के पहले दो सालों में उसके साथ रहने के लिए यही चाहिए. मुझे लगता है कि बैलेंस बनाने के लिए अपने प्रोड्यूसर से बात करना ठीक है. ये कुछ ऐसा है जिस पर काम किया जा सकता है.

नागपुर के भाइयों ने गाड़ा जीत का झंडा! विक्रम और अजिंक्य ने ट्रॉफी के साथ जीते लाखों रुपये

विक्रम-अजिंक्य ने रचा इतिहास

सोनी टीवी और सोनी लिव के टीवी के सबसे बड़े और स्वाद से भरपूर कुकिंग रियलिटी शो 'मास्टरशेफ इंडिया' का सफर अपने मुकाम पर पहुंच गया है. आखिरकार 3 महीने चले इस शो को अपना विनर मिल गया है. नागपुर के रहने वाले भाई-भाई की जोड़ी— विक्रम और अजिंक्य गंधे ने अपनी मेहनत, तालमेल और जायके के जादू से इतिहास रच दिया है. उन्होंने न केवल चमचमाती मास्टरशेफ की ट्रॉफी उठाई, बल्कि शानदार 'गोल्डन एप्रन' पहनकर पूरे देश का दिल जीत लिया. ट्रॉफी और एप्रन के साथ इन दोनों को 25 लाख रुपये की राशि इनाम के तौर पर मिली.

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर ऑन एयर हुआ ये सीजन कई मायनों में ऐतिहासिक रहा. इस बार मास्टरशेफ इंडिया ने अपनी पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए 'जोड़ी' का फॉर्मेट पेश किया था. देशभर से 50 जोड़ियों ने इस सफर की शुरुआत की थी, जिनमें मां-बेटी, भाई-बहन और पति-पत्नी जैसी खूबसूरत रिश्तों की केमिस्ट्री रसोई में देखने को मिली.

कड़े मुकाबले के बाद, जजों के फैसले ने ये साफ कर दिया कि फिनाले में शामिल हुईं इन तीन जोड़ियों में से स्वाद और रिश्तों का सबसे सही संतुलन विक्रम और अजिंक्य के पास ही था.

दिग्गज शेफ्स ने बांधा समां

ग्रैंड फिनाले की शाम को चार चांद लगाने पहुंचे भारत के कुकिंग आइकन शेफ संजीव कपूर शो में शामिल हुए. उन्होंने जजों की त्रिमूर्ति विकास खन्ना, रणवीर बरार और कुणाल कपूर के साथ मिलकर कंटेस्टेंट्स की हौसलाअफजाई की. संजीव कपूर ने इस जीत पर खुशी जताते हुए कहा, मास्टरशेफ के साथ मेरा पुराना रिश्ता है, और इस बार का सीजन भारत की बदलती और उभरती तस्वीर को दिखाता है. विक्रम और अजिंक्य ने न केवल अपना हुनर दिखाया, बल्कि अपनी जड़ों और अपने शहर के प्रति गर्व को भी प्लेट पर उतारा. आज भारत को एक नहीं, बल्कि दो विनर्स मिले हैं.

जानें क्यों जीते ये भाई ?

शेफ विकास खन्ना ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ये यादें हमेशा उनके साथ रहेंगी. वहीं, अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए मशहूर शेफ रणवीर बरार ने इसे एक परिवार की जीत बताया. उन्होंने कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि सबसे बेहतरीन डिश ही जीतती है, और विक्रम-अजिंक्य ने हर चुनौती में अपनी काबिलियत साबित की.शेफ कुणाल कपूर ने भाइयों की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा, मैंने उनकी आँखों में वो जुनून और भूख देखी थी, जो एक मास्टरशेफ के लिए बेहद ज़रूरी है. उनकी दृढ़ता ने ही उन्हें आज यहां तक पहुंचाया है.

फिर टूटा राखी सावंत का दिल! राकेश ने ठुकराया प्यार, ड्रामे के चक्कर में राखी ने स्विमिंग पूल में लगाई छलांग

खत्म हुई 'रा-रा' लव स्टोरी

टेलीविजन का सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस मराठी 6' इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है. घर में जब से ड्रामा क्वीन राखी सावंत की एंट्री हुई है, तब से हंगामे का लेवल दोगुना हो गया है. राखी जहां होती हैं, वहां एंटरटेनमेंट और इमोशनल ड्रामा न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता. हाल ही में शो में राखी ने 'तुम बिन' एक्टर राकेश बापट के साथ अपनी जोड़ी बनाई थी और इसे 'रा-रा' नाम भी दिया था. लेकिन अब इस कहानी में एक ऐसा मोड़ आया है जिसने राखी को हैरान कर दिया है.

दरअसल ये रिश्ता सिर्फ राखी की तरफ से था और राकेश इसे सिर्फ मजाक के तौर पर देख रहे थे. लेकिन राखी और राकेश के बीच का रिश्ता अब खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है. बिग बॉस मराठी के लेटेस्ट एपिसोड में राखी राकेश से ये कहती हुई नजर आईं कि सबको तुम्हारा और मेरा रिश्ता खटक रहा है. इस पर राकेश बहुत ही ठंडे और सीधे लहजे में जवाब देते हैं, तो फिर सबको जाकर बोल दो कि अब हम सिर्फ दोस्त हैं.

राखी का नया ड्रामा

राखी इस बात को स्वीकार करते हुए कहती हैं, सो वी आर फ्रेंड्स नाउ. लेकिन राकेश यहीं नहीं रुकें, उन्होंने आगे कहा कि मुझे दूसरी बार हर्ट नहीं होना है और इतना कहकर वो वहां से चले गए. राकेश का ये रुखा रवैया राखी के दिल पर गहरी चोट कर गया.

स्विमिंग पूल में लगाई छलांग

राकेश से मिले इस झटके के बाद राखी सावंत पूरी तरह से टूटती हुई नजर आईं. वो बेसुध होकर गार्डन एरिया की ओर बढ़ीं. घरवालों की नजरें उन पर ही थीं कि तभी अचानक राखी स्विमिंग पूल की सीढ़ियों पर खड़ी हुईं और बिना सोचे-समझे पानी में छलांग लगा दी. पानी में गिरने के बाद राखी जोर-जोर से रोने लगीं और चिल्लाते हुए कहने लगीं, आई ....म लूजर (मैं हार गई हूं). राखी का ये अवतार देखकर घर के बाकी सदस्य बुरी तरह घबरा गए. सब 'राखी-राखी' चिल्लाते हुए उन्हें बचाने के लिए पूल की तरफ दौड़े. राखी का ये 'इमोशनल डाउनफॉल' सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रहा है.

विचार एक्सप्रेस

रायसेन किले से 'ईरान जिंदाबाद' के लगाए...
रायसेन जिले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक विवादित वीडियो के मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोप है कि युवकों ने ऐतिहासिक रायसेन किले की प्राचीर पर चढ़कर ईरान के... पढ़ें पेज 12 पर...

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध विकास की परियोजना है या भारत पर रणनीतिक दबाव?

दूसरी ओर, चीन इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहता है कि यह परियोजना 'रन-ऑफ-द-रिवर' तकनीक पर आधारित है, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसका तर्क है कि यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद करेगी। दूसरी ओर भारत भी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं है। ब्रह्मपुत्र बेसिन में भारत लगभग 76 गीगावाट जलविद्युत क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, जिसमें से करीब 52 गीगावाट क्षमता केवल अरुणाचल प्रदेश में संभावित मानी जाती है।

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं होतीं, वह राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के समीकरणों को भी प्रभावित करती हैं। इन्हीं नदियों में से एक है ब्रह्मपुत्र, जो तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और फिर बांग्लादेश तक जीवनदायिनी धारा के रूप में बहती है। हाल के वर्षों में तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा बनाई जा रही विशाल जलविद्युत परियोजना ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन की जरूरत से प्रेरित है या इसके पीछे भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की योजना भी छिपी हुई है? उल्लेखनीय है कि चीन जिस परियोजना पर काम कर रहा है, उसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट बताई जाती है, जो वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र 'थ्री गॉर्जेस डैम' से भी कई गुना अधिक है। इस परियोजना पर करीब 1.2 ट्रिलियन युआन, यानी लगभग 140 से 170 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। योजना के अनुसार इसमें पाँच बड़े कैस्केड बांध बनाए जाएंगे और इससे हर साल लगभग 300 अरब यूनिट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह बिजली उत्पादन कई देशों की कुल वार्षिक खपत के बराबर माना जाता है। यह परियोजना तिब्बत में उस स्थान के पास बनाई जा रही है जहाँ ब्रह्मपुत्र नदी नामचा बरवा पर्वत के आसपास एक विशाल मोड़ बनाकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। भूगोल की दृष्टि से यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नदी का प्रवाह बहुत तीव्र हो जाता है और गहरी घाटियाँ बनती हैं। इसी कारण इसे जलविद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। लेकिन यही भौगोलिक स्थिति भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण भी बन गई है। दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है। यह दुनिया की सबसे अधिक जलप्रवाह वाली नदियों में से एक है और मानसून के समय इसका औसत जल प्रवाह लगभग 19,800 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुँच जाता है। असम और अरुणाचल प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन, जल परिवहन और पारिस्थितिकी इस नदी पर काफी हद तक निर्भर हैं। हालाँकि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश जल भारत में ही बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार नदी के कुल प्रवाह का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में उत्पन्न होता है, जो मुख्यतः मानसूनी वर्षा और सहायक नदियों से आता है। चीन के हिस्से से आने वाला जल लगभग 22 से 35 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि चीन भले ही नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित हो, लेकिन पूरे नदी तंत्र के जल पर उसका पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है। इसके बावजूद भारत की चिंताएँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। यदि चीन नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर जल संरचनाएँ बनाता है, तो उसे पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने की एक हद तक क्षमता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नियंत्रण कई प्रकार की परिस्थितियाँ पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि गैर-मानसून के समय पानी रोक लिया जाए तो नीचे के क्षेत्रों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं यदि अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो असम और बांग्लादेश में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

एक्सप्रेस आलेख

धार्मिक भविष्यवाणियों को निर्णायक मानने से विवेकपूर्ण निर्णय प्रक्रिया विकृत हो जाती है। सैनिकों का मनोबल भी प्रभावित होता है। सैनिक किसी धर्मयुद्ध के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र की रक्षा के लिए लड़ते हैं। आधुनिक विश्व पहले ही अनेक मजहबी पंथिक संघर्षों से जूझ रहा है। पश्चिम एशिया इसका बड़ा उदाहरण है। यदि महाशक्तियों की सेनाओं में भी धार्मिक कट्टरता का प्रभाव बढ़ने लगे तो अंतरराष्ट्रीय शांति और अधिक संकट में पड़ सकती है। इसलिए अमेरिकी समाज और सेना के भीतर उठ रहे ये प्रश्न केवल आंतरिक अनुशासन का मामला नहीं हैं बल्कि वैश्विक चिंता का विषय भी हैं। युद्ध के समय संयम और विवेक की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

अंधविश्वास पर विश्वास

हृदयनारायण दीक्षित

सैनिक नेतृत्व का दायित्व है कि वह अपने अधीनस्थों को एकजुट रखे, उनके भीतर पेशेवर अनुशासन और राष्ट्र निष्ठा की भावना मजबूत करे। नेतृत्व को पंथिक व्याख्याओं से युद्ध को पवित्र बताने से बचना चाहिए। यह सैन्य व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत है। युद्ध मानवीय विफलता का प्रतीक है। किसी दिव्य योजना का परिणाम नहीं। सह अस्तित्व और संवाद ही स्थायी समाधान के मार्ग हैं।

अमेरिका सारी दुनिया को पंथनिरपेक्षता का पाठ पढ़ाता रहता है लेकिन ईरान के साथ अमेरिका-इजरायल संघर्ष के संदर्भ में एक विचित्र प्रवृत्ति सामने आ रही है। इस युद्ध को कुछ लोग सीधे धार्मिक भविष्यवाणियों और अंधविश्वास से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। एक वरिष्ठ पत्रकार जोनाथन लार्सन द्वारा अमेरिकी सेना के भीतर मजहबी कट्टरवाद और सैनिक अधिकारियों द्वारा बाइबिल की भविष्यवाणियों के प्रयोग का प्रश्न उठाया गया है। मिलिट्री रिलिजियस फ्रीडम फाउंडेशन को ऐसी 110 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं। शिकायतें 30 से ज्यादा सैनिक ठिकानों और 40 इकाइयों से जुड़ी हैं। कुछ कमांडरों पर आरोप है कि वे ईरान के साथ संभावित युद्ध को ईश्वर की दिव्य योजना बता रहे हैं। यीशु की वापसी का विश्वास है। युद्ध को यीशु की वापसी मार्ग भी कहा जा रहा है। शिकायत करने वालों में केवल नास्तिक ही नहीं बल्कि ईसाई, मुस्लिम और यहूदी सैनिक भी शामिल हैं। उनका कहना है कि ऐसी बयानबाजी सैनिक एकता और संविधान की शपथ दोनों का उल्लंघन करती है। अमेरिका में सैनिक अनुशासन के स्पष्ट नियम हैं। अमेरिकी सेना में धर्म प्रचार की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद अंधविश्वास से जुड़ी शिकायतें बढ़ रही हैं। सेना की चिंता है कि कुछ कमांडर मजहबी संदर्भों का दुरुपयोग कर रहे हैं। वे युद्ध को पवित्र और अनिवार्य सिद्ध करने के लिए धार्मिक ग्रंथों का सहारा ले रहे हैं। लार्सन की रिपोर्ट में उल्लेख है कि एक कमांडर ने नॉन-कमीशंड अधिकारियों को संबोधित करते हुए ईरान युद्ध को बाइबिल की भविष्यवाणियों से जोड़ दिया। कमांडर ने कहा कि प्रभु यीशु ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अभिषेक किया है कि वे ईरान में अग्नि प्रज्ज्वलित करें, जिससे आर्मगेडन प्रारम्भ हो और पृथ्वी पर यीशु की वापसी का मार्ग प्रशस्त हो। एक अन्य सैनिक ने बताया कि उनकी यूनिट ईरानी युद्ध क्षेत्र से दूर है, फिर भी वहां इसी प्रकार का कट्टरपंथी संदेश दिया गया। एक एनसीओ ने लिखा है कि कमांडर को नेताओं ने सैनिकों तक यह संदेश पहुँचाने के लिए कहा कि यह युद्ध ईश्वर की दिव्य योजना का हिस्सा है। उन्होंने बाइबिल के 'बुक ऑफ रेवलेशन' का संदर्भ देते हुए आर्मगेडन और यीशु की वापसी से जुड़े प्रसंग दोहराए हैं। युद्ध प्रत्यक्ष मानवीय कार्यवाही है। परिस्थितियों के कारण ही युद्ध जैसे कर्म संभव होते हैं। भू-सामरिक कारण युद्ध को बढ़ाते या घटाते हैं। युद्ध में ईश्वर को घसीटना उचित नहीं है। युद्ध और बर्बरता ईश्वर की योजना का परिणाम नहीं होते। शिकायत करने वाले एनसीओ ने ठीक चेतावनी दी है कि ऐसे अंधविश्वासी वक्तव्य उचित नहीं होते। ऐसे वक्तव्य साहस और एकजुटता को नष्ट करते हैं। संविधान की रक्षा की शपथ का उल्लंघन भी करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सेना में मजहबी कट्टरवाद और बाइबिल की भविष्यवाणियों के प्रयोग पर गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं। बाइबिल में अंत समय और आर्मगेडन की भविष्यवाणियों का उल्लेख है। आर्मगेडन शब्द बाइबिल की 'बुक ऑफ रेवलेशन' में आया है। यह धारणा अच्छाई और बुराई के बीच होने वाले अंतिम युद्ध से जुड़ी है। अनेक ईसाई मानते हैं कि आर्मगेडन का युद्ध ईसा मसीह की पृथ्वी पर दूसरी वापसी का संकेत होगा, जब वे बुराई को पराजित कर शांति स्थापित करेंगे। कुछ व्याख्याओं में वर्तमान युद्ध और अशांति को भी ईश्वर की योजना का हिस्सा माना जाता है, ताकि भविष्यवाणी पूरी हो सके। सैनिकों की चिंता यह है कि कुछ कमांडर इन धार्मिक संदर्भों का उपयोग युद्ध को पवित्र या अनिवार्य सिद्ध करने के लिए कर रहे हैं। यह सैन्य अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है।

आर्मगेडन शब्द बाइबिल की 'बुक ऑफ रेवलेशन' में आया है। यह धारणा अच्छाई और बुराई के बीच होने वाले अंतिम युद्ध से जुड़ी है। अनेक ईसाई मानते हैं कि आर्मगेडन का युद्ध ईसा मसीह की पृथ्वी पर दूसरी वापसी का संकेत होगा, जब वे बुराई को पराजित कर शांति स्थापित करेंगे।

इतिहास में तथ्य है कि जब-जब युद्ध को धर्म का आवरण मिला है, तब-तब उसका स्वरूप अधिक क्रूर और बर्बर हुआ है। मध्यकालीन यूरोप के धर्मयुद्ध इसका उदाहरण हैं। धर्म के नाम पर लड़े गए युद्धों में लाखों लोग मारे गए, नगर उजड़ गए। सभ्यताओं को भी गहरी चोट पहुंची। युद्ध की ज्वाला जब धार्मिक आवेश से जुड़ जाती है तो विवेक का स्थान उन्माद ले लेता है। आधुनिक राष्ट्र-राज्य की अवधारणा इसी अनुभव से विकसित हुई। आधुनिक लोकतंत्रों ने राज्य और धर्म को अलग रखने की व्यवस्था बनाई कि युद्ध जैसे निर्णय राष्ट्रीय हित के आधार पर लिए जाने चाहिए। अंधविश्वास के आधार पर लिए गए निर्णय उचित नहीं होते। अमेरिका स्वयं को आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों का अग्रदूत मानता है। उसकी सेना संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेती है, किसी धर्मग्रंथ के प्रति नहीं। इसलिए अमेरिकी सेना में धार्मिक प्रचार या कट्टरता को लेकर उठ रही शिकायतें चिंताजनक हैं। पश्चिम एशिया की राजनीति में प्रयुक्त भाषा पर भी विचार आवश्यक है। हाल ही में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से एक टिप्पणी आई कि 'यहूदियों ने बहुत बड़ी गलती कर दी।' यह कथन भी मजहबी है। यह गंभीर समस्या उत्पन्न कर सकता है। किसी राज्य की नीति या कार्रवाई की आलोचना एक बात है लेकिन उसे किसी पूरे धार्मिक समुदाय से जोड़ देना दूसरी बात है। उचित यह होता कि कथन इस प्रकार होता कि 'इजराइल ने बहुत बड़ी गलती कर दी।' अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भाषा का संयम अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी राष्ट्र की नीति की आलोचना और किसी धार्मिक समुदाय के प्रति आरोप में स्पष्ट भेद होते हैं। युद्ध का निर्णय अत्यंत गंभीर राजनीतिक और सामरिक निर्णय होता है। इसके पीछे कूटनीति, रणनीति, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय समीकरण जैसे अनेक तत्व महत्वपूर्ण होते हैं। धार्मिक भविष्यवाणियों को निर्णायक मानने से विवेकपूर्ण निर्णय प्रक्रिया विकृत हो जाती है। सैनिकों का मनोबल भी प्रभावित होता है। सैनिक किसी धर्मयुद्ध के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र की रक्षा के लिए लड़ते हैं। आधुनिक विश्व पहले ही अनेक मजहबी पंथिक संघर्षों से जूझ रहा है। पश्चिम एशिया इसका बड़ा उदाहरण है। यदि महाशक्तियों की सेनाओं में भी धार्मिक कट्टरता का प्रभाव बढ़ने लगे तो अंतरराष्ट्रीय शांति और अधिक संकट में पड़ सकती है। इसलिए अमेरिकी समाज और सेना के भीतर उठ रहे ये प्रश्न केवल आंतरिक अनुशासन का मामला नहीं हैं बल्कि वैश्विक चिंता का विषय भी हैं। युद्ध के समय संयम और विवेक की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। सैनिक नेतृत्व का दायित्व है कि वह अपने अधीनस्थों को एकजुट रखे, उनके भीतर पेशेवर अनुशासन और राष्ट्र निष्ठा की भावना मजबूत करे। नेतृत्व को पंथिक व्याख्याओं से युद्ध को पवित्र बताने से बचना चाहिए। यह सैन्य व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत है। युद्ध मानवीय विफलता का प्रतीक है। किसी दिव्य योजना का परिणाम नहीं। सह अस्तित्व और संवाद ही स्थायी समाधान के मार्ग हैं। युद्ध को ईश्वर की योजना बताने से हिंसा के लिए एक नया नैतिक औचित्य तैयार होगा।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे है या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे है, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	अष्टमी 16:19 तक
नक्षत्रः	ज्येष्ठा 10:00 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	बुधवार
योगः	वज्र, 09:11
सूर्योदयः	06:43
सूर्यास्तः	18:30
चंद्रमाः	वृश्चिक राशि में
राहुकालः	12:36-02:05
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	चैत्र
शुभ मुहूर्तः	नहीं है

जन एक्सप्रेस

जीती टीम इंडिया !

जीती टीम इंडिया ।
ऐतिहासिक पल ।।
हुआ सीना चौड़ा ।
है सुनहरा कल ।।
रणबांकुरों ने आखिर ।
किया फिर कमाल ।।
दिया जवाब करारा ।
उठे जो सवाल ।।
लिख दिया अध्याय स्वर्णिम ।
बनी फिर विजेता ।।
झूम रहे हैं सारे ।
नेता या अभिनेता ।।
बधाईयों का तांता ।
और सिलसिला जारी ।।
हैं बुलंद सितारे ।
मात दी करारी ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

हंग कर्ड या सामान्य दही: पाचन के लिए क्या है ज्यादा बेहतर?

भारतीय भोजन में दाल-चावल हो, पराठा हो या फिर खिचड़ी, दही के साथ खाने का स्वाद ही अलग हो जाता है। यही वजह है कि लगभग हर घर में दही रोजाना अलग-अलग तरीकों से खाया जाता है। दही न केवल स्वाद बढ़ाता है बल्कि इसे पाचन के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स यानी अच्छे बैक्टीरिया आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं लेकिन पिछले कुछ समय में हेल्दी खाने का ट्रेंड बढ़ने के साथ हंग कर्ड (॥ह्वठ्ठद्द ष्ह्वह्म्स्र) का सेवन भी बढ़ा है। सलाद, डिप्स, सैंडविच और हेल्दी स्नैक्स में इसका इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। कई लोग इसे सामान्य दही से ज्यादा हेल्दी मानते हैं, क्योंकि यह गाढ़ा, क्रीमी और प्रोटीन से भरपूर माना जाता है।

हंग कर्ड या सामान्य दही: पाचन के लिए क्या है ज्यादा बेहतर?: डाइटिशियन अर्चना जैन के अनुसार, दोनों ही चीजें दूध से बनती हैं और पोषण से भरपूर होती हैं। हालांकि उनकी बनावट, पानी की मात्रा और पोषक तत्वों में थोड़ा अंतर होता है, जिससे पाचन और शरीर पर उनका प्रभाव भी थोड़ा अलग हो सकता है। डाइटिशियन अर्चना जैन बताती हैं कि पाचन के

लिहाज से दोनों ही विकल्प अच्छे हो सकते हैं, लेकिन यह व्यक्ति की पाचन क्षमता और जरूरत पर निर्भर करता है। सामान्य दही हल्का होता है और इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है, इसलिए यह जल्दी पच जाता है। जिन लोगों को भारी चीजें पचाने में परेशानी होती है या जिनका पाचन कमजोर है, उनके लिए सामान्य दही ज्यादा अच्छा विकल्प हो सकता है।

हंग कर्ड: डाइटिशियन अर्चना जैन बताती हैं कि हंग कर्ड सामान्य दही से ही बनाया जाता है। इसे तैयार करने के लिए दही को एक सूती कपड़े में बांधकर कुछ घंटों के लिए टांग दिया जाता है, जिससे उसका पानी यानी व्हे (ड्ढद्धद्व4) निकल जाता है। इस प्रक्रिया के बाद हंग कर्ड में प्रोटीन की मात्रा अपेक्षाकृत ज्यादा और पानी की मात्रा कम हो जाती है। इसलिए यह गाढ़ा और ज्यादा क्रीमी महसूस होता है।

सामान्य दही: डाइटिशियन अर्चना जैन के अनुसार, सामान्य दही पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है और पेट की कई समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और कब्ज में राहतदे सकता है। इसमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए यह शरीर को हाइड्रेशन भी देता है और गर्मियों में ठंडक पहुंचाने में मदद करता है।

डाइटिशियन की सलाह: डाइटिशियन अर्चना जैन के अनुसार, दही को हमेशा ताजा और सही मात्रा में ही खाना चाहिए। बहुत ज्यादा खट्टा दही पेट के लिए सही नहीं माना जाता। दही को दिन के समय खाना ज्यादा अच्छा माना जाता है क्योंकि रात में कुछ लोगों को इसे पचाने में परेशानी हो सकती है। इसके अलावा दही में ज्यादा नमक या चीनी मिलाने से बचना चाहिए। अगर दही को फल, सलाद या हेल्दी मसालों के साथ लिया जाए तो यह और भी पौष्टिक बन सकता है।

निष्कर्ष: हंग कर्ड और सामान्य दही दोनों ही स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन पाचन के लिहाज से सामान्य दही हल्का और जल्दी पचने वाला माना जाता है। वहीं हंग कर्ड प्रोटीन से भरपूर और गाढ़ा होता है।

एक्सप्रेस विशेष

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पंच परिवर्तन कार्यक्रम और सामाजिक परिवर्तन

प्रहलाद सबनानी

प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना मानव जीवन के लिए अनिवार्य है। जल संरक्षण, हरियाली बढ़ाना और प्लास्टिक के उपयोग को कम करना जैसे छोटे-छोटे कदम पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। यदि हम इन सौ वर्षों की यात्रा पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट दिखाई देता है कि संघ के स्वयंसेवकों ने समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय योगदान दिया है। विचार, संगठन और कार्य के स्तर पर संघ ने निरंतर समाज जीवन को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया है। प्रारम्भ में सीमित दायरे में प्रारंभ हुआ संघ का कार्य समय के साथ व्यापक और बहुआयामी होता गया। समाज की बदलती आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हुए और समाज परिवर्तन के वाहक बने। संघ के मूल उद्देश्य के अनुरूप देश में हिंदुत्व के जागरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस जागरण का प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों में दिखाई देने लगा है। जाति, वर्ग, भाषा या क्षेत्र के आधार पर जो भेदभाव लंबे समय से समाज में मौजूद थे, उनमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। अनेक राष्ट्रीय और सांस्कृतिक अवसरों पर हिंदू समाज की एकता और संगठन की भावना स्पष्ट रूप से सामने आई है। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन, अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा तथा कुंभ जैसे विशाल आयोजनों ने समाज की एकता और आस्था को नई ऊर्जा दी है। इन अवसरों पर पूरे देश से आए लोगों की सहभागिता ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय समाज में संगठन और आत्मविश्वास की शक्ति कितनी प्रबल है। संघ की 100 वर्षों की यात्रा केवल इतिहास की उपलब्धियों का वर्णन नहीं है बल्कि यह भविष्य के लिए एक प्रेरक संकल्प भी है। आज समाज में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे लंबे समय से किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम हैं। हिंदुत्व और भारतीय परम्पराओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। एक समय ऐसा भी था जब सार्वजनिक जीवन में हिंदू समाज की कमियों को ही अधिक उजागर किया जाता था, जिससे समाज के अनेक लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों को सही रूप में समझ नहीं पाए। परंतु अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। लोग अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व अनुभव करने लगे हैं। आज अनेक परिवारों में अपने बच्चों के नामकरण से लेकर विवाह संस्कार तक भारतीय परंपराओं का पुनः सम्मानपूर्वक पालन किया जा रहा है। घर-परिवार में धार्मिक और सांस्कृतिक परम्पराओं को महत्व दिया जाने लगा है। इस परिवर्तन का उद्देश्य केवल परंपराओं का पालन करना नहीं है, बल्कि एक सच्चरित्र, संस्कारित और जिम्मेदार पीढ़ी का निर्माण करना है। ऐसी पीढ़ी ही समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर सकती है और परिवार तथा समाज में सुख-शांति की स्थापना कर सकती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में एक विशेष पहल की है, जिसे 'पंच परिवर्तन' कार्यक्रम कहा गया है। इस कार्यक्रम का आह्वान संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा किया गया है। इसका उद्देश्य समाज में ऐसे पाँच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जागरूकता और व्यवहारिक परिवर्तन लाना है, जिनसे राष्ट्र जीवन को नई दिशा मिल सके। पंच परिवर्तन कार्यक्रम के पाँच प्रमुख आयाम हैं- नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजगता, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, स्वदेशी भावना और स्वावलंबन का विकास, कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से पारिवारिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, सामाजिक समरसता की स्थापना।इन पाँचों आयामों का उद्देश्य केवल विचार प्रस्तुत करना नहीं है बल्कि इन्हें जीवन में व्यवहार के रूप में अपनाना है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होगा, तभी राष्ट्र सशक्त बन सकेगा। नागरिकों को कानून व्यवस्था का पालन करते हुए समाज में सद्भाव और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना होगा। कुटुंब प्रबोधन इस कार्यक्रम का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है। परिवार समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। यदि परिवार में संस्कार, संवाद और संवेदनशीलता का वातावरण होगा तो समाज स्वतः स्वस्थ और सुदृढ़ बनेगा। इसके लिए यह आवश्यक है कि परिवार के सदस्य समय निकाल कर एक साथ बैठें, संवाद करें।

इसी प्रकार सामाजिक समरसता भी पंच परिवर्तन का प्रमुख लक्ष्य है। समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव राष्ट्र की एकता को कमजोर करता है। मंदिर, पानी और श्मशान जैसे विषयों में यदि कहीं भी भेदभाव की भावना शेष है, तो उसे समाप्त करना समाज का दायित्व है। सभी वर्गों के लोगों के साथ आत्मीयता और सम्मान का व्यवहार करना ही समरस समाज की आधारशिला है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

बिजली बिल और कनेक्शन की शिकायतों पर बरखेड़ा विधायक सख्त, अधिकारियों को दिए तत्काल समाधान के निर्देश

- कैंप कार्यालय पर जनसुनवाई के दौरान 15 से 20 शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण
- कई मामलों में बिल संशोधित और मीटर बदलने के दिए निर्देश

जन एक्सप्रेस । मुकेश कुमार

'आज कैंप कार्यालय पर बिजली विभाग के अधिकारियों को बुलाकर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनी गईं। कई लोग बिजली बिल ज्यादा आने, कनेक्शन और एस्टीमेट से जुड़ी शिकायतें लेकर आए थे। अधिकारियों से मौके पर ही सभी मामलों की जांच कराई गई और करीब 15 से 20 समस्याओं का तत्काल निस्तारण कराया गया है। आगे भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जनता को बिजली से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और सभी शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए।'
–स्वामी प्रवक्तानंद महाराज, महामंडलेश्वर एवं बरखेड़ा विधायक

पीलीभीत। क्षेत्रीय जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को अलीगंज रोड स्थित कैंप कार्यालय पर बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर जनसुनवाई की। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे और बिजली बिल, कनेक्शन तथा लाइन से संबंधित समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं।?जनसुनवाई में आए शिकायतकर्ताओं ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से उनके बिजली बिल में अचानक बढ़ोतरी हो रही है। कई उपभोक्ताओं ने कहा कि पिछले महीने का बिल कम आया था, जबकि इस महीने का बिल काफी अधिक आ गया है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोगों ने यह भी बताया कि उनके मीटर की रीडिंग सही नहीं ली जा रही है या फिर तकनीकी खामियों के कारण बिल ज्यादा बनकर आ रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने मौके पर मौजूद बिजली विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए और किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक परेशान न किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान ग्राम पीरा ताल से आए लाखन लाल ने शिकायत की कि उनका बिजली बिल लगातार अधिक आ रहा है। उन्होंने बताया कि कई बार विभाग से शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। इस पर विधायक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मामले की तुरंत जांच की जाए और उपभोक्ता का मीटर बदलकर सही बिल जारी किया जाए। अधिकारियों ने विधायक के निर्देश पर मीटर बदलने की प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया। इसी तरह ग्राम हरकृष्णापुर निवासी रामस्वरूप ने बताया कि उनका बिजली बिल 4845 रुपये आया था, जो उनकी खपत के हिसाब से बहुत ज्यादा था। विधायक के हस्तक्षेप के बाद अधिकारियों ने बिल की जांच की और उसे संशोधित कर मात्र 204 रुपये कर दिया। बिल में इतनी बड़ी कमी होने से रामस्वरूप ने राहत की सांस ली और विधायक का आभार व्यक्त किया। जनसुनवाई में ग्राम महुआ से आई हीरा कली ने भी अपनी समस्या रखी। उन्होंने बताया कि उनके घर तक बिजली लाइन पहुंचाने के लिए विभाग की ओर से 35 हजार रुपये का एस्टीमेट बनाया गया था, जो उनके लिए बहुत ज्यादा था। शिकायत सुनने के बाद विधायक ने अधिकारियों से मामले की समीक्षा कराई, जिसके बाद एस्टीमेट को घटाकर 25 हजार रुपये कर दिया गया। बैठक में बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने कहा कि प्रदेश सरकार बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और मुख्यमंत्री द्वारा बिजली विभाग के लिए अलग से बजट भी उपलब्ध कराया गया है। इसके बावजूद यदि क्षेत्र में उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं तो उन्हें गंभीरता से लेते हुए तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली बिल, मीटर, कनेक्शन और लाइन से संबंधित सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। साथ ही यह भी कहा कि उपभोक्ताओं के साथ किसी प्रकार की लापरवाही या गलत व्यवहार नहीं होना चाहिए। विधायक ने बताया कि उनके कैंप कार्यालय पर अक्सर लोग बिजली से जुड़ी समस्याओं को लेकर आते हैं। किसी का बिल अधिक आता है, किसी का कनेक्शन नहीं हो पा रहा होता है, तो किसी का एस्टीमेट बहुत ज्यादा बना दिया जाता है। इसलिए उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को बुलाकर मौके पर ही जनसुनवाई कर समस्याओं का समाधान कराने का निर्णय लिया। बैठक के दौरान बिजली विभाग के जेई, एसडीओ सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने भी विधायक को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाएगा और आगे से ऐसी समस्याओं को कम करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान लगभग 15 से 20 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि कुछ अन्य मामलों को जांच के लिए दर्ज कर जल्द समाधान करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में आए लोगों ने अपनी समस्याओं के समाधान पर संतोष जताया और विधायक का आभार व्यक्त किया।

आईजीआरएस में पीलीभीत अव्वल : शिकायत निस्तारण की बेहतर व्यवस्था बनी मिसाल

PILIBHIT POLICE

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

- फरवरी माह की रैंकिंग में प्रदेश में पहला स्थान, 17 थानों के समन्वित प्रयासों से मिली सफलता

जनपद द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना प्रशासनिक व्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है। जनसुनवाई और शिकायत निस्तारण की प्रभावी प्रणाली किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार होती है। ऐसे में पीलीभीत पुलिस का यह प्रदर्शन न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, सरकार द्वारा शुरू किया गया आईजीआरएस पोर्टल आम जनता को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम प्रदान करता है। इस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रशासन की जवाबदेही और पारदर्शिता को दर्शाता है। पीलीभीत जनपद ने फरवरी माह की मासिक रैंकिंग में प्रथम स्थान हासिल कर यह साबित किया है कि यदि अधिकारियों और कर्मचारियों में समन्वय और जिम्मेदारी की भावना हो तो शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से संचालित की जा सकती है।

पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के नेतृत्व में जनपद के पुलिस कार्यालय, सर्किल स्तर और विभिन्न थानों द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन प्राप्त प्रार्थना पत्रों की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की गई। शिकायतों के निस्तारण में संदर्भों की मार्किंग, डिफॉल्टर संदर्भ, आवेदकों के फीडबैक, सी-श्रेणी संदर्भ, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा, भौतिक सत्यापन और प्रोफाइल अपडेट जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। यही कारण है कि फरवरी माह की रैंकिंग में पीलीभीत को प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि में जनपद के 17 थानों का समन्वित और सराहनीय योगदान भी महत्वपूर्ण रहा। यह सफलता दर्शाती है कि जब प्रशासनिक तंत्र जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए कार्य करता है, तो उसका सकारात्मक परिणाम सामने आता है।

हालांकि, इस उपलब्धि को केवल एक उपलब्धि के रूप में नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी के रूप में भी देखना होगा। प्रशासन के सामने अब चुनौती यह है कि वह इस स्तर को बनाए रखे और शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, संवेदनशील तथा प्रभावी बनाए।

कुल मिलाकर, आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत निस्तारण में पीलीभीत का प्रथम स्थान यह संदेश देता है कि यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो और तंत्र सक्रिय हो, तो जनसमस्याओं का समाधान समयबद्ध और संतोषजनक ढंग से किया जा सकता है। यही व्यवस्था जनता और प्रशासन के बीच विश्वास को मजबूत करने का आधार भी बनती है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 471 जोड़े बने जीवनसाथी

- नवीन मंडी समिति परिसर में हुआ भव्य आयोजन, नीचे बैठकर राज्य मंत्री ने परजनों साथ किया भोजन
- जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने नवविवाहितों को दिया आशीर्वाद

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मंगलवार को नवीन मंडी समिति परिसर में विधानसभा पीलीभीत क्षेत्र के 471 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। कुल पंजीकृत 505 जोड़ों में से 471 नवयुगलों ने वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की, जिनमें 131 अल्पसंख्यक समुदाय के जोड़े भी शामिल रहे।

विवाह समारोह में गन्ना विकास एवं चीनी मिलें विभाग के राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, ब्लाक प्रमुख मरौरी अजय गंगवार, ब्लाक प्रमुख अमरिया श्याम सिंह उर्फ निशान सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष संदीप कौर, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर और जिला समाज कल्याण अधिकारी चन्द्रमोहन विश्नोई सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आवश्यक उपहार सामग्री वितरित कर उन्हें

आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवयुगलों को दांपत्य जीवन की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से पात्र परिवारों को सम्मानपूर्वक विवाह कराने में सहायता मिल रही है। इस अवसर पर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने बर-वधू के परिवारजनों के साथ बैठकर भोजन भी किया और कहा कि यहां उपस्थित सभी लोग उनके अपने परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और अपनापन मजबूत होता है। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यदि नवविवाहित जोड़े स्वरोजगार स्थापित करना चाहते हैं तो वे मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते हैं। इस योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे युवा अपना रोजगार स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागों में संचालित योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाए और पात्र लोगों को उनसे लाभान्वित किया जाए।

अल्ट्रासाउंड सेंटरों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, सीएचसी परिसर में मरीजों को फुसलाने के आरोप

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

पूरनपुर क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे अल्ट्रासाउंड सेंटरों की कार्यप्रणाली पर अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि कई सेंटर डॉक्टरों के नाम पर लाइसेंस लेकर चलाए जा रहे हैं, जबकि मौके पर डॉक्टर मौजूद नहीं रहते और टेक्नीशियन के भरोसे ही अल्ट्रासाउंड किए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पूरनपुर में आने वाले मरीजों को कुछ निजी सेंटरों के लोग मोटरसाइकिल से अपने सेंटर तक ले जाते हुए भी देखे जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कई सेंटरों के प्रतिनिधि सुबह से ही सीएचसी परिसर में कुर्सी डालकर बैठ जाते हैं और मरीजों को तरह-तरह के लालच देकर निजी सेंटरों तक ले जाने का प्रयास करते हैं।

इस बीच सोशल मीडिया पर एक फोटो भी वायरल हो रही है, जिसमें उत्तम डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड सेंटर के पीआरओ बताए जा रहे गुलाम वारिस को सीएचसी परिसर में कुर्सी डालकर बैठे हुए दिखाया गया है। इस तस्वीर के सामने आने के बाद सवाल उठने लगे हैं कि आखिर सरकारी अस्पताल परिसर में इस तरह की गतिविधियों की अनुमति किसने दी। लोगों का कहना है कि जिन डॉक्टरों के नाम पर इन सेंटरों को लाइसेंस जारी किए गए हैं, क्या वे वास्तव में सेंटरों पर मौजूद रहते हैं या नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए। यदि स्वास्थ्य विभाग निष्पक्ष जांच करे और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए तो पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकती है कि डॉक्टर कब आते हैं और अल्ट्रासाउंड वास्तव में कौन करता है। बताया जा रहा है कि जब इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे यह सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या स्वास्थ्य विभाग किसी दबाव में काम कर रहा है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पीलीभीत में 6 केंद्रों पर होगी उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा, तैयारियों को लेकर प्रशासन सतर्क

- 14 और 15 मार्च को दो पालियों में आयोजित होगी परीक्षा, जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 को सकुशल और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गांधी सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें नामित स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक सहित अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की भर्ती परीक्षा 14 और 15 मार्च 2026 को जनपद के चयनित छह परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, घड़ी, एटीएम कार्ड या किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर प्रवेश नहीं करेगा। परीक्षा केंद्रों पर आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाए और परीक्षार्थियों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि परीक्षा परिसर में तैनात सभी कर्मचारी और अधिकारी बिना आईडी कार्ड के प्रवेश नहीं करेंगे तथा परीक्षा के दौरान आईडी कार्ड पहनना अनिवार्य रहेगा। ड्यूटी पर लगाए गए सभी अधिकारी समय से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचें और परीक्षा से एक दिन पूर्व केंद्रों का निरीक्षण कर लें, ताकि यदि कोई कमी हो तो उसे तत्काल दूर किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण परीक्षा है, इसलिए सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित करें कि प्रश्नपत्रों की सील परीक्षा कक्ष में ही सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में निर्धारित समय पर खोली जाए और परीक्षा समाप्त होने के बाद वहीं सील पैक कर सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी टीम भावना के साथ कार्य करते हुए परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध रहें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रोशनी यादव, नगर मजिस्ट्रेट, सभी उप जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, सीओ सिटी, विभिन्न थानों के प्रभारी निरीक्षक, विद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भाकियू (चढूनी) ने निकाला ट्रैक्टर मार्च, अमेरिका कृषि समझौता रद्द करने की मांग

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को पूरनपुर में ट्रैक्टर मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके बाद किसान तहसील पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

किसान नेताओं ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित कृषि समझौते को रद्द करने की मांग की। उनका कहना था कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों से विदेशी कंपनियों को फायदा मिलेगा, जबकि भारतीय किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलने में कठिनाई हो सकती है।

किसानों ने कहा कि सरकार को ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जो देश के किसानों के हितों की रक्षा करें और उनकी आय बढ़ाने में सहायक हों। उन्होंने मांग की कि किसानों से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले किसान संगठनों से भी राय ली जाए। इसके अलावा किसानों ने गेहूं खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने, आवारा पशुओं की समस्या का समाधान, एमएसपी की कानूनी गारंटी तथा फसलों की समय पर खरीद सुनिश्चित करने की भी मांग की।

किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो किसान बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस दौरान संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनगणना–2027 की तैयारियां शुरू, डीएम ने फील्ड ट्रेनरों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का किया शुभारम्भ

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

- बेनहर गुरुकुल विद्यालय में 72 फील्ड ट्रेनरों को दो चरणों में दिया जाएगा प्रशिक्षण
- डिजिटल ऐप व मकान सूचीकरण की दी जाएगी जानकारी

जनगणना-2027 की तैयारियों को गति देते हुए जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने मंगलवार को बेनहर गुरुकुल विद्यालय में आयोजित फील्ड ट्रेनरों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक जानकारी दी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रथम चरण में 36 फील्ड ट्रेनरों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दोनों चरणों में कुल 72 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का पहला बैच 10, 11 और 12 मार्च 2026 तक चलेगा, जबकि दूसरा बैच 13, 14 और 16 मार्च 2026 को प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के प्रथम चरण में मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही मास्टर ट्रेनर फील्ड ट्रेनरों को जनगणना के उद्देश्य, उससे जुड़े कानूनी प्रावधानों और मकान सूचीकरण के सैद्धांतिक नियमों से भी अवगत कराएंगे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मोबाइल ऐप और डिजिटल पोर्टल के उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि प्रगणक सही ढंग से डेटा फीड कर सकें। इसके अलावा फील्ड वर्क का अभ्यास, मॉक एक्सरसाइज तथा शंका समाधान के माध्यम से प्रशिक्षण को व्यावहारिक और प्रभावी बनाया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त फील्ड ट्रेनर अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में जाकर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे जनगणना कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से प्रशिक्षण की बारीकियों को गंभीरता से समझने और उसे फील्ड में प्रभावी ढंग से लागू करने की अपील की। उन्होंने बताया कि जनगणना का कार्य दो चरणों में सम्पन्न कराया जाएगा। पहला चरण 22 मई से 20 जून 2026 तक चलेगा, जिसमें मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। इसके बाद दूसरा चरण 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक आयोजित होगा, जिसमें जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रसून द्विवेदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, अधिशासी अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

निवेश प्रस्तावों से पीलीभीत को मिल रहा लाभ : राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

- उत्तर प्रदेश निवेश के लिए बना वैश्विक आकर्षण का केंद्र
- अमरिया में एशिया का सबसे बड़ा खमीर प्लांट और औद्योगिक हब से बढ़ेगी विकास की रफ्तार

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज निवेश के क्षेत्र में न केवल भारत बल्कि विश्व के लिए भी एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। इसका लाभ पीलीभीत जनपद को भी मिल रहा है और यहां औद्योगिक विकास की नई संभावनाएं तेजी से आकार ले रही हैं।पीलीभीत प्रवास के दूसरे दिन उन्होंने वाईफरकेशन निरीक्षण भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा कि वर्तमान समय में विश्व के कई हिस्सों में युद्ध और तनाव का माहौल है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था और शांतिपूर्ण वातावरण के कारण विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की हालिया विदेश यात्रा ने विश्व को यह संदेश दिया है कि शांति और स्थिरता के माहौल में ही विकास और मानव कल्याण के कार्य संभव हैं।डॉ. अग्निहोत्री ने बताया कि सिंगापुर और जापान के साथ हुए समझौतों से यह स्पष्ट हुआ है कि वैश्विक निवेशक उत्तर प्रदेश को एक भरोसेमंद निवेश स्थल के रूप में देख रहे हैं। इन समझौतों के तहत प्रदेश में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है, जिससे औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीलीभीत जनपद में भी औद्योगिक विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमरिया क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ा खमीर (यीस्ट) प्लांट स्थापित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा यहां औद्योगिक हब के विकास की दिशा में भी कार्य चल रहा है।राज्य सूचना आयुक्त ने बताया कि शारदा सागर के आसपास पर्यटन विकास की भी व्यापक योजना बनाई जा रही है। शारदा सागर के किनारे पर्यटन केंद्र विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही नए बस स्टेशन के निर्माण की योजना भी प्रस्तावित है, जिससे आवागमन की सुविधाएं बेहतर होंगी।उन्होंने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक उत्तर प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही बौद्ध सर्किट और रामायण सर्किट के विकास को लेकर भी द्विपक्षीय सहयोग पर सहमति बनी है।डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की प्रमुख अर्थव्यवस्था वाले राज्यों में शामिल हो चुका है और निवेश के माध्यम से प्रदेश में विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है, जिसका लाभ जनपद पीलीभीत सहित पूरे प्रदेश को मिलेगा।

निर्माणाधीन मकान का छज्जा गिरने से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जनपद के माधोटांडा थाना क्षेत्र के सीमावर्ती गांव महाराजपुर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। निर्माणाधीन मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिरने से उसके नीचे दबकर एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि मृतक के घर में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराजपुर गांव निवासी सूरज (20) पुत्र विनोद अपने घर के निर्माण कार्य में लगा हुआ था। मंगलवार सुबह करीब दस बजे वह मकान के सामने बने छज्जे के पास कुछ काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक निर्माणाधीन छज्जा भरभराकर नीचे गिर पड़ा। भारी मलबे की चपेट में आने से सूरज गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। युवक का शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिवार की चीख-पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो उठा। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने किसी तरह मलबा हटाकर युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल बन गया और लोग शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते रहे। सूचना मिलने पर माधोटांडा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर, चालक समेत चार घायल

पूरनपुर। घुंघचाई थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक सहित चार लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार अजीतपुर बिल्हा–गोपालपुर मार्ग पर पुल के पास ईंट डालकर वापस लौट रहा एक ट्रैक्टर सामने से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गया। संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर ट्राली सहित सड़क किनारे पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर में फंसे लोगों को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर घुंघचाई क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे का था और मजदूर सिरसा से ईंट डालकर वापस लौट रहे थे। हादसे में घायल सभी लोग दिलाबरपुर के बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मजदूरों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

डीएम ने मोहम्दाबाद तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस | उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास खण्ड डकोर के ग्राम मोहम्मदाबाद में स्थित तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तालाब परिसर का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए, जिससे तालाब को सुन्दर, सुरक्षित और उपयोगी बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि तालाब के चारों ओर साफ-सफाई कराई जाए ताकि क्षेत्र स्वच्छ और व्यवस्थित बना रहे। उन्होंने कहा कि तालाब केवल जल संचयन का स्रोत ही नहीं है, बल्कि यह गांव की सुंदरता और पर्यावरण संतुलन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए इसके रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब के चारों ओर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए आवश्यक स्थानों पर लाइट लगाई जाए ताकि रात के समय भी क्षेत्र सुरक्षित और रोशन रहे। उन्होंने कहा कि लाइट व्यवस्था होने से तालाब के आसपास लोगों का आवागमन सुरक्षित रहेगा।।इसके साथ ही जिलाधिकारी ने तालाब के चारों ओर फेंसिंग कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फेंसिंग होने से तालाब की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। फेंसिंग के माध्यम से तालाब के क्षेत्र को संरक्षित किया जा सकेगा, जिससे इसके जीर्णोद्धार का उद्देश्य भी सफल होगा। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि तालाब के चारों ओर वृक्षारोपण कराए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तालाब के आसपास अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएं ताकि क्षेत्र हरित और पर्यावरण अनुकूल बन सके। वृक्षारोपण से न केवल वातावरण शुद्ध होगा बल्कि गांव की प्राकृतिक सुंदरता भी बढ़ेगी। जिलाधिकारी ने तालाब को उपयोगी बनाने के लिए उसमें मछली पालन शुरू कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मछली पालन से ग्रामीणों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलेगा और तालाब का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित हो सकेगा। इसके साथ ही उन्होंने तालाब में कमल के फूल लगाए जाने के निर्देश दिए ताकि तालाब की सुंदरता और आकर्षण बढ़ाया जा सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, खण्ड विकास अधिकारी आदि मौजूद रहे।

होली पर्व पर मायके आई महिला ने फांसी लगाकर जीवन लीला की समाप्त

जन एक्सप्रेस/उरई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गढर अपने मायके आई महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरे मामले की हकीकत जानने के लिए जांच पड़ताल शुरू कर ली।

इटावा जिला के थाना चकर नगर ग्राम हनुमंतपुर निवासी 26 वर्षीय दीपा पत्नी आदित्य कुमार का मायका ग्राम गढ़र में है। बताया गया है कि होली पर्व के पहले वह मायके आई थी। पिता रामजी ने बताया कि उनकी पुत्री मानसिक रूप से कमजोर थी और उसका कई सालों से ग्वालियर में इलाज चल रहा था। सोमवार को वह पत्नी ममता के साथ खेत पर चला गया था। लौटकर आया तो देखा कि पुत्री कमरे में दुपट्टे से फंदे पर लटकी हुई है। उनका दामाद आदित्य अहमदबाद की एक कंपनी में इंजीनियर है। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर चंद ने कहा कि मामले में किसी तरह की कोई तहरीर नहीं मिली है।

पुलिस ने दो भाइयों के हत्यारोपी 50 हजार के फरार इनामी को किया गिरफ्तार

पांच साल के अंतर में दो भाइयों का किया खून

जन एक्सप्रेस | शाहाबाद

शाहाबाद के मोहल्ला खेड़ा अजमत मे तेरह साल से फरार चल रहे पचास हजार हत्या आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है जिसके ऊपर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। गिरफ्तार किया गया हत्यारा दो भाइयों दो सगे भाइयों की हत्या में नामजद था। हत्यारोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहत के सांस ली है। हत्यारोपी के पास से पुलिस ने एक मोबाइल और कुछ नकदी बरामद की है। कस्बे के मोहल्ला खेड़ा अजमत में पुरानी पारिवारिक रंजिश के चलते 2008 मे मुन्ना सिंह की हत्या कर दी गई थी जिसमें विपिन पुत्र विनोद कुमार सिंह उसका भाई अतुल सिंह और विकास को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। घटना के दो वर्ष बाद न्यायालय में पुलिस की पैरवी पर आरोपियों को सजा हुई थी। सजा के आठ माह बाद विपिन अपील पर जेल से छूटकर घर आया था। इसी पारिवारिक रंजिश मे विपिन ने मुन्ना सिंह के भाई सुनील उर्फ़ गुड्डू सिंह की 2013 में हत्या कर दी और फरार हो गया।तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने फरार विपिन पर पचास हजार रूपए का इनाम घोषित कर रखा था। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण ने बताया फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी अशोक कुमार मीणा द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली शाहाबाद पुलिस और एसटीएफ फरार हत्यारोपी विपिन को तलाश रही थी और उसकी लोकेशन भी ट्रेस कर रही थी। सोमवार को सुबह एसटीएफ और कोतवाली पुलिस ने रिश्तेदारों से मिलने पहुंचे इनामी हत्या आरोपी विपिन को गिरफ्तार कर लिया है। विपिन के पास से पुलिस को एक मोबाइल फोन और कुछ नगदी बरामद हुई है। गिरफ्तार हत्यारोपी ने बताया है वह छिपकर विभिन्न प्रांतो मे रह रहा था। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र प्रकरण में आरोपित महिला को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस | उरई

रामपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से एक महिला द्वारा फर्जी प्रसव दिखाकर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी कराया था। जिसकी जांच के उपरांत चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रदीप राजपूत ने बीते दिसंबर माह में थाने में उक्त प्रकरण में संलिप्त 4 लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। ग्राम चिमकनी अछल्दा जिला औरैया निवासिनी विनीता पत्नी रोहित ने रामपुरा अस्पताल के कुछ सहयोगी कर्मचारियों द्वारा फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी कराकर पति रोहित के खिलाफ न्यायालय में चल रहे मुकदमे में शामिल कराया था। जिस पर पति रोहित द्वारा उक्त फर्जी जन्म प्रमाणपत्र की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी जनपद जालौन से की थी। जिस पर तीन सदस्यीय टीम ने अस्पताल आकर जांच की थी। जांच में चार लोग दोषी भी पाये गये थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर चिकित्सा अधीक्षक रामपुरा डॉ. प्रदीप द्वारा थाना रामपुरा में पूरे प्रकरण की जानकारी देते हुए आशा उमा कान्ति पत्नी स्व. विजय सिंह निवासी भिटौरा, स्टॉफ नर्स विमलेश कुमारी, विनीता पत्नी रोहित व अनमोल पुत्र उमाशंकर प्रजापति निवासी रामपुरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमे थाना रामपुरा ने विनीता को गिरफ्तार कर लिया हैं। जिसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्यवाही की जा रही हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक रजत कुमार सिंह ने बताया कि अस्पताल में फर्जी प्रसव व फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी करने के आरोप में विनीता को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जायेगा।

डीएम ने जिला पुरुष अस्पताल का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस | उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मंगलवार सुबह जिला पुरुष अस्पताल का औचक निरीक्षण कर वहां की स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं तथा मरीजों को मिल रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, इमरजेंसी कक्ष, दवा वितरण काउंटर और साफ-सफाई की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनके उपचार और मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों से पूछा कि उन्हें समय पर दवाइयां मिल रही हैं या नहीं तथा डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ द्वारा उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही तो नहीं बरती जा रही है जिस पर मरीजों ने उपचार व्यवस्था को संतोषजनक बताया।

जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए तथा कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि संक्रमण और बीमारियों के फैलाव को रोका जा सके। जिलाधिकारी ने दवा वितरण काउंटर का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध दवाइयों का स्टॉक रजिस्टर भी चेक किया। उन्होंने फार्मासिस्ट को निर्देश दिया कि आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को बाहर से दवा खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े। जिलाधिकारी ने वहां उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों और स्टाफ की उपस्थिति की भी जांच की। उन्होंने अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी समय से निभाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि अस्पताल की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सहित अन्य चिकित्सक और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

पुल के बीचो-बीच डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की नदी में गिरने की आशंका

जन एक्सप्रेस | उरई

डकोर कोतवाली क्षेत्र में पुल के बीचो-बीच अपने डिवाइडर से बाइक टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। जबकि युवक की नदी में गिरकर डूबकर लापता होने की आशंका जताई जा रही है।

राठ थाना क्षेत्र के ग्राम बिगवा निवासी 25 वर्षीय जय हिंद विश्वकर्मा बीती रात करीब एक बजे उरई में बुआ सुनीता के घर से अपने गांव की ओर बाइक से जा रहा था। तभी रात होने की वजह से पुल के बीचों बीच बने डिवाइडर से टकरा गया और नहर में जा गिरा। मंगलवार सुबह जब राहगीरों ने सड़क पर क्षतिग्रस्त बाइक पड़ी देखी तो उन्होंने डकोर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद घटना की खबर परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पिता देवेंद्र और बड़ा भाई आनंद मौके पर पहुंचे उन्होंने बताया कि सुनीता ने सुबह तड़के फोन पर जानकारी हुई थी कि भाई जय हिंद रात में घर के लिए निकला था। डकोर पुलिस आठ घंटे बीत जाने के बाद भी युवक की तलाश नहीं कर पाई। वही प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार पांडे का कहना है कि एनडीआरएफ टीम को सूचना दे दी हैं। वही मंगलवार दोपहर दो बजे तक कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची थी।परिजनों का आरोप है कि डकोर पुलिस द्वारा कोई खोजबीन नहीं की गई। एनडीआरएफ टीम को सूचना दे दी गई बो भी करीब 13 घंटे बीत जाने के बाद भी मौके पर नहीं पहुंची।

हरदोई की मीनाक्षी ने ऑस्ट्रेलिया की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में लिखी सफलता की इबारत

जन एक्सप्रेस | सवायजपुर

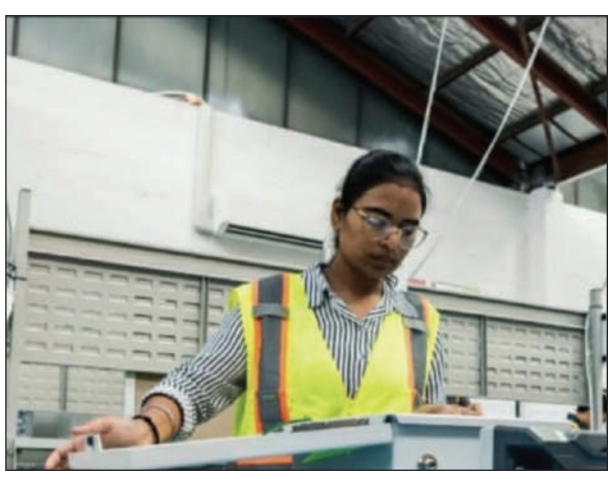

यह एक मिथक है कि लड़कियां लड़कों से पीछे हैं आधुनिक युग में लड़कियां शिक्षा, करियर, रक्षा और तकनीक जैसे हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं, और अक्सर उनसे आगे निकल रही हैं। वे अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता से साबित कर रही हैं कि वे किसी भी क्षेत्र में सक्षम हैं। हरदोई की सवायजपुर तहसील क्षेत्र के कन्हारी गांव की रहनी बाली मीनाक्षी राणा की कहानी , मीनाक्षी के पिता बलदेव राणा उर्फ संजू राणा प्रगतिशील किसान हैं और कन्हारी गांव में उनका फार्म हाऊस है । संजू राणा बताते हैं उनकी बेटी की शुरुआती शिक्षा हरियाणा के करनाल से हुई मीनाक्षी शुरुआत से ही पढ़ने में तेज थी । कोरोना के समय लॉक डाउन में मीनाक्षी ने घर पर ही तैयारी शुरू की और विदेश जाने का मन बनाया परिवार में मां ने बेटी होने का हवाला देकर समझाया लेकिन मीनाक्षी के दृढ़ विश्वास के आगे मां बाप को मीनाक्षी की बात माननी पड़ी और ऑस्ट्रेलिया जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त पर पूरे जनपद का नाम रोशन किया। वर्तमान में मीनाक्षी राणा कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से ÷मास्टर ऑफ मैनेजमेंट इन्फोर्मेशन सिस्टम÷ की पढ़ाई कर रहीं हैं । मीनाक्षी राणा की मेहनत और प्रतिभा के बल पर हाल ही में आस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित (आर एम आई टी यूनिवर्सिटी) द्वारा प्रकाशित एक अंतर्राष्ट्रीय न्यूज आर्टिकल में उनकी तस्वीर प्रकाशित की गई है । इस उपलब्धि से मीनाक्षी राणा का पूरा परिवार ,गांव, व जनपद में गौरवान्वित महसूस के रहे हैं। वहीं सवायजपुर विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा मीनाक्षी राणा क्षेत्र की हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं उन्होंने यह साबित कर दिया सही दिशा में एक लक्ष्य पर मेहनत करने से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। वहीं परिजनों सहित मीनाक्षी राणा के गुरुजनों ने भी इस सफलता पर उज्वल भविष्य की कामना की।

एआई-संचालित डिजिटल फिल्म 'बिना रुके, ज्यादा चले'

कानपुर। होली वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है, जब देशभर में घर, छतें और मोहल्ले रंगों और उत्साह से सराबोर हो जाते हैं। सुबह की तैयारियों से लेकर दिन भर चलने वाले पानी के खेल तक, हर पल पानी के निरंतर प्रवाह पर निर्भर करता है जो हर छींटें और पुनःभरने की ऊर्जा देता है। इसी उत्सवधर्मिता को अपनाते हुए, भारत के सबसे भरोसेमंद उपभोक्ता विद्युत ब्रांडों में से एक, क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपनी एआई-संचालित डिजिटल फिल्म, क्रॉम्पटन पंप्स – बिना रुके, ज्यादा चले लॉन्च की है। होली का उत्सव अक्सर दिनभर ऊर्जा और उल्लास के साथ आगे बढ़ता है- सुबह बाल्टियां भरने से लेकर छतों पर हंसी की गूंज तक। हालांकि, पिचकारी की मस्ती और रंगों की धूम के बीच अनियमित उत्सव की रफ्तार को धीमा कर सकता है। इस उत्सवपूर्ण सोच को जीवंत बनाते हुए यह एआई-संचालित डिजिटल फिल्म उत्सव की लय को सजीव करती है और एक सरल उपभोक्ता सत्य को प्रस्तुत करती है, जब पानी स्वतंत्र रूप से बहता है, तो उत्सव भी बिना रुकावट जारी रहता है। एआई द्वारा संचालित यह डिजिटल फिल्म जीवंत उत्सवपूर्ण दृश्यों को सहज प्रदर्शन परिवर्तनों के साथ प्रस्तुत करती है।

मानदेय भुगतान को लेकर विधायक से मिलकर मनरेगा कर्मियों ने सौंपा मांग पत्र

जन एक्सप्रेस | हरदोई

हरदोई।हरपालपुर विकास खण्ड के मनरेगा कर्मियों ने लंबे समय से लंबित ईपीएफ व मानदेय भुगतान न मिलने की शिकायत करते हुए शीघ्र मानदेय खातों में भिजवाए जाने की मांग को लेकर विधायक से मिलकर उन्हें पत्र सौंपा। हरपालपुर विकास खण्ड में कार्यरत मनरेगा कर्मियों ने सवायजपुर के विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू को सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि मनरेगा योजना में एपीओ,कम्प्यूटर ऑपरेटर,टी ए व ग्राम रोजगार सेवक सहित विभिन्न पदों पर कर्मचारी तैनात हैं।शासन द्वारा वर्ष 2019 से इन कर्मियों को ईपीएफ का लाभ देने के निर्देश दिए गए थे।किंतु जनपद स्तर से कर्मियों की ईपीएफ धनराशि अकारण रोके जाने से मिलने बाला लाभ अभी तक नही मिला है।इस अवधि में कुई मनरेगा कर्मियों का आकस्मिक निधन हो गया।जिससे उनके परिवार के लोगो लाभ से वंचित होना पड़ा।विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने जिलाधिकारी को मनरेगा कर्मियों के खाते में ईपीएफ की धनराशि भिजवाए जाने के लिए पत्र भेजा है।समस्यायों को लेकर विधायक से मिलने बालो में अनिल द्विवेदी,आशीष मिश्र,अजीत सिंह,अजीत कुमार,मनोज कुमार सहित कुई कर्मी मौजूद रहे।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जन एक्सप्रेस/उरई। थाना क्षेत्र के ग्राम कुसमरा में अज्ञात कारणों के चलते युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गांव कुसमरा में 25 वर्षीय बिकास कुशवाहा व पत्नी शिल्पी में किसी बात को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था।इसी से नाराज पति सोमवार को घर से निकल गया और खेतों पर खड़े जामुन के पेड़ पर चढ़कर शर्ट से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सुबह जब खेतों पर काम करने पहुंचे किसानों ने शव को पेड़ से टगा देख दंग रह गए।सूचना पर सीओ अम्बुज यादव व थानाध्यक्ष अभिनेन्द्र सिंह चौहान पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए।जिन्होंने शव को उतारकर नीचे रखा और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल कर नमूना लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के घर मां कुंती पिता लालसिंह पत्नी शील्पी पुत्री राधिका पुत्र अभिषेक का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष अभिनेन्द्र सिंह चौहान का कहना है कि मृतक शराब पीने से पत्नी से विवाद के कारण फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है।

भारत की छठी चैंपियनशिप जीत और महिला दिवस के मौके पर स्टिंग ने दिया खास इंस्टाग्राम ट्रिब्यूट

जन एक्सप्रेस | आगरा

पेप्सिको इंडिया के हाई वोल्टेज एनर्जी ड्रिंक स्टिंग एनर्जी ने अपने एक्सप्लोसिव इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ 2025 में महिला टीम की जीत समेत क्रिकेट में भारत की छठी चैंपियनशिप जीत का जश्न मनाते हुए क्रिकेट के उत्साह को और बढ़ाया है। शानदार विजुअल के माध्यम से खेलों में समावेश का जश्न मनाया गया है। इसमें ब्रांड के सिग्चेनर स्टिंगगगग सोनिक एनर्जी के साथ महिला एवं पुरुष टीम की जीत के शानदार सिक्स की विरासत दिखाई गई है। युवराज सिंह और रवि शास्त्री के साथ स्टिंग एनर्जी के लॉन्गर द सिक्स, लाउडर द स्टिंग सोनिक कैंपेन से पूरी तरह मिलती-जुलती पोस्ट में क्रिकेट के खास पलों को याद किया गया है। इसमें भारत की ऐतिहासिक जीतों- 1983, 2007, 2011, 2024, महिला दिवस पर मिली जीत और 2025 में महिला क्रिकेट टीम की जीत को दर्शाया गया है और साथ ही दिखाया गया है कि कैसे स्टिंग की खास आवाज की ही तरह इस सिक्स में भी कुछ खास है। इस कैंपेन के मूल में क्रिकेट लीजेंड युवराज सिंह और रवि शास्त्री के साथ बनी एक हाई एनर्जी फिल्म है। यह कहानी शुरू होती है धूप में खिले क्रिकेट के मैदान से, जहां दोनों खिलाड़ियों के बीच की बातचीत अचानक शानदार छक्कों की बरसात में बदल जाती है। युवराज अलग-अलग शॉट्स लगाते हैं, जिनसे स्टिंग की खास आवाज का एहसास होता है। छोटी बाउंड्री के लिए स्टिंग और सबसे लंबे हिट के लिए स्टिंगगगगग की आवाज। शास्त्री की खास कमेंटरी से इस खेल में चार चांद लग जाते हैं। उनकी आवाज बिलकुल हर छक्के की आवाज के साथ लय मिलाती हुई लगती है।

अमरज्योति सेवा संस्थान ने अर्जुनपुर में नवनिर्मित पुल के नामकरण के लिए सौंपा पत्र

जन एक्सप्रेस | हरदोई

हरदोई।अमर ज्योति सेवा संस्थान द्वारा अर्जुनपुर -बड़ागांव के मध्य रामगंगा नदी पर नवनिर्मित पुल का लोकार्पण करने के लिए नामों का सुझाव देते हुए विधायक के माध्यम से मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। अमर ज्योति सेवा संस्थान के तत्वावधान में मुख्यमंत्री को सम्बोधित विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू को दिए गए पत्र में अर्जुनपुर-बड़ागांव के मध्य रामगंगा नदी पर पक्के पुल का निर्माण कराए जाने के लिए सनजसेवी संस्था व क्षेत्रीय जनता की तरफ से आभार प्रकट करते हुए कहा है कि उक्त पक्के पुल का लोकार्पण निकट भविष्य में किया जाना है।इसलिए समाजसेवी संस्था अमर ज्योति सेवा संस्थान व क्षेत्रीय जनता की मांग है कि उक्त पुल का लोकार्पण विश्व पटल पर सनातन धर्म व संस्कृति को सर्वोच्च रूप से प्रतिष्ठित करने बाले स्वामी विवेकानंद जी के नाम पर ÷विवेकानंद सेतु÷अथवा स्वतंत्रता आंदोलन के महान नायक नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर ÷सुभाष सेतु÷ अथवा राजनीति के अजात शत्रु पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न ÷अटल विहारी बाजपेयी÷ के नाम पर ÷अटल सेतु÷के नाम से किये जाने पर आम जनमानस में इसका सकारात्मक व दूर गामी संदेश जाएगा।पत्र भेजने बालो में संस्था के अध्यक्ष स्वामी मुकुंदानंद जी महाराज,महासचिव प्रमोद कुमार तिवारी,राम प्रताप पांडेय, अरविंद मिश्र,मुन्नूलाल पांडेय, स्वदेश तिवारी,अखिलेश दीक्षित,राकेश तिवारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म करने के प्रयास में तांत्रिक सहित 6 लोग कोर्ट में तलब

जन एक्सप्रेस | उरई

बीमार किशोरी की झाड़ फूक करने आए तांत्रिक व उसके साथियों ने किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। न्याय पाने के लिए किशोरी की मां ने कोर्ट में वाद दायर किया था। जिस पर कोर्ट ने तांत्रिक सहित छह लोगों को कोर्ट में तलब करने के आदेश दिए।

आटा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विधवा महिला ने कोर्ट में वाद दायर करते हुए बताया था कि उसकी नाबालिक पुत्री एक महीने से बीमार चल रही थी। जिस पर गांव के लोगों ने तांत्रिक संतोष से झाड़ फूक को करवाने की सलाह दी। इस पर उसने संतोष से मिलकर अपनी समस्या बताएं जिस पर तांत्रिक संतोष ने 20 नवंबर 2025 की शाम उसके घर आकर झड़ फूक शुरू की तांत्रिक अपने साथ गांव के ही शैलेंद्र और अरविंद को साथ लाया था। झाड़ फूंक के दौरान गांव के सुमित उर्फ मनोज, पर्वत और राजकुमार भी आ गए। इस पर उसने जब तंत्रिका से पूछा यह लोग क्यों आए हैं तो उसने बताया यह लोग हमें बुलाने आए हैं। उनके घर में भी समस्या हो रही है इसके बाद तांत्रिक संतोष उसकी पुत्री के साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब उसने विरोध जताया तो सुमित पर्वत संजय ने उसे पकड़ लिया और संतोष ने अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। कोर्ट ने डॉक्टरी परीक्षण के आधार पर संतोष कुमार शैलेंद्र अरविंद सुमित पर्वत संजय को कोर्ट में तलब करने का 23 मार्च को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया।

पंचायतीराज की समीक्षा बैठक में डीएम सख्त

■ मिठौरा की प्रगति पर डीएम सख्त, चार्जशीट पेश करने का निर्देश

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायतीराज विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मिठौरा ब्लॉक की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने और अनुशासनहीनता की शिकायत मिलने पर जिलाधिकारी ने डीपीआरओ को कठोर कार्रवाई करते हुए चार्जशीट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने सभी एडीओ के निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए निर्धारित मानकों के आधार पर ग्रेडिंग व्यवस्था तैयार कर उनकी रैंकिंग करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन एडीओ की प्रगति खराब पाई जाएगी उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में व्यक्तिगत शौचालय के लंबित 1941 आवेदनों को तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। डीपीआरओ ने बताया कि जनपद में व्यक्तिगत शौचालय के रेट्रोफिटिंग का कार्य 95.36 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इस पर जिलाधिकारी ने शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विरासत वृक्ष अभियान की समीक्षा के दौरान 333 गांवों में कार्य शुरू न होने पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त करते हुए शेष गांवों में शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने को कहा। उन्होंने कहा कि यह अभियान लोगों को प्रकृति और अपनी विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है, इसलिए सभी इसे गंभीरता से लें।

सामुदायिक शौचालयों के बंद रहने की शिकायतों को देखते हुए जिलाधिकारी ने डीपीआरओ कार्यालय के माध्यम से नियमित निगरानी कराने के निर्देश दिए। 15वें केंद्रीय वित्त आयोग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रत्येक ब्लॉक के 10 महत्वपूर्ण कार्यों का सत्यापन कर गुणवत्ता सुनिश्चित कराने को कहा।

इसके साथ ही बृजमनगंज, लक्ष्मीपुर, सिसवा और मिठौरा में निर्माणाधीन बहुउद्देशीय पंचायत भवनों की गुणवत्ता की जांच आरईडी से कराने का निर्देश दिया गया। पंचायत सहायकों द्वारा सीएससी सेवा शुरू न होने पर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी पंचायत भवनों पर जल्द से जल्द सीएससी सेवा शुरू कराने को कहा।

जिलाधिकारी ने हैंडपंप मरम्मत की जियो टैग फोटो के साथ रजिस्टर में विवरण दर्ज करने, निर्माणाधीन अंत्येष्टि स्थलों की तकनीकी जांच कराने तथा गांवों में सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सड़कों सहित विभिन्न स्थानों के लिए रोस्टर बनाकर नियमित सफाई सुनिश्चित कराने को कहा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह, डीपीआरओ श्रेया मिश्रा, उपायुक्त श्रम रोजगार गौरवेंद्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी सहित समस्त एडीओ और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

टैंकर और बाइक की टक्कर में युवक की मौत

देवरिया क्षेत्र के महेन गांव स्थित कुसम्हां चौराहे के निकट सोमवार की शाम टैंकर और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें गोरखपुर जनपद के बड़हलगंज थाना क्षेत्र स्थित गायघाट निवासी और बाइक सवार रणधीर सिंह (40 वर्ष) पुत्र श्रीकिशुन सिंह घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए महेन पीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देख महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उनकी मौत हो गई। मदनपुर थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद ने बताया कि युवक की मौत की सूचना मिली है। दोनों वाहन थाने लाए गए हैं। दो माह पूर्व दुबई से गांव आए थे रणधीर रू रणधीर उर्फमोनू सिंह पुत्र श्रीकिशुन मदनपुर थाना क्षेत्र स्थित अपने ससुराल केवटलिया आए थे। जहां से वापस अपने घर जा रहे थे। लोगों के मुताबिक वह दो माह पूर्व दुबई से आए थे। श्रीकिशुन सिंह और शीला देवी की चार संतानों राणा प्रताप, रणविजय, रत्नेश में रणधीर दूसरे नंबर के बेटे थे। उनकी शादी केवटलिया निवासी वंशबहादुर सिंह की बेटी सुप्रिया से हुई थी। दोनों के एक पुत्री अनन्या (चार वर्ष) है। सुप्रिया होली पर मायके आई थीं। सोमवार को वह पत्नी और बच्ची से मिलकर वापस घर जा रहे थे।

दहेज हत्या में तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की बाघराय थाने की पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में दर्ज मुकदमे से संबंधित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बता दें कि प्रयागराज जिले के होलागढ़ थाना इलाके के अरुआंव गांव निवासी एक व्यक्ति ने बाघराय थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि उसकी पुत्री को ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज की माँग को लेकर प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि बीते 19 जनवरी को ससुराल वालों ने उसकी पुत्री को जान से मार दिया। जिसके बाद पुलिस तहरीर के आधार पर छः लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करते हुए उनकी तलाश कर रही थी। एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय व सीओ सदर करिश्मा गुप्ता के पर्यवेक्षण में बाघराय पुलिस ने मंगलवार को चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर तीन अभियुक्तों भोला पटेल, राम सजीवन पटेल व सुभाष पटेल को थाना इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस ने मोबाइल छिनैती करने वाले को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की कन्धई पुलिस ने मोबाइल छिनैती की एक घटना का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने उसके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद किया है। बता दें कि बीते वर्ष नवम्बर महीने में आठ तारीख को दिलीपपुर थाना इलाके के शिवगढ़ गांव निवासी साइकिल सवार एक व्यक्ति घर से ड्यूटी के लिए जा रहा था। इस दौरान बहेलियापुर गांव के पास सड़क पर पीछे से आए मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने झपट्टा मारकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए। जिसके बाद पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही थी। एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी शैलेन्द्र लाल एवं सीओ पट्टी मनोज कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में कन्धई पुलिस ने कैफ रिपोर्ट व मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर थाना इलाके के मौलानी गांव में संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम देवेन्द्र कुमार उर्फ देवा बताया। तलाशी के दौरान अभियुक्त देवेन्द्र कुमार उर्फ देवा के कब्जे से एक मोबाइल बरामद हुआ, जिसे अभियुक्त ने बीते आठ नवम्बर को को बहेलियापुर बेलसंडी के पास एक युवक से झपट्टा मारकर छीना था। युवक ने स्वीकार भी किया। पुलिस ने बरामदगी के बाद मुकदमे में धारा की बढोत्तरी करते हुए आरोपी को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया।

त्योहार के साथ सहालग में खपत से बढ़ी रसोई गैस की किल्लत

देवरिया। रसोई गैस कि किल्लत के पीछे ईरान-इस्राइल युद्ध से अधिक स्थानीय कारण जिम्मेदार हैं। होली में जमकर हुई खपत के बाद घरों में सिलिंडर खाली हो गए हैं। अब अगले सप्ताह चैत्र नवरात्र शुरू हो रहा है। रमजान में भी गैस सिलिंडर की खपत है। अगले सप्ताह ईद भी है। इसी बीच लगन भी शुरू हो गई है। जिनके घरों में शादी है, वे पांच से छह सिलेंडर की डिमांड लिए घूम रहे हैं। इसी वजह से मांग अचानक तीन गुना बढ़ गई है। जिले में पिछले कई दिनों से रसोई गैस सिलेंडर के लिए गैस एजेंसियों के लोग चक्कर लगा रहे हैं। रविवार की भोर में कई एजेंसियों पर लाइन लगी थी। सोमवार को साप्ताहिक बंदी के चलते गैस एजेंसियों के गोदाम बंद थे। अब मंगलवार की भोर में लाइन लगेगी। इससे पहले सोमवार की शाम को आपूर्ति विभाग और गैस सिलिंडर की आपूर्ति करने वाली कंपनियों के अफसरों के बीच बैठक हुई।

जिले में 77 एजेंसियों, 16000 सिलेंडरों की हर दिन है खपत - इस बैठक में बताया गया कि जिले में रसोई गैस वितरण के लिए कुल 77 एजेंसियां सक्रिय हैं।

झूठा मुकदमा दर्ज कराने के आरोप में पुलिस ने किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के कोहड़ौर थाना इलाके के धन्नीपुर गांव निवासी रामचंदर के 21 वर्षीय बेटे वीरेन्द्र की बीते दिनों हुई मौत के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया था। मृतक युवक के पिता राम चंदर ने गांव के दो युवकों के साथ ही पड़ोसी गांव के एक युवक समेत तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया था। परिजनों ने हत्या का मुकदमा लिखे जाने तक शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया था। जबकि सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस युवक की मौत को हत्या नहीं बल्कि सड़क हादसा बता रही थी। इस दौरान पुलिस को न चाहते हुए भी मुकदमा दर्ज करना पड़ा था। मुकदमा दर्ज होने के बाद मामले की जांच सीओ सिटी शिवनारायण वैस ने बारीकी से की। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट, सीसीटीवी फूटेज, सीडीआर, घटनास्थल का निरीक्षण व अन्य साक्ष्य संकलन के आधार पर यह तथ्य सामने आया कि मृतक की मौत मोटरसाइकिल समेत विद्युत पोल में टकराने के कारण सड़क दुर्घटना में हुई थी। नामजद आरोपियों की घटना में संलिप्तता के साक्ष्य न मिलने पर मुकदमे से हत्या की धारा व एससी एसटी को हटाया गया। साथ ही विवेचना के दौरान यह तथ्य भी प्रकाश में आया कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करना, जबरन वसूली करना, झूठा मुकदमा लिखवाना एवं झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देना पाया गया। जिसके संबंध में धारा 61(2), 221, 223, 308 (6) बीएनएस का अपराध होना पाया गया। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दिया है। गौरतलब हो कि एसपी दीपक भूकर ने भी प्रेसवार्ता के दौरान स्पष्ट किया था कि झूठा मुकदमा लिखाने व हंगामा करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जायेगी। एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एएसपी पूर्वी शैलेन्द्र लाल व सीओ सिटी शिवनारायण वैस के नेतृत्व में थाना प्रभारी धनन्जय राय व उनकी पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त रामचन्दर पुत्र रामनरेश निवासी ग्राम धन्नीपुर को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय में पेश किया।

टाटा मैजिक ने बाइक में मारी टक्कर, अधेड़ की मौत-बाइक सवार गंभीर रुप से घायल

जन एक्सप्रेस । देवरिया

खुखुंदू क्षेत्र के बैरौना गांव निवासी पारस मिश्रा उम्र 50 वर्ष मंगलवार की सुबह किसी कार्यशव खुखुंदू चौराहे पर आए थे। उनके साथ सदर कोतवाली क्षेत्र के बदली निवासी शिवम सिंह उम्र 30 वर्ष भी पीछे बाइक पर बैठकर आया था। यहां से लौटते समय दोनों लोग बाइक लेकर अभी देवरिया सलेमपुर फोरलेन पर नरौली संग्राम पूर्व माध्यमिक विद्यालय के सामने पहुंचे थे कि देवरिया के तरफ से आ रहे टाटा मैजिक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया।

थाना क्षेत्र के नरौली संग्राम पूर्व माध्यमिक विद्यालय के सामने टाटा मैजिक ने एक बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार 50 वर्षीय अधेड़ समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर जुटी भीड़ और पुलिस ने दोनों को मेडिकल कॉलेज देवरिया भेजवाया। जहां डाक्टर ने अधेड़ को मृत घोषित कर दिया। उधर, टक्कर के दौरान मैजिक में बाइक फंस गई थी। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया।

खुखुंदू क्षेत्र के बैरौना गांव निवासी पारस मिश्रा उम्र 50 वर्ष मंगलवार की सुबह किसी कार्यशव खुखुंदू चौराहे पर आए थे। उनके साथ सदर कोतवाली क्षेत्र के बदली निवासी शिवम सिंह उम्र 30 वर्ष भी पीछे बाइक पर बैठकर आया था। यहां से लौटते समय दोनों लोग बाइक लेकर अभी देवरिया सलेमपुर फोरलेन पर नरौली संग्राम पूर्व माध्यमिक विद्यालय के सामने पहुंचे थे कि देवरिया के तरफ से आ रहे टाटा मैजिक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे दोनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और बाइक मैजिक में जा फंसीं।

घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़ ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज देवरिया भेजवाया। जहां डाक्टर ने पारस मिश्रा को मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर राहुल सिंह ने बताया कि घटना के बाद मैजिक छोड़कर चालक भाग निकला। दोनों घायलों में एक की मौत हो गई है। दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलते ही केस दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसा- बारात से घर लौट रहे थे, क्रेटा अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई

देवरिया। हादसे में कार सवार अतुल कुमार पांडेय उर्फ प्रिंस पांडेय (28) पुत्र स्व. मार्कंडेय पांडेय, निवासी वार्ड नंबर 5, टोला जेठहंसी, नगर पंचायत बरियारपुर और आकाश पाल पुत्र हरिशंकर पाल, निवासी सठियांव थाना खुखुन्दू की मौके पर ही मौत हो गई। थाना क्षेत्र के सोनू घाट से महुआनी मार्ग पर घटैला गाजी के सेमरहवा बाबा स्थान के पास सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक बारात से घर लौट रहे थे, तभी उनकी क्रेटा कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार अतुल कुमार पांडेय उर्फ प्रिंस पांडेय (28) पुत्र स्व. मार्कंडेय पांडेय, निवासी वार्ड नंबर 5, टोला जेठहंसी, नगर पंचायत बरियारपुर और आकाश पाल पुत्र हरिशंकर पाल, निवासी सठियांव थाना खुखुन्दू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मंगलवार सुबह बरियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

पुलिस ने गोवध अधिनियम के तहत एक वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की आसपुर देवसरा पुलिस ने मंगलवार को गोवध निवारण अधिनियम में वांछित एक अभियुक्त को थाना इलाके के बिनैका गांव में बन्द कोल्ड स्टोर के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ हत्या के प्रयास, डकैती का प्रयास, गोवध निवारण अधिनियम व आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। बता दें कि वर्ष- 2021 में चार सितम्बर को थाना क्षेत्र में सड़क किनारे पुलिया के पास 15 बोरों में लगभग साढ़े सात कुंतल गोवंशीय मांस बरामद किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अज्ञात अभियुक्तगण गोवंशीय पशुओं का वध कर उनके मांस को अन्य प्रांतों में बेचकर लाभ अर्जित करते हैं। इस मामले में आसपुर देवसरा थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी शैलेन्द्र लाल व सीओ पट्टी मनोज कुमार सिंह रघुवंशी के कुशल पर्वेक्षण में आसपुर देवसरा पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पट्टी थाना इलाके के देईडीह गांव निवासी अभियुक्त रामसुन्दर पुत्र सन्तराम को थाना इलाके के बिनैका गांव में बन्द कोल्ड स्टोर के पास से गिरफ्तार किया।

प्रमाणित और उच्च गुणवत्ता वाले संकर मक्का के बीज अनुदान पर उपलब्ध

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के किसानों की आय बढ़ाने और जायद-2026 सीजन में संकर मक्का की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि विभाग ने पुख्ता तैयारियां कर ली हैं। किसानों की आय में वृद्धि करने और फसल चक्र में बदलाव लाकर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के उद्देश्य से कृषि विभाग संकर मक्का की खेती को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित कर रहा है। कम समय, कम लागत और सीमित सिंचाई में बंपर पैदावार देने वाली यह फसल जिले के किसानों के लिए आर्थिक रूप से बेहद फायदेमंद साबित हो सकती है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि विभाग द्वारा राजकीय कृषि बीज भंडारों पर संकर मक्के का बीज भारी अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किसान इसका लाभ उठा सकते हैं। संकर मक्के का उपयोग न केवल खाद्यान्न के रूप में बल्कि पोल्ट्री फीड (मुर्गी दाना) और पशु आहार के रूप में भी भारी मात्रा में होता है, जिससे इसकी मांग बाजार में हमेशा बनी रहती है। जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने बताया है कि किसानों की सुविधा के लिए जिले के संडवा चन्द्रिका, पट्टी, आसपुर देवसरा, सांगीपुर, लालगंज, कुंडा, बाबागंज, बिहार व कालाकांकर स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराया गया है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बुवाई से पहले खेत की गहरी जुताई कर लें और उचित जल निकासी का प्रबंध रखें। बीज को बोने से पहले फफूंदनाशक से उपचारित अवश्य करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग पैदावार को और बढ़ा सकता है। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि ÷जिले की भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियां संकर मक्के की खेती के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। वे अपने नजदीकी राजकीय बीज भंडार पर जाकर अपना पंजीकरण कराएं और अनुदानित दर पर उन्नत किस्म का प्रमाणित बीज प्राप्त कर अपनी आय बढ़ाएं व जायद सीजन में अधिक मुनाफे के लिए संकर मक्का की खेती अवश्य करें।

कानून के बारे में महिलाओं को दी जानकारी

कुशीनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के बरई बनगवा गांव में सोमवार को मिशन शक्ति के तहत महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मौजूद बहू-बेटियों के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं को उप निरीक्षक मीरा वर्मा ने गुड टच व बैड टच के साथ ही सुरक्षा व अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जो बहू और महिलाएं थाने तक नहीं पहुंच पाती हैं। उन्हें गांवों में चौपाल के माध्यम से उनके सुरक्षा कानूनों व अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उप निरीक्षक मीरा वर्मा ने उपस्थित महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया कि सभी थानों में महिला शक्ति केंद्र बनाया गया है, जहां महिलाएं अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकती हैं। महिला अपराध से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1090, 181 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 , पुलिस की सहायता के लिए 112 के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 108 व 102 नंबरों के बारे में जानकारी दी।

डायल-112 कर्मियों व रिक्रूट आरक्षियों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में मंगलवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में डायल- 112 के कर्मियों व अधिकारियों एवं आरटीसी के रिक्रूट आरक्षियों को स्वास्थ्य संबंधी प्राथमिक उपचार, सीपीआर का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला अस्पताल के डॉ. अम्बिकेश पाण्डेय अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार प्रदान करने के विभिन्न तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डायल-112 प्रभारी निरीक्षक दौलत यादव एवं आरटीसी प्रभारी उपनिरीक्षक राजेश कुमार यादव भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सक दल द्वारा दुर्घटना, चोट, बेहोशी, रक्तस्राव तथा अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई, जिससे पुलिसकर्मी आपात स्थिति में आमजन को त्वरित सहायता प्रदान कर सकें। उक्त प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार की जानकारी देकर उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाना तथा आमजन की सहायता के लिए उन्हें और अधिक सक्षम बनाना है।

जौनपुर में देवर और ससुर के खिलाफ केस दर्ज कराने के बाद पीड़िता को घर से निकाला

- 6 महीने की मासूम बच्ची के साथ चार दिनों से घर से बाहर रही पीड़िता, एसपी से लगाई गुहार

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में शादी के एक साल बाद विवाहिता को घर से बाहर निकालने का मामला सामने आया है। छह महीने की दुधमुंही बच्ची को लेकर चार दिनों तक पीड़िता घर के बाहर पड़ी रही लेकिन इसके बावजूद परिवार वालों का दिल नहीं पसीजा। हालांकि, सोमवार को पीड़िता ने एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। दरअसल, पूरा मामला सिकरारा थाना क्षेत्र के सैदपुर डमरुआ गांव का है। सत्येंद्र मिश्र की शादी एक साल पहले जौनपुर जिले की निवासी एकता के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद एकता ने एक बेटी को जन्म दिया। आरोप है कि पति के मुंबई जाने के बाद देवर और ससुर ने पीड़िता के साथ गलत करने की कोशिश की।

देवर और ससुर पर गंभीर आरोप

पीड़िता का आरोप है कि चार मार्च की शाम वह अपनी भाभी से फोन पर बात कर रही थी। इसी दौरान उसके कमरे में उसके देवर सुजीत मिश्र घुसकर धक्का देते हुए उसे गलत नीयत से बेड पर गिरा दिए। फोन काटते हुए उसे निर्वस्त्र करने के साथ ही अश्लील और गलत कार्य करने की कोशिश की गई। ससुर शैलेन्द्र पर आरोप है कि उन्होंने बेटे सुजीत को ललकारकर मोबाइल फोन तोड़वा दिया। इतना ही नहीं पीड़िता के साथ गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। भाभी से बातचीत के दौरान अचानक फोन कटने और स्विच ऑफ बताने पर मायके वालों को संदेह हुआ। भाभी द्वारा तत्काल 1090 हेल्पलाइन पर ननद एकता के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए शिकायत की गई। आरोप है कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़िता की जान बचाई। इसके बाद पीड़िता थाने गई, उसकी शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ। शाम में पुलिस ने पीड़िता को उसके घर ले जाकर छोड़ दिया।

केस दर्ज कराने के बाद घर से निकाला

पीड़िता द्वारा देवर और ससुर के खिलाफ केस दर्ज कराने के बाद आरोप है कि परिवार वालों ने उसे घर से निकाल दिया। थाने पर शिकायत करके घर पहुंचने पर उसे घर में नहीं घुसने दिया गया। जिससे वह छह माह की मासूम बेटी को लेकर चार दिनों तक घर के बाहर और मंदिर में पड़ी रही। आरोप है कि महिला हेल्पलाइन पर शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करने पर सोमवार को पीड़िता एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई।

कार्रवाई का आश्वासन

जौनपुर के एसपी कुंवर अनुपम सिंह से मिलकर शिकायत करने के बाद पीड़िता ने बताया कि एसपी द्वारा कार्यवाही और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आश्वासन दिया गया है। पीड़िता का कहना है कि एसपी के हस्तक्षेप के बाद अब उसे उम्मीद है कि सिकरारा थाने की पुलिस इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए सख्त कार्रवाई करेगी।

जौनपुर प्रेमी से शादी की जिद में युवती चढ़ी हाईटेंशन पोल, पुलिस ने समझाकर उतारा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर शाहगंज,कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवती प्रेमी से शादी कराने की जिद में हाईटेंशन विद्युत पोल पर चढ़ गई। युवती को पोल पर चढ़ा देख ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाने-बुझाने के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया। बताया जाता है कि 19 वर्षीय युवती का आजमगढ़ जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र के नंदाव गांव निवासी एक युवक से काफी समय से प्रेम संबंध था। परिजनों को जानकारी होने पर तीन महीने पहले उन्होंने इसका विरोध किया, जिसके बाद युवती प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। पुलिस ने जनवरी में दोनों को बरामद कर लिया था। युवती के परिजनों की शिकायत पर युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया था। कुछ समय पहले युवक के जमानत पर छूटने की खबर मिलने के बाद युवती फिर उससे शादी करने की जिद पर अड़ गई। परिजनों ने दोनों के अलग-अलग समुदाय से होने का हवाला देकर विवाह से इनकार कर दिया। इससे नाराज युवती आजमगढ़ जनपद की सीमा से सटे बैरकडीह गांव के पास स्थित हाईटेंशन बिजली पोल पर चढ़ गई और प्रेमी से शादी कराने की मांग करने लगी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक केके सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। काफी देर तक समझाने के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतारा गया। इसके बाद पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

एसएसपी का कड़ा प्रहार: एसएसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बरती बड़ी सख्ती

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर लाइन बाजार एसएचओ सतीश कुमार सिंह को किया गया निलंबित कर्तव्यों के प्रति ढिलाई बरतने पर एसएसपी ने की बड़ी कार्रवाई। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद लिया गया कड़ा फैसला। एसएसपी की सीधी चेतावनी काम में कोताही करने वाले पुलिसकर्मी अब खैर नहीं मनाएं। अनुशासनहीनता और लापरवाही पर जौनपुर पुलिस का 'एक्शन मोड' थानेदारों को दी गई कड़ी हिदायत, जनता की सुरक्षा सर्वोपरि। एसएसपी ने साफ किया– दोषी पाए जाने पर होगी सीधी बर्खास्तगी।

जिलाधिकारी को सर्वण आर्मी के प्रदेश सचिव ने सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को सर्वण आर्मी के प्रदेश सचिव प्रवीण तिवारी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओ ने डीएम डॉ दिनेश चन्द्र से मुलाकात करके भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष के द्वारा बदलापुर विधायक रमेश चन्द्र मिश्रा के ऊपर अमर्यादित टिप्पणी को लेकर एक पत्र कर कार्यवाही की मांग की है। प्रदेश सचिव प्रवीण तिवारी ने कहा कि खुटहन थाना क्षेत्र के कुशहा गांव निवासी अनुसूचित जाति के युवक राजीव उर्फ रज्जू की मौत पिटाई से नहीं, बल्कि फेफड़ों में संक्रमण के कारण हुई है। रविवार को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। शाहगंज के क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने इसकी जानकारी दी है। इस मामले में भीम आर्मी पर सवर्ण समुदाय के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि पुलिस प्रशासन के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए वर्तमान विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा पर भी टिप्पणी की गई। उन्होंने कहा कि भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष द्वारा इस प्रकार के आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराने से सवर्ण समाज आहत है।प्रवीण तिवारी ने मांग की है कि यदि कोई दोषी है तो उसे सजा मिलनी चाहिए, लेकिन निर्दोष को फंसाया न जाए, ताकि जिले में अमन-चैन की स्थिति बनी रहे। उन्होंने संविधान का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि को जाति या धर्म के आधार पर निशाना बनाना गलत है।

मानव जीवन का मूल उद्देश्य ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति अन्यथा मानव पशु के समान

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर खुटहन इमामपुर गांव में मंगलवार को आयोजित वार्षिक धन निरंकारी संत समागम में भदोही से पधारे ज्ञान प्रचारक राजेश जी महराज ने कहा कि मानव जीवन का मूल उद्देश्य ब्रह्मज्ञान प्राप्त करना है। तभी यह जीवन सार्थक हो पायेगा। यही ज्ञान मानव और पशुवत व्यवहार को अलग करता है। उन्होंने कहा कि आज मानव अपने मूल उद्देश्य से भटक रहा है। वह पूजा पाठ भी करता है तो स्वयं के कल्याण की कामना न कर भौतिक साधनों घर, गाड़ी, बेटा बेटी की नौकरी,धन दौलत और शारीरिक सुख चाहता है। यही उसकी सबसे बड़ी भूल है। उसे नहीं पता कि ब्रह्मज्ञान से उसकी दशा और दिशा दोनों बदल जायेगी?। इस लिए इंसान को अपने ईष्ट से स्वयं के कल्याण की कामना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि ज्ञान की प्राप्ति कहां से होगी। उसके लिए हमें क्या उपाय करना होगा। ब्रह्मज्ञान प्राप्ति की सीढ़ी का पहला पायदान सद्गुरु होता है। उसके बताए रास्ते पर पूरे विश्वास के साथ चलकर प्राप्त किया जा सकता है। प्रभु दूर नहीं है,या तो तुम उन्हें दूर से देख रहे हो या उन्हें गुरूर से देख रहे हैं। इस मौके पर कृष्णा प्रसाद श्रीवास्तव, शंकर दयाल मुखी, डॉ आरपी सिंह,विनोद यादव ,संतलाल सोनी प्रधान, अमित सोनी,, मनोज सोनी, मुलायम सोनी, आनन्द सोनी,राम अचल,राधा सोनी आदि मौजूद रहीं। संचालन राजित राम ने किया। आयोजक शिवशंकर सेठ ने सभी आगतो का स्वागत किया।

निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर सम्पन्न, 80 मरीजों की जांच, 7 मरीज ऑपरेशन हेतु वाराणसी भेजे गए

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर गुरुक्षेत्र फाउंडेशन, जौनपुर एवं आर.जे. शंकरा नेत्र चिकित्सालय, वाराणसी (श्री कांची कामकोटि मेडिकल ट्रस्ट की इकाई) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10 मार्च 2026 को बाबा जी की कुटिया, मछलीशहर पड़ाव, जनपद जौनपुर में निःशुल्क नेत्र जांच परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 80 मरीजों की नेत्र जांच विशेषज्ञ चिकित्सकीय दल द्वारा की गई, जिनमें से 7 पात्र मरीजों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु किया गया। चयनित मरीजों को संस्था द्वारा निःशुल्क वाहन सुविधा के माध्यम से आर.जे. शंकरा नेत्र चिकित्सालय, वाराणसी भेजा गया, जहां उनके रहने, भोजन, दवा, ऑपरेशन तथा आवागमन की समस्त व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करने हेतु अस्पताल की टीम में कैंप ऑर्गेनाइजर पंकज त्रिपाठी, मुख्य नेत्र चिकित्सक डॉ. अनीशा के नेतृत्व में दृष्टि शंकु तकनीशियन मुस्कान डी तथा नर्सिंग स्टाफ अर्चना पाल सहित अन्य सहयोगी कर्मी उपस्थित रहे। इस निःशुल्क सेवा शिविर के आयोजन से क्षेत्रीय नागरिकों में विशेष उत्साह एवं संतोष का वातावरण देखा गया तथा लोगों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकीय दल का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग देने वाले वॉलिंटियर्स एवं सदस्यों को प्रमाण-पत्र एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में इंद्रदमन उपाध्याय, राजेश उपाध्याय, विमलेश उपाध्याय, शुभम चतुर्वेदी, गोरखनाथ उपाध्याय, आलोक उपाध्याय, अजीत मिश्रा, अनुपम उपाध्याय, अयोध्या पांडेय, शीलवंत सिंह, अतुल मिश्रा, विराट मिश्रा, सजल मौर्या, अंशिका मौर्या सहित संस्था के कार्यकर्ता, सदस्य एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विशाल श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के एक पदाधिकारी ने कहा कि गुरुक्षेत्र फाउंडेशन द्वारा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद नागरिकों तक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु इस प्रकार के जनहितकारी शिविर निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। जनसहभागिता एवं सहयोग के माध्यम से संस्था सामाजिक सेवा के कार्यों को और व्यापक स्तर पर संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुरानी योजनाओं पर फिर फीता कटान! मंत्री कर चुके उद्घाटन, अब वही काम दोबारा कर वाहवाही लूटने का आरोप

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर जनपद में विकास कार्यों के नाम पर पहले से उद्घाटित योजनाओं का दोबारा उद्घाटन किए जाने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामला वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी परिसर से जुड़ा है, जहां जिन योजनाओं का उद्घाटन पहले ही प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए0के शर्मा द्वारा किया जा चुका था, उन्हीं योजनाओं का एक बार फिर से फीता काटकर उद्घाटन किया गया। बताया जा रहा है कि हाल ही में मनोरम मौर्या,अध्यक्षा जौनपुर नगर पालिका परिषद, द्वारा उन्हीं कार्य योजनाओं का दोबारा उद्घाटन किया गया और इसे विकास कार्यों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय लोगों और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि जिन योजनाओं का उद्घाटन पहले ही मंत्री स्तर से हो चुका है, उनका दोबारा उद्घाटन कराना कहीं न कहीं अपनी उपलब्धि दिखाने और अपनी पीठ थपथपाने की कोशिश नजर आता है। आलोचकों का कहना है कि ऐसे आयोजनों से यह सवाल खड़ा होता है कि क्या यह वास्तविक विकास है या फिर जनता को भ्रमित करने की कोशिश। स्थानीय लोगों का मानना है कि अगर योजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी थीं, तो उसी कार्य का दोबारा उद्घाटन कर प्रचार करना जनता को गुमराह करने जैसा प्रतीत होता है। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर जनपद में चर्चाओं का दौर जारी है और लोग यह जानना चाहते हैं कि पहले से उद्घाटित योजनाओं का दोबारा उद्घाटन आखिर किस उद्देश्य से किया गया और इससे जनता को क्या वास्तविक लाभ मिलने वाला है।

कुकर बेचने के बहाने घर में घुसा बदमाश, बुजुर्ग महिला की चेन छीनी, ग्रामीणों ने दौड़ाकर दबोचा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर जफराबाद क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में मंगलवार दोपहर एक बदमाश कुकर-कड़ाही बेचने के बहाने घर में घुसकर बुजुर्ग महिला की सोने की चेन छीनकर भागने लगा। महिला के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। गांव निवासी ज्ञान देवी पत्नी स्व. उमाशंकर राय घर पर अकेली थीं। इसी दौरान बाइक सवार एक युवक कुकर और कड़ाही बेचने के बहाने उनके दरवाजे पर पहुंचा और सामान खरीदने के लिए कहने लगा। बातचीत के दौरान उसने घर के अंदर नजर दौड़ाई और किसी अन्य व्यक्ति को न देखकर अचानक घर में घुस गया। आरोप है कि युवक ने वृद्धा का गला और मुंह दबाकर उनके गले से सोने की चेन खींच ली। इस दौरान वृद्धा के होंठ कट गए और खून निकलने लगा। घटना को अंजाम देने के बाद वह बदमाश भागकर अपनी बाइक के पास पहुंचा और वहां से फरार होने लगा। वृद्धा के शोर मचाने पर आसपास के लोग उसे पकड़ने के लिए दौड़ पड़े। इसी दौरान अंकित विश्वकर्मा और सुभाष विश्वकर्मा ने साहस दिखाते हुए बाइक से भाग रहे बदमाश को पकड़ लिया। देखते ही देखते अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही पास ही कल्याणपुर बाजार में मौजूद एसआई विजय प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने आरोपी को बाइक, चाकू और अन्य सामान के साथ हिरासत में ले लिया। पकड़े गए युवक ने अपना नाम कन्हैया पांडेय पुत्र राजदेव पांडेय निवासी कपिया निजामत थाना महराजगंज, जिला सिवान (बिहार) बताया। उसने बताया कि वह आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र के पास रहकर आता-जाता रहता है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

जौनपुर डीएम पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाया 50 हजार का जुर्माना

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। जौनपुर ग्राम सभा की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर की गई शिकायत में लापरवाही बरतने के चलते लगा जुर्माना कोर्ट के आदेश के उल्लंघन पर जौनपुर डीएम पर लगा जुर्माना, 1966 से करीब छह बीघा सरकारी जमीन खाली कराने के लिए पीड़ित सत्य प्रकाश दुबे ने की थी शिकायत, 2023 में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामला, इसके बावजूद कोर्ट के आदेश का किया गया उल्लंघन, सदर तहसील क्षेत्र के कंधरपुर गांव की सरकारी जमीन का है मामला

परसरामपुर पुलिस की कार्रवाई, अवैध शराब के साथ आरोपी को दबोचा

जन एक्सप्रेस । बस्ती

थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय की सख्ती, कारोबारियों में हड़कंप

थाना परसरामपुर क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय के नेतृत्व में पुलिस टीम बीते दो दिनों से लगातार कार्रवाई करते हुए कच्ची शराब के धंधे में लिप्त लोगों पर शिकंजा कस रही है। पुलिस की इस सख्ती से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय ने स्पष्ट कहा है कि क्षेत्र में चल रहे कच्ची शराब के अवैध कारोबार को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस धंधे में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और आने वाले दिनों में इस अवैध कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जनपद बस्ती में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत अवैध कारोबारियों के खिलाफ लगातार निगरानी, दबिश और कार्रवाई की जा रही है, जिससे क्षेत्र में अवैध धंधा करने वालों में खलबली मची हुई है। पुलिस अधीक्षक बस्ती डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराध व अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना परसरामपुर क्षेत्र में भी पुलिस लगातार सक्रिय नजर आ रही है। थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और विशेष चेकिंग अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है। कच्ची शराब के अवैध कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए थाना परसरामपुर पुलिस लगातार दबिश और कार्रवाई कर रही है, जिससे क्षेत्र में अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे मामलों में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी अभियान के तहत थाना परसरामपुर पुलिस ने बाबागंज बाजार क्षेत्र से करीब 15 लीटर अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 15 लीटर अवैध शराब बरामद हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 75/2026 धारा 60(1) उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पत्नी की मौत के सदमे में युवक ने दी जान, पंखे से लटकता मिला शव

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर जफराबाद क्षेत्र के बैजाबाद गांव में सोमवार देर रात एक युवक ने पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि गांव निवासी 30 वर्षीय सूरज चौहान पुत्र बाबूराम चौहान की डेढ़ वर्ष पहले शादी हुई थी। वह अपनी पत्नी के साथ मुंबई में रहकर रोजी-रोटी कमाता था। करीब दो माह पूर्व उसकी पत्नी ने मुंबई में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पत्नी का अंतिम संस्कार करने के बाद सूरज घर लौट आया था और तभी से वह मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगा था। परिजनों के अनुसार सोमवार रात भोजन करने के बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया। मंगलवार सुबह देर तक दरवाजा न खुलने पर परिजनों को शंका हुई। जब अंदर जाकर देखा तो वह पंखे से साड़ी के सहारे फंदे से लटका मिला। बताया जाता है कि उसने बेड पर स्टूल रखकर यह कदम उठाया। परिजनों का कहना है कि पत्नी की मौत के बाद से वह अक्सर नशे में रहने लगा था और मानसिक तनाव में रहता था। वह चार भाइयों में सबसे छोटा था। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार का मामला पहुंचा मुख्यमंत्री के दरबार में

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर केराकत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) केराकत के चिकित्सा अधीक्षक, स्टाफ नर्स और आशा कार्यकताओं पर मिलीभगत कर मरीजों को निजी अस्पतालों में रेफर करने तथा उनसे मोटी रकम वसूलने का गंभीर आरोप सामने आया है। इस सम्बन्ध आर. जी. आर. एस. के जरिये साकिन मौजा जमीन रूधौली अर्जनपुर थाना खेतासराय, जौनपुर निवासी जंग बहादुर पुत्र मिठाई लाल नें इस सम्बन्ध में लिखीत शिकायत दर्ज कराई है। इनके साथ भाजपा नेता जौनपुर एवं कोषाध्यक्ष ठाकुर भानू प्रताप सिंह, भी रहे। और इसी सम्बन्ध में इसकी शिकायत अकबरपुर गांव निवासी कमलेश पुत्र सीताराम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर सहित शासन के उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर जांच की मांग की है। शिकायतकर्ता कमलेश ने आरोप लगाया कि सीएचसी केराकत में कार्यरत चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार कनौजिया, स्टाफ नर्स अंकिता पांडे, सुनीता राम सहित कुछ आशा कार्यकर्ता मिलकर मरीजों को निजी क्लीनिकों में भेजते हैं। इसके बदले निजी अस्पताल संचालकों से मोटी रकम लेकर मरीजों और उनके परिजनों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित दुर्गावती पाली क्लीनिक, कृष्णा बाल चिकित्सालय, स्टेट बैंक के पीछे रियांन्स पाली क्लीनिकल, जेपी नारायण पाली क्लीनिक तथा बुआ सिटी पाली क्लीनिक में मरीजों को रेफर किया जाता है। आरोप है कि इन क्लीनिकों में अधिकतर मामलों में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा इलाज और ऑपरेशन किए जा रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार विशेष रूप से प्रसव के मामलों में यह खेल ज्यादा देखने को मिल रहा है। रात्रि में डिलीवरी के लिए आने वाली महिलाओं को सामान्य प्रसव न कराकर सीजर ऑपरेशन की सलाह देकर निजी अस्पतालों में भेज दिया जाता है। आशा कार्यकताओं के माध्यम से मरीजों के परिजनों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पताल ले जाया जाता है, जहां उनसे भारी रकम वसूली जाती है। आरोप है कि वसूली गई रकम का बंटवारा संबंधित स्टाफ और निजी अस्पताल संचालकों के बीच किया जाता है। कमलेश ने यह भी आरोप लगाया कि जिन निजी क्लीनिकों में मरीजों को भेजा जाता है, उनमें से कई का मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण भी नहीं है। इसके बावजूद वहां झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा ऑपरेशन तक किए जा रहे हैं। कई अस्पतालों में केवल नाम मात्र के डॉक्टरों के बोर्ड लगे हैं, जबकि वास्तविकता में वे डॉक्टर वहां मौजूद नहीं रहते। शिकायतकर्ता ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, स्वास्थ्य मंत्री तथा उपजिलाधिकारी केराकत को प्रार्थना पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान सीएचसी केराकत और संबंधित निजी अस्पतालों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी शामिल की जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि संयुक्त टीम गठित कर मामले की गहन जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और निजी अस्पताल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही बिना पंजीकरण संचालित हो रहे निजी नर्सिंग होम और क्लीनिकों को बंद कराया जाए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों के साथ न्याय हो सके।

कुदरहा ब्लॉक में शिक्षकों ने टेट अनिवार्यता के विरोध में भेजी पाती

जन एक्सप्रेस । बस्ती

टेट की अनिवार्यता समाप्त किये जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के आवाहन पर कुदरहा विकास खंड के शिक्षकों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री (उ.प्र.) तथा नेता प्रतिपक्ष भारत और उत्तर प्रदेश को पाती भेजकर टेट की अनिवार्यता समाप्त किये जाने की मांग उठाई। शिक्षकों का कहना है कि टेट की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाना चाहिए। यह जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि कुदरहा विकास खंड में ब्लॉक अध्यक्ष चन्द्रभान चौरसिया के नेतृत्व में शिक्षकों ने विद्यालयवार भ्रमण कर साथियों को टेट समस्या से उत्पन्न स्थितियों की जानकारी दी और पाती पर हस्ताक्षर कराकर संबंधित अधिकारियों को डाक व ईमेल के माध्यम से भेजा। इस अभियान में बुधिराम यादव, कृष्ण कुमार चौधरी, रविन्द्रनाथ वर्मा सहित अनेक शिक्षक शामिल रहे। शिक्षकों ने कहा कि टेट की अनिवार्यता से उत्पन्न समस्याओं को देखते हुए सरकार को इस पर गंभीरता से विचार कर निर्णय लेना चाहिए।

कानून व्यवस्था पर सख्त एसपी! लाइन बाजार इंस्पेक्टर सस्पेंड, लापरवाही पर चला पुलिस अधीक्षक का डंडा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

जौनपुर जनपद में कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष लाइन बाज़ार के इंस्पेक्टर सतीश कुमार सिंह को कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार बीते कुछ दिनों में लाइन बाजार थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही थी। कानून व्यवस्था को लेकर मिल रही शिकायतों और कार्य में शिथिलता को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने यह कड़ा कदम उठाया। इंस्पेक्टर सतीश कुमार सिंह के निलंबन की पुष्टि पुलिस अधीक्षक के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर (पीआरओ) द्वारा भी की गई है। फिलहाल उनके स्थान पर किसी नए थानाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की गई है। पुलिस अधीक्षक की इस कार्रवाई के बाद जनपद के अन्य थानेदारों में हड़कंप मच गया है। माना जा रहा है कि अब कानून व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारी तय करते हुए सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस कार्रवाई से साफ संदेश गया है कि अब जनपद में लापरवाही करने वाले थानेदारों पर पुलिस अधीक्षक की सीधी नजर है और व्यवस्था सुधारने के लिए सख्ती जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की फरवरी माह की रैंकिंग में जनपद ने पूरे उत्तर प्रदेश में चौथे स्थान पर

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और निर्देश में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण की दिशा में जनपद लखीमपुर खीरी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसी का परिणाम है कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की फरवरी माह की रैंकिंग में जनपद ने पूरे उत्तर प्रदेश में 'चतुर्थ' स्थान प्राप्त किया है। साथ ही आईजीआरएस में सितंबर माह से लगातार छह माह तक लखनऊ मंडल में प्रथम स्थान हासिल कर जिला प्रशासन ने अपने कार्य की प्रभावी कार्यशैली और जवाबदेही का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के नेतृत्व में यह स्पष्ट हो गया है कि जनपद में योजनाएं केवल कागज़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं और जन शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। यानी काम का असर दिख रहा है और शासन की सेवा समय पर जनता तक पहुंच रही है। सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग के आंकड़ों के अनुसार जिले ने आधारभूत विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश में छठा स्थान प्राप्त किया। राजस्व विभाग ने भी बेहतर प्रदर्शन कर राज्यभर में छठा स्थान प्राप्त कर मिसाल कायम की है। वही आईजीआरएस रैंकिंग में छह महीने की लगातार हैट्रिक ने दिखा दिया कि खीरी प्रशासनिक कार्यकुशलता का परचम फहराने वाला जिला है। आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण, जनसुनवाई और ऑनलाइन फीडबैक की कड़ी निगरानी ने खीरी को लखनऊ मंडल में अव्वल बना दिया।

डीएम बोलीं, जनता का विश्वास और टीम की मेहनत का परिणाम है जिले का प्रदेश में शानदार प्रदर्शन

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि फरवरी माह में भी सीएम डैशबोर्ड और आईजीआरएस की रैंकिंग में जनपद लखीमपुर खीरी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मा.मुख्यमंत्री जी के विजन के अनुरूप योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाया, आगे भी यह क्रम अनवरत जारी रहेगा। डीएम ने कहा कि जनता की शिकायतों का प्रभावी और संवेदनशील निस्तारण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह उपलब्धि जिले की पूरी प्रशासनिक टीम की सामूहिक मेहनत और जनता के भरोसे का परिणाम है। हमने यह साबित किया है कि जब टीमवर्क और ईमानदारी साथ हो, तो हर लक्ष्य संभव है। कहा कि सीडीओ, दोनों एडीएम, सभी एसडीएम और जिला स्तरीय अधिकारियों के बीच निरंतर समन्वय बैठकों, विभागवार समीक्षा और डैशबोर्ड मॉनिटरिंग ने सफलता की मजबूत नींव रखी है। प्रत्येक विभाग को शून्य लंबित शिकायत का लक्ष्य सौंपा गया था, जिस पर लगातार फॉलोअप ने अद्भुत परिणाम दिए हैं।

लखनऊ मंडल में रैंकिंग में लखीमपुर खीरी का दबदबा

लखनऊ मंडल के 6 जिलों की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में लखीमपुर खीरी ने चौथा स्थान हासिल कर मंडल में पहला स्थान दर्ज किया। इसके बाद हरदोई 23वें, सीतापुर 26वें, उन्नाव 53वें, रायबरेली 51वें और लखनऊ 75वें स्थान पर रहे।

जनशिकायत निस्तारण में मितौली बनी मॉडल

जनपद की मितौली तहसील ने आईजीआरएस रैंकिंग में पूरे प्रदेश की 351 तहसीलों में पहला स्थान हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। फरवरी माह की तहसील स्तरीय मूल्यांकन रिपोर्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए, मितौली ने प्रदेश भर की सभी तहसीलों को पीछे छोड़ते हुए, शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि से न केवल जनपद बल्कि पूरे लखनऊ मंडल का नाम भी रोशन हुआ। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के सतत मार्गदर्शन और प्रभावी मॉनिटरिंग में शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष फोकस किया गया। तहसील मितौली में एसडीएम मधुसूदन गुप्ता के नेतृत्व में राजस्व एवं प्रशासनिक टीम ने पारदर्शिता, जवाबदेही, समयबद्ध समाधान को प्राथमिकता दी। मौके पर जांच, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के चलते तहसील ने प्रदेश में नंबर वन का स्थान हासिल किया।

कुख्यात ड्रग माफिया गिरफ्तार: पलिया पुलिस ने 22 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ विक्की नेपाली को पकड़ा

जन एक्सप्रेस। सुनहरा

लखीमपुर खीरी। जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पलिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कुख्यात ड्रग माफिया विक्की नेपाली को लगभग 22 ग्राम ब्राउन शुगर स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक खीरी ख्याति गर्ग के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) और क्षेत्राधिकारी पलिया के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष पलिया पंकज त्रिपाठी के नेतृत्व वाली टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्की गुप्ता उर्फ विक्की नेपाली 34 वर्षीय पुत्र बेचू राम के रूप में हुई है। वह मूल रूप से सुल्तानपुर जिले के ग्राम ज्ञानीपुर का निवासी है और वर्तमान में पलिया थाना क्षेत्र के थारू पुरवा मजरा मकनपुर में रह रहा था।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 21.8 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा, बिक्री के 4,850 रुपये नगद, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (UP-31-CH-6193) भी बरामद की गई है। मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया है।पुलिस के अनुसार,आरोपी का एक लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ पलिया थाने में चोरी, एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने विक्की नेपाली के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/23 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। अब पुलिस उससे पूछताछ कर इस ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और उनके ठिकानों की जानकारी जुटाने में लगी है।

मां की हत्या का आरोपी बेटा गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

मैगलगंज पुलिस ने मां की हत्या के मामले में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 17 फरवरी को अपनी मां की गला दबाकर हत्या कर दी थी और शव को पंखे से लटकाकर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया था।पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी मितौली के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक मैगलगंज के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वांछित आरोपी योगेश उर्फ नन्हे पुत्र रमेश कुमार को औरंगाबाद चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। योगेश दीक्षितपुर, थाना मैगलगंज का निवासी है। पुलिस के अनुसार, 17 फरवरी को रमेश कुमार ने सूचना दी थी कि उनकी पत्नी उर्मिला देवी (58) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उर्मिला देवी की गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद 18 फरवरी को दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि बेटे योगेश उर्फ नन्हे ने अपनी पहली पत्नी के घर न आने से नाराज होकर मां के साथ मारपीट की और गला दबाकर उनकी हत्या कर दी। बाद में उसने शव को साड़ी से गले में बांधकर कमरे में पंखे से लटका दिया, ताकि इसे आत्महत्या का मामला दिखाया जा सके।पुलिस ने इस मामले में मु0अ0सं0 82/2026 धारा 103(1)/238(1)/351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया था। काफी प्रयासों के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय में पेश कर दिया है। आरोपी योगेश के खिलाफ पूर्व में भी हत्या के प्रयास और मारपीट सहित अन्य मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।

अज्ञात वाहन ने मां-बेटी को मारी टक्कर, मां गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

बेहजम क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसे में साइकिल सवार मां-बेटी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस घटना में मां गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार, सीतापुर जनपद के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के नौरंगपुर निवासी मैना देवी (पत्नी सुरेश चंद) अपनी पुत्री पल्लवी के साथ साइकिल से बेहजम कस्बे की ओर जा रही थीं। जब वे भूलनपुर के पास पहुंचीं, तभी बेहजम की तरफ से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि मां-बेटी दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। इस हादसे में मैना देवी को गंभीर चोटें आईं, जबकि उनकी पुत्री पल्लवी को मामूली खरोंचें आईं।हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बेहजम पुलिस चौकी प्रभारी संदीप यादव और दीवान निसार अहमद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहजम पहुंचाया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहजम में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने मैना देवी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल ओयल मोतीपुर रेफर कर दिया। पुलिस घटना की जानकारी जुटा रही है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

सीडीओ का एआरटीओ कार्यालय पर छापा, ऑपरेटर बर्खास्त

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अभिषेक कुमार ने एआरटीओ कार्यालय पर औचक छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान एक कंप्यूटर ऑपरेटर की सेवाएं समाप्त कर दी गई, जबकि एक युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर सीडीओ अभिषेक कुमार ने कार्यालय पहुंचते ही मुख्य गेट बंद कराकर जांच शुरू की। जांच के दौरान बेहजम क्षेत्र के कैमाखादर निवासी इश्तियाक अपने साथ रवि पुत्र प्रेमशंकर के साथ वाहन ट्रांसफर कराने के लिए मौजूद था।पूछताछ में रवि ने पहले खुद को रिश्तेदार बताया, लेकिन सख्ती करने पर उसने काम कराने के लिए पैसे लेने की बात स्वीकार की। इस पर सीडीओ ने एआरटीओ को रवि के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।इसी क्रम में, अर्जुनपुरवा निवासी शुभम गुप्ता ने शिकायत की कि ड्राइविंग लाइसेंस को लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) में बदलने के लिए निर्धारित 400 रुपये के बजाय 1500 रुपये लिए गए हैं। शिकायत मिलने पर सीडीओ तुरंत इंस्टेंट सॉल्यूशन सेंटर काउंटर पहुंचे। वहां कंप्यूटर ऑपरेटर कमर अली ने 1500 रुपये लेने की बात स्वीकार कर ली। तलाशी में पैसे भी बरामद हुए, जिसके बाद सीडीओ ने उसकी सेवाएं तत्काल समाप्त करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान राधेश्याम नामक एक व्यक्ति ने बताया कि वह नवंबर से अपनी गाड़ी का बंधक कटवाने के लिए कार्यालय के चक्कर लगा रहा है, लेकिन उसका काम नहीं हो रहा है। इस पर सीडीओ संबंधित काउंटर पर पहुंचे, जहां कनिष्ठ सहायक आशीष श्रीवास्तव कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सीडीओ ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए।सीडीओ अभिषेक कुमार ने इस संबंध में कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही, भ्रष्टाचार या दलाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पति ने पत्नी की पीटकर हत्या की: शराब के नशे में की वारदात, आरोपी मौके से फरार

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

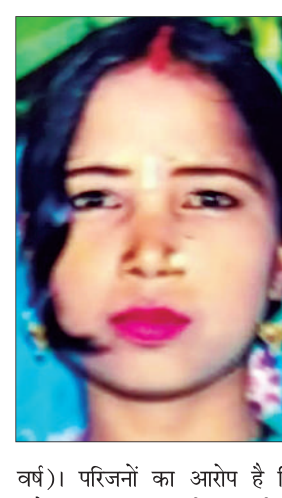

मझगई थाना क्षेत्र के मोतीपुरवा गांव में एक पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर और गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी पति नागेश घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना सोमवार रात की है। जानकारी के अनुसार,नागेश ने शराब के नशे में अपनी 36 वर्षीय पत्नी क्रांति देवी की लात-घूसों और डंडे से पिटाई की। आरोप है कि मारपीट के दौरान उसने पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। मंगलवार सुबह पड़ोसियों से सूचना मिलने पर मृतका के पिता सुरेश गौतम (निवासी बेला कलां) अपनी बेटी के ससुराल पहुंचे। उन्होंने अपनी बेटी का शव देखा। घटना के समय घर में मृतका के तीन बच्चे मौजूद थे।क्रांति देवी की शादी करीब 18 वर्ष पहले नागेश से हुई थी। दंपति के तीन बेटे हैं: आशीष कुमार (14 वर्ष), अनुज (8 वर्ष) और अनूप कुमार (5 वर्ष)। परिजनों का आरोप है कि नागेश अक्सर शराब पीकर पत्नी के साथ मारपीट करता था। पिछले वर्ष जुलाई में भी मारपीट की शिकायत पुलिस से की गई थी, जिसके बाद समझौता हो गया था।थाना प्रभारी राजू राव ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक्सप्रेस खबरें...

बच्चा गंदे पानी के गड्ढे में गिरने से घायल

जन एक्सप्रेस। नवाबगंज, उन्नाव। घर के बाहर खेल रहा बच्चा अचानक गंदे पानी के गड्ढे में गिरने से घायल हो गया। परिजन आनन फानन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के जरुआखेड़ा गांव निवासी मोहित का एक वर्षीय बेटा प्रियांशु मंगलवार को घर के बाहर खेल रहा था। मोहित ने बताया कि दोपहर में प्रियांशु खेलते खेलते अचानक घर बने नाबदान के गड्ढे में गिर गया। आनन फानन उसे गंदे पानी के गड्ढे से निकाल कर परिजन निजी साधन से सीएचसी नवाबगंज ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

आईपीएस सुमेध जाधव ने कल्याणपुर थाने का संभाल चार्ज

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर। थाना कल्याणपुर में नए प्रभारी निरीक्षक का पदभार संभालने आए आईपीएस सुमेध जाधव जो कि 2023 बैच के है ने ट्रेनिंग पीरियड में दौरान ही पहली पोस्टिंग पाई और क्षेत्र में रहने वाले पत्रकारों से सामंजस्य स्थापित किया । आईपीएस सुमेध ने बताया क्षेत्र का पदभार लेने के बाद उनकी प्राथमिकता सुगम यातायात व्यवस्था , उत्तर प्रदेश शासन की योजनाएं , सुद्रण कानून व्यवस्था और सबसे बड़ी समस्या सूखा नशा यानी गांजा और चरस पर पैनी निगाह रखेंगे । पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी वहीं महिला अपराधों में लिप्त दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा । व्हाट्सएप पर भ्रामक सूचनाएं देने वालो पर कठोर कार्यवाही की जाएगी वहीं अगर कोई पुलिसकर्मी अपराध में लिप्त है तो उसको भी बख्शा नहीं जाएगा।

किरायेदारों के विवाद में लाठी-रॉड से हमला, मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र की नई बस्ती मिर्जापुर में किरायेदारों के बीच हुए विवाद में युवक और उसके साले पर लाठी व लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया। ग्राम मुनौवरपुर निवासी श्रीराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने साले देव उर्फ ऋषभ यादव के साथ किराये पर रहता है। आरोप है कि 3 मार्च को दरवाजा खोलने को लेकर लाखन के पुत्र मनीष और पत्नी ममता ने गाली-गलौज करते हुए दोनों पर रॉड से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर पर चोट आई। इसके बाद 4 मार्च को मकान मालिक धीरज उर्फ मुकेश ने भी पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने लाखन, ममता, मनीष और धीरज उर्फ मुकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

श्री तीर्थ पुरोहित गंगा सभा बिठूर द्वारा सुंदरकांड का आयोजन

जन एक्सप्रेस। बिठूर। गंगा मेला के पावन पर्व पर बिठूर के ब्रह्मावर्त घाट प्रांगण में श्री तीर्थ पुरोहित गंगा सभा द्वारा भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर परंपरागत लैबंध तरीके से कलाकारों द्वारा सुंदरकांड का आयोजन हुआ। सुंदरकांड का आयोजन सुरेंद्र शुक्ला एंड पार्टी के द्वारा किया गया।

आयोजन से पूर्व सभी उपस्थित लोगों को गुलाल लगाकर गंगा मेला की बधाई दी गई। इस मौके पर बोलते हुए तीर्थ पुरोहित गंगा सभा के अध्यक्ष शिवदीन द्विवेदी ने सभी उपस्थित लोगों को बधाई दी। वही समिति के महामंत्री शिवकुमार दीक्षित उर्फ बाली ने उपस्थित लोगों से हर वर्ष परंपरागत तरीके से ऐसे ही गंगा मेले को संपन्न करने के लिए आवाहन किया। सुंदरकांड कार्यक्रम के बाद भजन संध्या का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य पुजारी देव कुमार, उदय नारायण, भान शंकर शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर जुर्माना, एसडीएम कार्यालय के सामने युवक का 500 रुपये का चालान

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। सार्वजनिक स्थान पर थूकने के आरोप में एक युवक पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई सदर एसडीएम कार्यालय के सामने हुई। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे सदर तहसील परिसर में हुई। दिनेश नामक युवक ने एसडीएम कार्यालय के पास थूक दिया था।मौके पर मौजूद लोगों ने युवक के इस कृत्य का विरोध किया, जिसके बाद युवक उनसे बहस करने लगा। सूचना मिलने पर सदर एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और दिनेश पर 500 रुपये का चालान काटा।एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से साफ-सफाई का ध्यान रखने और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने की अपील भी की।

उच्च प्राथमिक विद्यालय बिलरिया मात्र खाना पूर्ति के लिए खुलता है शिक्षा के साथ खिलवाड़

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक पढ़ाने के नाम पर अच्छी तनख़ाह तो उठाते हैं परंतु विद्यालय पहुंचकर एमडीएम की रकम रंगाई पुताई मेंटेनेंस का पैसा निकलने में व्यस्त दिखाई देते हैं जिससे विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों का भविष्य बिगड़ रहा है। जानकारी के अनुसार ब्लॉक फूलबेहड़ के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय बिलरिया में प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रुपेश तिवारी तैनात हैं यह अपने शिक्षक साथी श्याम किशोर यादव के साथ कभी-कभार 11:00 बजे जाकर के महज खाना पूर्ति करके वापस चले जाते हैं दोनों महानुभाव छात्रों को शायद ही कभी पढ़ाते देखे गए हों। मालूम हो कि रुपेश तिवारी प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक फूलबेहड़ के अध्यक्ष है तथा अपने को बड़ा नेता ही समझते हैं लेकिन इस विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों का भविष्य बिगाड़ने में लगे हुए हैं उनके साथी अपने को समाजवादी का नेता बताते हैं और रुपेश तिवारी को अपने पीछे गाड़ी पर बैठा करके लखीमपुर में टहलते देखे जाते हैं। ग्रामीणों की माने तो स्कूल रसोइए ही खोलते हैं विद्यालय बंद करने की भी जिम्मेदारी रसोइयों की ही है। गरीबों के बच्चे ही इस विद्यालय में पढ़ते हैं । विद्यालय के प्रधान अध्यापक रुपेश तिवारी एवं उनके सहयोगी टीचर यादव जी बच्चों का भविष्य बर्बाद करने पर तुले हुए हैं अभी हाल में प्राथमिक विद्यालय सुथरी में एक शिक्षक की पिटाई गांव के लफंगों ने की थी जिसमें यह शिक्षक संघ के नेता पीड़ित मास्टर का साथ न देकर आरोपियों को बचाने के फिराक में जुटे हुए बताए जाते हैं।

धूमधाम से मनाया गया साई मंदिर का बीसवां स्थापना दिवस

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री स्व0 रामलाल राही द्वारा सरायन नदी तट स्थित स्थापित सत श्री साईं शिव शक्ति मंदिर का बीसवां स्थापना दिवस पूरे श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रविवार एवं सोमवार को मनाया गया । मंदिर में स्थापित सभी देवी देवताओं के स्नान पूजनआरती दर्शन कार्यक्रम पंडित ब्रजेश शास्त्री व पंडित मनोज शास्त्री ने वेद मन्त्रों के साथ संपन्न कराया। मंदिर के मुख्य न्यासी व पूर्व विधायक रमेश राही व उनकी धर्मपत्नी मंजरी राही ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाईद्य तदुपरांत साई पालकी को मंदिर की ग्यारह बार परिक्रमा साई भगवन के जयकारे के साथ कराई गयी। उसके उपरांत मंदिर में स्थापित साई भगवान् सहित सभी देवी देवताओं को भंडारे का प्रसाद का भोग लगाया गया। उसके पश्चात तीन बजे से भंडारा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भारी संख्या में साई भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम के एक दिन पूर्व यज्ञ शाला में अग्नि प्रवेश कराया गया तथा मंदिर से कलश यात्रा निकाली गयी जो रामकोट स्थित प्राचीन तीर्थ से जल लाकर पुनः मंदिर में आकर श्रद्धालुओं ने भगवान् शिव का जलाभिषेक किया। इस पुनीत कार्यक्रम में शिक्षक एवं लेखक अराध्य शुक्ल, पूर्व विधायक रमेश राही, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंजरी राही, आशा कनौजिया., राकेश राही, वरिष्ठ पत्रकार कवि एवं रंगकर्मी ज्ञान प्रकाश सिंह प्रतीक, डा. आयुष राही, पियूष राही, इब्ने अब्बास, अनुपम श्रीवास्तव, आरती श्रीवास्तव, साधना गुप्ता, किरण मिश्र, गौरव रस्तोगी, नवीन मिश्रा, राजेश रस्तोगी, संजू साहू, पूजा, विक्रम, कलवती आदि ने विभिन्न अनुष्ठानों में भाग लिया।

डीएम की बैठक में अनुपस्थित रहने वालो में किसी की मिली नोटिस तो किसी का कटा वेतन

जन एक्सप्रेस। सीतापुर। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी मातृ सुरक्षा केन्द्रों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाये। प्रसव की निर्धारित तिथि से पूर्व गर्भवती महिला से अवश्य संपर्क कर उसे जरुरी सावधानियों एवं उपलब्ध सुविधाओं के विषय में जागरूक किया जाये तथा एम्बुलेंस की व्यवस्था सहित अन्य उपलब्ध सेवाओं के विषय में भी बताया जाये। उन्होंने कहा कि सभी फैसिलटी और एफआरयू प्रभावी रूप से संचालित कराये जाए और आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। बैठक में अनुपस्थित बी0सी0पी0एम0 बेहटा मोहिनी जायसवाल का एक दिन का वेतन काटनें के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। एम0ओ0आई0सी0 बम्भौरा डा0 आशीष मिश्रा एवं एम0ओ0आई0सी0 मीरानगर डा0 अनम फारूकी के बैठक में अनुपस्थित होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये दोनों एम0ओ0आई0सी0 का एक दिन का वेतन काटनें तथा नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। साण्डा में तैनात सी0एच0ओ0 गायत्री देवी एवं प्रियंका की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय डा0 सुनीता कश्यप की अध्यक्षता में गठित मेडिकल बोर्ड से स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुये 15 दिन के अन्दर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये।मेटरनल एनीमिया की गंभीरता के विषय में जिलाधिकारी ने बताते हुए कहा कि इसके लिए आवश्यक जांचें समय से की जाए और मेटरनल इनीमिया की पुष्टि होने पर तत्काल आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि मातृ मृत्यु के संबंधित समस्त प्रकरणों में डेथ आडिट अवश्य किया जाये और इसमें मृत्यु के कारणों की गहनता से जांच की जाय।

जिला अध्यक्ष बलकार सिंह के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ने की

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

मीटिंग जिला उपाध्यक्ष सुखदेव सिंह जी के निवास पर दिनांक 10 मार्च 26 को ग्राम ऐठापुर (फरदान)जनपद खीरी में जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में किसानों के साथ मीटिंग की जिसमें भारत सरकार द्वारा अमेरिका से की गई डील का विरोध किया गया किसानों ने 23 मार्च 26 को कुरुक्षेत्र हरियाणा पिपली में राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरनाम सिंह चढ़ूनी जी की मीटिंग में पहुंचने को कहा गया सभी किसानों ने समर्थन किया जिसमें जिला अध्यक्ष से लगभग 2000 लोगों के पहुंचने की बात रखी धन्यवाद और किसान यूनियन का जिला अध्यक्ष द्वारा विस्तार किया गया जिसमें लखीमपुर खीरी तहसील अध्यक्ष संदीप कुमार, दुर्गेश नंदन तहसील उपाध्यक्ष, सोमदत्त शुक्ला सलाहकार, गुरु साहब सिंह ब्लॉक महामंत्री, रामविलास, अशोक कुमार संदीप कुमार अमरजीत सिंह बलवीर सिंह छोटेलाल हरदीप सिंह हरविंदर सिंह कुलदीप सिंह, बबलू छोटेलाल बजीलाल, सुखदेव सिंह, जसवंत सिंह पूर्व प्रधान, राम केवल, उत्तम यादव ब्लॉक अध्यक्ष बांकेगंज,जितेंद्र पटेल जिलाउपाध्यक्ष,रामस्वरूप राजाराम आदि किसान भाइयों को सदस्यता दी गई।

थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा शान्ति भंग करने वाले 08 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद खीरी की पुलिस टीम द्वारा दिनांक 10.03.2026 को शान्ति भंग करने वाले 08 अभियुक्तगण 1. अजय कुमार पुत्र राधेश्याम 2.विमलेश कुमार पुत्र कन्नौजीलाल निवासीगण ग्राम कचियानी थाना हैदराबाद जनपद खीरी 3. देवेन्द्र कुमार पुत्र विद्यासागर निवासी ग्राम कचियानी थाना हैदराबाद जिला खीरी 4. राजेश कुमार पुत्र श्रीराम नि0 ग्राम हरगोविन्द पुर थाना हैदराबाद जिला खीरी 5.सचिन पुत्र नरेश निवासी ग्राम भेंसटा थाना हैदराबाद जनपद खीरी 6.सुशील कुमार पुत्र रामाधार निवासी ग्राम घरथनिया थाना हैदराबाद जनपद खीरी 7. रामनरेश पुत्र बुद्धा 8. ज्ञानू पुत्र रामनरेश नि0गण ग्राम घरथनिया थाना हैदराबाद जनपद खीरी को अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी0एन0एस0एस0 में गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही हेतु मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया। वही अभियुक्तगणो को गिरफ्तार करने बाली पुलिस टीम उप निरीक्षक हेमन्त कटियार आरक्षी संजीव कुमार, राजू वर्मा संजीव कुमार दीपक वर्मा प्रेमशंकर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

चीन समेत पड़ोसी देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील

जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, चीन सहित भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस बहुप्रतीक्षित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत का चीन के साथ व्यापारिक घाटा लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी

कैबिनेट द्वारा मंजूर किए गए कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये के फंड में से सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी जरूरतों और ग्रामीण विकास पर केंद्रित है। सरकार ने 'जल जीवन मिशन' के विस्तार के लिए 8.7 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

कनेक्टिविटी और यातायात सुविधाओं का विस्तार

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और परिवहन को सुगम बनाने के लिए सरकार ने कई प्रमुख रेलवे और सड़क परियोजनाओं के साथ-साथ विमानन क्षेत्र के लिए अहम फैसले लिए हैं:

- **एविएशन सेक्टर:** एक प्रमुख नीतिगत फैसले के तहत मदुरै एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट (अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) घोषित किया गया है।
- **रोड नेटवर्क:** जेवर एयरपोर्ट और फरीदाबाद सेक्शन को जोड़ने वाले एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए 3,631 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा, बदनावर-थांदला-टिमरवानी (हा॰ 752 ई) राजमार्ग को 4-लेन बनाने के लिए 3,839 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।
- **रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर:** रेल यातायात की भीड़ कम करने और माल ढुलाई को तेज करने के लिए संतरागाछी-खड़गपुर के बीच चौथी लाइन बिछाने के लिए 2,905 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इसी तरह सैंथिया-पाकुड़ के बीच चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,569 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

व्यापार और निवेश के प्रमुख आंकड़े

भले ही सरकार ने अब नियमों में ढील दी है, लेकिन ऐतिहासिक रूप से भारत में चीनी निवेश का हिस्सा बहुत कम रहा है। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2025 के बीच भारत में हुए कुल एफडीआई इक्विटी प्रवाह में चीन की हिस्सेदारी मात्र 0.43% (2.45 बिलियन डॉलर) रही है।

- **बढ़ता व्यापार:** न्यूनतम निवेश के बावजूद, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार कई गुना बढ़ा है और बीजिंग भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है।
- **आयात-निर्यात:** वर्ष 2024-25 में चीन से भारत का आयात 11.52% बढ़कर 113.45 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि निर्यात 14.5% घटकर 14.25 बिलियन डॉलर रहा।
- **वर्तमान रुझान:** चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-जनवरी 2025-26) के दौरान चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में 38.37% का भारी उछाल आया है (15.88 बिलियन डॉलर), वहीं आयात भी 13.82% बढ़कर 108.18 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। इस अवधि में व्यापार घाटा 92.3 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया है।

किस नियम में किया गया बदलाव?

इस अहम फैसले के तहत सरकार ने 2020 में जारी 'प्रेस नोट 3' के प्रावधानों में ढील दी है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए यह सख्त नियम लागू किया गया था। पुराने नियमों के अनुसार, भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों- चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान- से आने वाले किसी भी निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी। गौरतलब है कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में भारी तनाव आ गया था। इसके परिणामस्वरूप, भारत सरकार ने टिकटॉक, वीचैट और यूसी ब्राउजर जैसे 200 से अधिक चीनी मोबाइल ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया था।

कैबिनेट ने 8.8 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को भी दी हरी झंडी

देश में रणनीतिक बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने के लिए भी केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कनेक्टिविटी इन्वेस्टमेंट एजेंडा 2024' के तहत कैबिनेट ने कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी है। इन फैसलों में रेलवे, हाईवे, एविएशन और ग्रामीण जल आपूर्ति जैसे प्रमुख सेक्टर्स शामिल हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अन्य महत्वपूर्ण फैसले

एफडीआई नियमों में ढील देने के साथ-साथ, कैबिनेट ने कॉरपोरेट सेक्टर को राहत देने वाले दो अन्य महत्वपूर्ण विधेयकों को भी मंजूरी दी है। दिवाला प्रक्रिया को और अधिक सुचारू बनाने के लिए 'इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) बिल 2025' में संशोधनों को मंजूरी दी गई है। यह बदलाव सेलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। इसके अलावा, कंपनियों के कामकाज को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 'कॉरपोरेट कानून संशोधन विधेयक' को भी हरी झंडी दी गई है।

अब आगे क्या?

चीन और अन्य पड़ोसी देशों के लिए एफडीआई नियमों में यह ढील विदेशी पूंजी प्रवाह को फिर से गति देने की दिशा में एक बड़ा नीतिगत बदलाव है। यह कदम दर्शाता है कि सरकार भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच घरेलू औद्योगिक विकास और सप्लाई चेन की जरूरतों को संतुलित करने का प्रयास कर रही है। इससे उन क्षेत्रों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्हें तकनीकी और पूंजीगत विस्तार के लिए विदेशी निवेश की सख्त दरकार है।

अगर तेल रोका तो 20 गुना ज्यादा ताकत से करेंगे हमला, ट्रंप ने ईरान को दी नई धमकी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बेहद सख्त चेतावनी जारी की है। ट्रंप ने कहा है कि यदि ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली तेल आपूर्ति को रोकने या बाधित करने की कोशिश की, तो अमेरिका पहले से 20 गुना अधिक कठोर जवाबी कार्रवाई करेगा। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान तेल आपूर्ति को प्रभावित करता है, तो अमेरिका ऐसे सैन्य कदम उठाएगा जिससे ईरान की कई रणनीतिक क्षमताएं पूरी तरह खत्म हो सकती हैं।

'डेथ, फायर एंड फ्यूरी' की चेतावनी

ट्रंप ने अपने संदेश में बेहद कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि अगर ईरान ने ऐसी कोई कार्रवाई की, तो उस पर 'मौत, आग और तबाही' का कहर टूट सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसे लक्ष्यों को निशाना बना सकता है जिन्हें नष्ट करना आसान है और जिनसे ईरान की भविष्य में पुनर्निर्माण क्षमता भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। हालांकि ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि वह उम्मीद और प्रार्थना करते हैं कि ऐसी स्थिति कभी पैदा न हो।

ऑपरेशन मिडनाइट हैमर को लेकर क्या कहा गया?

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। उनके अनुसार यदि यह अभियान नहीं चलाया गया होता तो ईरान के पास परमाणु हथियार बनने की पूरी संभावना थी। ट्रंप ने कहा कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में एक बड़े खतरे को टाल दिया गया है।

वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए क्यों अहम है हॉर्मुज जलडमरूमध्य?

हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में से एक माना जाता है। खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाला बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचता है। दुनिया के कई बड़े ऊर्जा आयातक देश, विशेषकर एशियाई अर्थव्यवस्थाएं, इस मार्ग पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऐसे में यदि यहां किसी प्रकार की बाधा आती है तो वैश्विक तेल बाजार और ऊर्जा सुरक्षा पर बड़ा असर पड़ सकता है।

चीन और अन्य देशों का भी किया जिक्र

अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि इस मार्ग की सुरक्षा को सुनिश्चित करना उन देशों के लिए भी महत्वपूर्ण है जो बड़े पैमाने पर इस रास्ते से तेल आयात करते हैं। उन्होंने इसे अमेरिका की ओर से उन देशों के लिए एक तरह का उपहार बताया जो हॉर्मुज जलडमरूमध्य का भारी उपयोग करते हैं, जिनमें चीन भी शामिल है।

रायसेन किले से 'ईरान जिंदाबाद' के लगाए नारे, रील भी बनाई, पुलिस ने जुलूस निकालकर चार को कोर्ट पहुंचाया

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। रायसेन

रायसेन जिले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक विवादित वीडियो के मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोप है कि युवकों ने ऐतिहासिक रायसेन किले की प्राचीर पर चढ़कर ईरान के समर्थन में नारे लगाते हुए रील बनाई और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वीडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से सुर्खियों में आ गया।

क्या था मामला?

दरअसल, रायसेन किले से तोप चलाते हुए कुछ युवकों का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ। वीडियो में युवक नारे लगाते हुए ईरान के समर्थन की बात करते सुनाई दे रहे हैं। बताया गया कि यह वीडियो रमजान के दौरान रोजा खोलने की सूचना देने के समय बनाया गया था। घटना के बाद हिंदू संगठन 'अपना रायसेन' ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि वीडियो में लगाए गए कुछ नारे आपत्तिजनक हैं, जिससे हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। संगठन ने आशंका जताई कि इससे शहर में सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है और तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने क्या कहा?

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने भी इस पर सवाल उठाते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों (शादाब कुरैशी, यूसुफ शेख, बसीम खान और सलमान खान) को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद अस्पताल से न्यायालय तक उन्हें पैदल जुलूस के रूप में पेश किया गया। इस दौरान आरोपियों के हाथों में हथकड़ी लगी थी और पुलिस बल उनके साथ मौजूद रहा। जुलूस के दौरान चारों आरोपी लंगड़ाते हुए चलते नजर आए, जिसे लेकर वहां मौजूद लोगों के बीच चर्चा होती रही।

पुलिस अधिकारी क्या बोले?

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी प्रकार की भड़काऊ या देश की भावनाओं को आहत करने वाली गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर ईरानी हमलों का मना रहे थे जश्न, बहरीन में पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। बहरीन

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बहरीन की सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल मीडिया पर ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियों में एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इसराफिल मीर और पांच पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं। स्थानीय मीडिया और बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई आंतरिक मंत्रालय और देश की जनरल डायरेक्टरेट ऑफ एंटी-करप्शन एंड इकोनॉमिक एंड इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी की जांच के बाद की गई। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ईरान के समर्थन में 'भ्रामक' वीडियो और पोस्ट साझा कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर कुछ स्थानों पर हमलों की वीडियो फुटेज रिकॉर्ड की और ऑनलाइन फैलाया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था और आम जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास हुआ। छह एशियाई नागरिकों की पहचान इस गतिविधि में की गई। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनके मामलों को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को भेजा गया है।

बहरीन ने नागरिकों और प्रवासियों को दी चेतावनी

ईरान से संबंधित संघर्ष के पड़ोसी देशों तक फैलने के बाद, बहरीन की एजेंसियों ने ऑनलाइन उत्तेजक या भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने देशवासियों और विदेशी निवासियों को चेतावनी दी है कि वे बिना अनुमति के वीडियो, तस्वीरें या जानकारी साझा न करें, खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा या वर्तमान संघर्ष से संबंधित हों।

ओडिशा में 12 साल बाद राज्यसभा चुनाव

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा में राज्यसभा चुनाव की नामांकन वापसी की आखिरी तारीख शांतिपूर्ण रही, क्योंकि किसी भी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया। इस वजह से 4 सीटों के लिए 5 उम्मीदवार सीधे मुकाबले में हैं। ओडिशा में 12 साल बाद यह पहली बार है जब राज्य की विधानसभा में इसके लिए वोटिंग होगी। मतदान 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद 20 मार्च तक है, जिससे राजनीतिक पटल पर बहस और सियासी रणनीतियों की भूमिका अहम बनेगी। ओडिशा में राज्यसभा के लिए चार सीटों के लिए होने वाली वोटिंग के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा की ओर से मनमोहन समाल और सुजीत कुमार, बीजेडी की ओर से संत्रुप्त मिश्रा और यूरोलॉजिस्ट दत्तेश्वर होटा और स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर दिलीप रे अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं। बता दें कि ओडिशा विधानसभा में कुल 147 सदस्य हैं। वर्तमान संख्या के हिसाब से भाजपा के पास 79 विधायक और 3 स्वतंत्र समर्थक हैं, जिसके बाद पार्टी की दो सीट लगभग पक्की मानी जा रही है।

'न्यायिक अधिकारियों के काम में बाधा न हो', सुप्रीम कोर्ट ने दिए बंगाल सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग से कहा है कि न्यायिक अधिकारियों को अपना काम सुचारू रूप से करने के लिए उचित और निर्बाध परिस्थितियां उपलब्ध कराई जाएं। तीन जजों की पीठ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल थे, ने कहा कि स्क्रुटनी प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने अब तक मतदाता सूची से हटाए जाने के खतरे का सामना कर रहे लोगों की 10.16 लाख आपत्तियों और दावों पर सुनवाई की है।

कोर्ट ने क्या-क्या दिए निर्देश?

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि स्क्रुटनी प्रक्रिया में कोई भी नया अनिवार्य कदम तब तक लागू न किया जाए, जब तक उस कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की मंजूरी न मिल जाए। साथ ही अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग के पोर्टल में आने वाली तकनीकी दिक्कतों को तुरंत दूर किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आगे ऐसी समस्याएं न हों। कोर्ट ने यह भी कहा कि न्यायिक अधिकारियों के लिए नए लॉग-इन आईडी जल्द बनाए जाएं, ताकि मतदाता सूची के संशोधन का काम बिना बाधा जारी रह सके। साथ ही स्पष्ट किया कि न्यायिक अधिकारियों के फैसलों की समीक्षा चुनाव आयोग के किसी प्रशासनिक अधिकारी द्वारा नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपीलों की सुनवाई के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीशों और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की एक पीठ गठित कर सकते हैं। अदालत ने चुनाव आयोग को इस संबंध में अधिसूचना जारी करने का भी निर्देश दिया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट यह सुनवाई पश्चिम बंगाल में जारी स्क्रुटनी प्रक्रिया से जुड़े कई याचिकाओं के समूह पर कर रहा था।

पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता: मुख्य चुनाव आयुक्त

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कोलकाता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पिछले दो दिनों में चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का विस्तृत आकलन किया है। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना है।

राज्य में मतदाताओं की संख्या किन देशों के बराबर है?

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं और यहां के लोग शांतिपूर्ण व सहभागी लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि राज्य में मतदाताओं की संख्या फ्रांस और उरुग्वे जैसे देशों के कुल मतदाताओं के बराबर है।

राज्य में कितने मतदान केंद्र बनाए गए हैं?

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि राज्य में करीब 80,000 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से लगभग 61,000 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी ताकि मतदान प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची शुद्ध हो और सभी योग्य मतदाताओं के नाम सूची में मौजूद हों। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के दौरान सरकारी अधिकारियों का पूर्णतः निष्पक्ष और गैर-पक्षपाती आचरण बेहद आवश्यक है। सभी एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे पूरी निष्पक्षता के साथ काम करें। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि विधानसभा चुनाव के चरणों की संख्या राज्य की कानून-व्यवस्था की तैयारियों के आधार पर तय की जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने भी स्क्रुटनी में आई तकनीकी बाधाओं पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि इन्हें दूर किया जाएगा ताकि भविष्य में ऐसी समस्या न हो।

विवाद और चिंताएं

चुनाव आयोग के दौरे के साथ ही, विशेष गहन संशोधन (स्क्रुटनी) के बाद मतदाता सूची में कथित तौर पर की गई मनमानी कटौतियों को लेकर विवाद भी गरमाया हुआ है।

बैठकों का मुख्य उद्देश्य और एजेंडा

इस दौरे का प्रमुख उद्देश्य राज्य में चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों का गहन मूल्यांकन करना है। बैठकों में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की जा रही है:

- **सुरक्षा व्यवस्था:** केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती और राज्य पुलिस के साथ उनके समन्वय की समीक्षा।
- **मतदान केंद्रों की व्यवस्था:** मतदान केंद्रों की भौतिक स्थिति, वहां आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता और सुरक्षा का आकलन।
- **लॉजिस्टिक व्यवस्था:** चुनाव सामग्री का वितरण, मतदान कर्मियों की तैनाती और अन्य लॉजिस्टिक पहलुओं की योजना।
- **मतदाता सूची की समीक्षा:** मतदाता सूची में कथित तौर पर की गई अनियमितताओं और विसंगतियों से संबंधित विवादों पर भी चर्चा।
- **राजनीतिक दलों से संवाद:** सोमवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में चुनावों को एक या दो चरणों में कराने और मतदाताओं को डराने-धमकाने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के सुझाव दिए गए।

कोविड वैक्सीन के दुष्प्रभाव पर 'सुप्रीम' निर्देश, केंद्र सरकार को मुआवजा नीति बनाने को कहा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

कोविड-19 वैक्सीन से जुड़े गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। अदालत ने मंगलवार को कहा कि सरकार ऐसी नीति तैयार करे, जिसके तहत कोविड वैक्सीन लेने के बाद अगर किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान होता है तो उसे नो-फॉल्ट मुआवजा दिया जा सके। यह फैसला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल टीकाकरण के बाद होने वाले दुष्प्रभावों की निगरानी के लिए जो मौजूदा व्यवस्था है, वही जारी रहेगी। इसके लिए किसी नए अदालत द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ पैनल की जरूरत नहीं है।

केंद्र सरकार से क्या बोला सुप्रीम कोर्ट

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अगर किसी व्यक्ति को वैक्सीन के कारण नुकसान हुआ है तो वह कानून के तहत उपलब्ध अन्य कानूनी रास्तों का भी इस्तेमाल कर सकता है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि नो-फॉल्ट मुआवजा की नीति बनाना सरकार की गलती या जिम्मेदारी मानने के बराबर नहीं होगा।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, अदालत में कई याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इनमें एक याचिका मां ने आरोप लगाया गया था कि साल 2021 में कोविशील्ड वैक्सीन की पहली डोज लेने के बाद दो महिलाओं की मौत हो गई थी। याचिका में कहा गया था कि दोनों को टीकाकरण के बाद गंभीर दुष्प्रभाव हुए थे। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को मुआवजे से जुड़ी नई नीति बनाने का निर्देश दिया है।

ईंधन संबंधी चिंताओं के बीच भारत ने निभाया पड़ोसी धर्म, पाइपलाइन के जरिए बांग्लादेश को भेजा 5000 टन डीजल

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। ढाका

पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ईंधन संकट के बीच भारत ने पड़ोसी बांग्लादेश के प्रति सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण पेश किया है। इसके तहत भारत बांग्लादेश को आज 5,000 टन डीजल पाइपलाइन के माध्यम से भेजा जा रहा है, जो आपूर्ति समझौते के तहत छह महीने की जरूरतों का हिस्सा है। तेल की लेकर वैश्विक चिंताओं के बीच भारत का यह कदम न सिर्फ क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि सहयोग और भरोसे की मिसाल भी पेश करता है। बता दें कि यह डीजल पार्वतीपुर सीमा के रास्ते बांग्लादेश में प्रवेश करेगा। यह जानकारी बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसी) के चेयरमैन मुहम्मद रेजानुर रहमान ने दी। चेयरमैन रेजानुर रहमान ने एएनआई से बातचीत में बताया कि हमारा भारत के साथ एक समझौता है। इसके तहत भारत हर साल 1,80,000 टन डीजल बांग्लादेश को पाइपलाइन के माध्यम से भेजेगा। आज जो 5,000 टन डीजल आ रहा है, वह उसी समझौते का हिस्सा है। रहमान ने आगे कहा कि समझौते के अनुसार, हर छह महीने में कम से कम 90,000 टन डीजल आयात करना जरूरी है। आज जो डीजल आ रहा है वह 5,000 टन है।

ईंधन की बिक्री वाहन की श्रेणी के अनुसार सीमित

गौरतलब है कि बांग्लादेश सरकार ने देश में ईंधन की बिक्री को वाहन की श्रेणी के अनुसार सीमित कर दिया है। बावजूद इसके, कई पेट्रोल पंपों पर नियमों से अधिक ईंधन बेचा जा रहा है, अतिरिक्त स्टॉक जमा किया जा रहा है और कभी-कभी खुले बाजार में बिक्री या तस्करी की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। इसको रोकने के लिए बांग्लादेश सरकार ने मोबाइल कोर्ट अभियान भी चलाया।

एक दो पेट्रोल पंप का उदाहरण समझिए

इसके तहत राजधानी ढाका में कुछ पेट्रोल पंप, जैसे कि सिटी फिलिंग स्टेशन, तेजगांव (एमपीएल), जहां कल से खाली ईंधन आने के बाद संचालन फिर से शुरू होगा। वहीं क्लीन फ्यूल, तेजगांव (जेओसीएल) भी नियमों का पालन करते हुए काम कर रहा है। दूसरी ओर बांग्लादेश सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि आम लोगों तक ईंधन की आपूर्ति सही समय पर पहुंचे और किसी तरह की कालाबाजारी या तस्करी न हो।